मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	35.3	29.4
जमशेदपुर	37.4	27.6
डालटनगंज	35.8	26.3

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, शुक्रवार 12 जुलाई 2024 ● आषाढ़ शुक्ल पक्ष 07 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 94 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के अंतर्गत

नव-नियुक्त 1500 PGT शिक्षकों का नियुक्ति पत्र वितरण समारोह

मुख्य अतिथि

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि

डॉ. रामेश्वर उरांव
मा0 मंत्री, वित्त, योजना एवं विकास, वाणिज्य-कर एवं संसदीय कार्य विभाग, झारखण्ड सरकार

श्री सत्यानंद भोक्ता
मा0 मंत्री, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास, उद्योग विभाग, झारखण्ड सरकार

श्री बैद्यनाथ राम
मा0 मंत्री, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता, उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग, झारखण्ड सरकार

दिनांक : 12 जुलाई 2024 (शुक्रवार), अपराह्न 12:30 बजे
स्थान : प्रभात तारा मैदान, धुर्वा, रांची

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखण्ड सरकार

फरियादी पहुंचे मुख्यमंत्री आवास, सीएम हेमंत ने सुनी शिकायतें

कहा- समस्याओं का समाधान मेरी सरकार की प्राथमिकता

विशेष संवाददाता। रांची

राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से फरियादी कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास पहुंचे, जहां पर लोगों ने अपनी-अपनी फरियाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से की. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन स्वयं एक-एक लोगों से उनके आवेदन पत्रों को लिया. मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार द्वारा आमजनों की शिकायतों व समस्याओं का यथोचित व त्वरित समाधान किए जाने का भरोसा दिया. मौके पर विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने भी मुख्यमंत्री से मुलाकात कर उन्हें हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी. विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कुशल नेतृत्व में राज्य हर क्षेत्र में तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा.

जन कल्याण की योजनाओं को धरातल पर उतारा : इस अवसर पर मुख्यमंत्री सोरेन ने उपस्थित लोगों से कहा कि पिछले साढ़े चार वर्ष में उनकी सरकार गांव-गांव, घर-घर तक पहुंचकर जन समस्याओं को सुलझाने के प्रयास किया है. उनकी सरकार ने कई महत्वपूर्ण नीतियां बनाई हैं. सरकार द्वारा संचालित विभिन्न महत्वाकांक्षी जनकल्याण योजनाओं को धरातल पर उतारा गया है. इन सभी प्रभावी नीतियों तथा योजनाओं का सीधा लाभ आम जनमानस को मिला है. मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार मूलभूत व बुनियादी सुविधाओं को लोगों के घर-आंगन तक पहुंचाने का कार्य निरंतर कर रही है. आने वाले दिनों में यहां के लोगों के जीवन स्तर में गुणात्मक सुधार तथा सकारात्मक बदलाव लाया जा सके. इस निमित्त हम प्रतिबद्धता के साथ योजनाओं को उनतक तक पहुंचा रहे हैं.

हेमंत-कल्पना ने की सरयू राय से मुलाकात, बढ़ी राजनीतिक सरगर्मी

विशेष संवाददाता। रांची

राज्य के तेजी से बदलते राजनीतिक परिदृश्य के बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी विधायक कल्पना सोरेन निर्दलीय विधायक सरयू राय से मिले. इस मुलाकात के कुछ फोटो खुद हेमंत सोरेन ने फेसबुक वॉल पर शेयर किए हैं. इसमें सरयू राय के स्वागत और उनके साथ मंत्रणा करते हुए दिखायी गयी है. अब इस मुलाकात में क्या बातचीत हुई, इसका खुलासा नहीं हो पाया है. मगर इस मुलाकात के कई राजनीतिक मायने निकाले जाने शुरू हो गए हैं. इसके पहले भाजपा से त्याग पत्र दे चुके बहरगोड़ा के पूर्व झामुमो विधायक कुणाल षांड़गी का झामुमो में जाने के चर्चा के बीच सरयू राय से मुलाकात की बातें भी सामने आयीं.

1951 से 2011 के बीच आधी हो गई आदिवासियों की आबादी : मरांडी

संथाल परगना में आदिवासियों का अस्तित्व खतरे में : बाबूलाल

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने गुरुवार को पाकुड़ में राज्य सरकार पर निशाना साधा. कहा कि ठगबंधन सरकार की तुष्टिकरण नीति में घुसपैठियों को संरक्षण प्राप्त है. आदिवासी आबादी खतरे में है. ऐसा लगता है कुछ दिनो में अस्तित्व ही समाप्त हो जायेगा। 1951से लेकर 2011 तक हुई जनगणना रिपोर्ट को रखते हुए कहा कि यह भारत सरकार का सेंसस रिपोर्ट है, जो नरेंद्र मोदी को देश की सत्ता में आने से पहले का है, आज जनसंख्या दिवस है और आंकड़े बताते हैं कैसे संथाल परगना में आदिवासियों की आबादी लगातार घट रही और मुस्लिम आबादी अप्रत्याशित ढंग से घट रही,

आंकड़ों का दिया हवाला : बाबूलाल ने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि 1951में संथाल परगना में आदिवासी आबादी 44.67%थी ,मुस्लिम आबादी 9.44% थी और सामान्य आबादी 45.91% थी. आज 2011की जनगणना रिपोर्ट को देखें तो मुस्लिम आबादी में ढाई गुना वृद्धि के साथ 22.73% हो गयी जबकि आदिवासियों की आबादी 44.67% से घटकर 28.11% हो गयी. यही पर सामान्य आबादी 45.9% से 49.2%तक ही बढ़ी.

खास बातें

- मुस्लिम आबादी में ढाई गुना हुई वृद्धि : बाबूलाल मरांडी
- कहा- ठगबंधन सरकार में घुसपैठियों को प्राप्त है संरक्षण

आदिवासी आबादी को सुनियोजित तरीके से घटाया जा रहा

मरांडी ने कहा कि स्पष्ट है कि संथाल परगना में आदिवासियों की आबादी को लव जिहाद, लैंड जिहाद के नाम पर सुनियोजित तरीके से घटाया जा रहा है. साहिबगंज और पाकुड़ की स्थिति तो भयावह है. एक विधानसभा क्षेत्र में 50 हजार मतदाता बढ़ गए .लगभग 123%की वृद्धि हुई .आखिर यह अप्रत्याशित वृद्धि कैसे हुई.

भाजपा वोट बैंक की राजनीति नहीं करती

भाजपा वोट बैंक की राजनीति नहीं करती. भाजपा देश केलिए राजनीति करती है. राष्ट्र प्रथम के संकल्प के साथ हम काम करते हैं. जब जनसंघ का गठन हुआ था, उसी समय से हम धारा 370 का विरोध करते थे. भले हमारी राजनीतिक ताकत कम थी। लेकिन देश के मुद्दों पर कभी समझौता नहीं किया. घुसपैठिए भी देश के विरोधी हैं. अनेक देशों ने घुसपैठियों को बाहर किया है. पाकिस्तान ने भी अफगानिस्तानियों को बाहर किया है.

हाईकोर्ट ने भी घुसपैठ को माना है गंभीर

मरांडी ने कहा कि राज्य में घुसपैठ की समस्या को हाईकोर्ट ने भी गंभीर माना है. सभी जिला के उपायुक्तों को इस दिशा में कारवाई के निर्देश दिए हैं. राज्य सरकार तुष्टिकरण छोड़ घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे. उनका संरक्षण बंद करे.

बाबूलाल का सीएम हेमंत पर तंज, कहा

सोचो, झारखंड को क्या मिला है

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सीएम हेमंत सोरेन पर तंज कसा है. उन्होंने ट्वाट कर कहा है कि एक ऐसा मुख्यमंत्री, जो खुद को आदिवासी कहने में तो तनिक भी संकोच नहीं करता, पर जब बात आदिवासी समाज के कल्याण की और जल, जंगल, जमीन के सुरक्षा की आती है, तो सरपट अपने पैर पीछे कर लेता है, उल्टे पैरों ही दौड़ने लगता है. आदिवासी समाज की जमीनों को संरक्षण प्राप्त दबंगों द्वारा कब्जा किया जा रहा है, सुनवाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की जा रही है. अधिकारियों से लेकर सत्ता में बैठे पदाधिकारियों तक कोई भी सुनील हेंब्रम जैसे पीड़ितों को न्याय नहीं दिला रहा है, बल्कि अधिकारी पैसे खाने में तथा पदाधिकारी सत्ता की रोटी सेंकने में व्यस्त हैं.

चुनाव निकट आ रहा है, सावधान रहिए...

बाबूलाल ने कहा कि झामुमो और कांग्रेस के नेता एक बार फिर से आदिवासी समाज का आवरण ओढ़कर आ रहे होंगे. झूठी सांत्वना देने और अपनी वोटबैंक की राजनीति करने. भारतीय जनता पार्टी वोट की नहीं, देश की राजनीति करती है.

संताल में मुस्लिमों का जनसंख्या विस्फोट चिंतनीय

पिछले 5 सालों के दौरान संथाल परगना क्षेत्र में अचानक से हुआ मुसलमानों की जनसंख्या का विस्फोट पूरे समाज के लिए चिंता का विषय है. डेमोग्राफी बदलने के कारण संथाल परगना का अस्तित्व खतरे में है. यदि स्थिति नहीं सुधरी तो आने वाले कुछ वर्षों में संथाल परगना से आदिवासी समाज विलुप्त हो जाएगा. राज्य सरकार एसआईटी का गठन कर शीघ्र कार्रवाई करे.

धनबाद और रांची जिले से सबसे अधिक लोग हुए लापता

पांच महीने में 179 व्यक्ति हुए लापता

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड से लापता हुए 179 व्यक्तियों को पुलिस अबतक नहीं खोज पायी है. पिछले पांच महीने में झारखंड के अलग-अलग जिलों से 179 व्यक्ति लापता हुए हैं. इनमें पुरुष, महिला और बच्चे शामिल हैं. इसके लेकर उनके परिजनों ने संबंधित थाना में मामला भी दर्ज कराया. लेकिन लापता हुए व्यक्तियों का कुछ पता नहीं चला है. बता दें कि धनबाद और रांची जिले से सबसे अधिक लोग लापता हुए हैं. गौरतलब है कि झारखंड में मानव तस्करी एक बड़ी समस्या है. तस्कर भोले-भाले ग्रामीणों को नौकरी दिलाने का लालच देकर ले जाते हैं और उन्हें बड़े शहरों में बेच देते हैं. इस वजह से भी कई लोग लापता हुए है, जिनका अबतक कोई पता नहीं चला है.

पुलिस भी नहीं खोज पायी : देखें आंकड़े

लोहरदगा	:	02	मशेदपुर	:	16
हजारीबाग	:	04	कोडरमा	:	08
धनबाद	:	29	गढ़वा	:	03
खूंटी	:	05	गिरिडीह	:	02
सिमडेगा	:	08	दुमका	:	02
गुमला	:	14	देवघर	:	12
रेल धनबाद	:	02	बोकारो	:	07
रेल जमशेदपुर	:	03	रामगढ़	:	06
सरायकेला	:	03	रांची	:	30
साहिबगंज	:	11	पलामू	:	02
गोड्डा	:	01	कुल	:	179
चाईबासा	:	03	--	-	--

हेमंत सरकार गठन के बाद राज्यपाल मिले गृह मंत्री से

रांची। झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन गुरुवार को अपने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिले. इस दौरान दोनों के बीच राज्य के विकास के संदर्भ में विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई. इससे पहले राज्यपाल हेमंत सोरेन के जेल से निकलने के पहले गृह मंत्री से मिले थे. अब राज्य में नयी हेमंत सोरेन सरकार गठन के बाद इस मुलाकात को काफी अहम माना जा रहा है. जानकारी के अनुसार दोनों के बीच राज्य के ताजा राजनीतिक परिस्थिति पर भी चर्चा हुई.

सभी विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला

झारखंड में 'आप' ने इंडी गठबंधन से किया किनारा

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड में झारखंड में'आप' ने इंडी गठबंधन से किनारा कर लिया है. पार्टी में झारखंड के सभी विधानसभा सीटों पर अकेले दम पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है. यह फैसला पार्टी के दो दिनी प्रदेश स्तरीय बैठक में लिया गया. पार्टी के प्रदेश संयोजक डीएन सिंह ने बताया कि झारखंड में 'आप' अकेले दम पर चुनाव लड़ेगी.

24 साल बाद भी झारखंड में नहीं बदली व्यवस्था : प्रदेश सोयजक डीएन सिंह ने बताया कि राज्य गठन के 24 साल बाद भी झारखंड में व्यवस्था नहीं बदली. कई सरकारें आईं और गईं. यही वजह है कि पार्टी ने कार्यकर्ताओं को अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र में चुनाव की तैयारी करने का निर्देश दिया है.

व्यवस्था बदलाव यात्रा पर जोर : पार्टी ने व्यवस्था बदलाव यात्रा पर जोर दिया है. उप संयोजक प्रेम कुमार ने कहा कि व्यवस्था बदलाव यात्रा से सभी विधानसभा क्षेत्रों का हिसाब-किताब होगा. दो दिवसीय प्रदेश स्तरीय बैठक का आयोजन रांची स्थित पार्टी के प्रदेश कार्यालय में किया गया था. बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष अजय भगत, हरि सिंह, प्रदेश प्रवक्ता कृष्ण मुरारी शर्मा सहित नेता-कार्यकर्ता मौजूद थे.

'तकनीकी शिक्षा को बनाएं रोजगारपरक'

- विद्यार्थियों को मिले गुणवत्तापूर्ण शिक्षा : चंपाई सोरेन

प्रमुख संवाददाता। रांची

शिक्षा मंत्री चंपाई सोरेन ने तकनीकी शिक्षा को रोजगारपरक बनाने पर जोर दिया है. गुरुवार को शिक्षा मंत्री ने विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की. उन्होंने इस दौरान उच्च एवं तकनीकी शिक्षा से जुड़े सभी योजनाओं की बिंदुवार जानकारी ली. साथ ही योजना की प्रगति के बारे में अफसरों से विस्तृत ब्योरा भी मांगा. उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलनी चाहिए. इसके लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं. शिक्षा मंत्री ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा. विद्यार्थियों को नवीनतम नॉलेज के साथ तकनीकी ज्ञान भी दें, जिससे वे अपने करियर को बेहतर बना सकें. बैठक में विभाग के अधिकारियों सहित कई यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर भी मौजूद थे.

इन प्रस्तावों पर बनी सहमति

- रांची में पूर्वी भारत का पहला दिव्यांग विश्वविद्यालय खोला जायेगा.
- जमशेदपुर में बन रहे पंडित रघुनाथ मुर्मू जनजातीय विश्वविद्यालय के कार्य की प्रगति समीक्षा की गई। वहां नए वाइस चांसलर की नियुक्ति इसी माह होने की संभावना है
- उच्च शिक्षा विभाग द्वारा नवोत्थान छात्रवृत्ति योजना का प्रस्ताव रखा गया. इसके तहत राज्य के मेधावी अनाथ एवं दिव्यांग विद्यार्थियों के पूर्ण पाठ्यक्रम शुल्क, अधिकतम 10 लाख रुपए प्रतिवर्ष तक सरकार देगी. इसके अलावा, इन छात्रों को आवासीय एवं भोजना की व्यवस्था हेतु प्रति वर्ष 48,000 रुपये की सहायता राशि दी जाएगी
- जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज तथा एलबीएसएम कॉलेज समेत 38 अन्य महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों को रेनोवेट करने की योजना पर चर्चा हुई.
- 34 महाविद्यालयों का निर्माण को तेज करने का निर्देश दिया गया
- गिरिडीह, साहेबगंज, जमशेदपुर, रांची एवं गुमला में नए इंजीनियरिंग कॉलेज खोलने का प्रस्ताव रखा गया
- राज्य के देवघर, बरही, पतरातू, बुंडू, जमशेदपुर और राजनगरमें नए पॉलिटेक्निक कॉलेज खोलने का प्रस्ताव दिया गया
- गिरिडीह, साहिबगंज, देवघर, खूंटी, गुमला तथा जमशेदपुर में नए विश्वविद्यालय खोलने की योजना के प्रस्ताव पर चर्चा हुई

39.84 करोड़ के सुरक्षा उपकरण खरीदेगी झारखंड पुलिस

संवाददाता। रांची

झारखंड पुलिस 39.84 करोड़ के सुरक्षा उपकरण खरीदेगी. इन सुरक्षा उपकरणों का इस्तेमाल सार्वजनिक रैलियां, कार्यक्रम, प्रदर्शन, राजनीतिक रैलियां के अलावा वीआईपी और वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान किया जायेगा. इसको लेकर झारखंड पुलिस मुख्यालय ने सरकार से 39.84 करोड़ के बजट की मांग की है. इस राशि से डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर (डीएफएमडी), हैंड मेटल डिटेक्टर (एचएमडी) समेत नौ सुरक्षा उपकरण खरीदे जायेंगे. यह उपकरण किसी भी कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए अपने आप में बड़ी व्यवस्था है.

जानें क्या-क्या सुरक्षा उपकरण खरीदे जायेंगे

- डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर : 150
- हैंड मेटल डिटेक्टर : 216
- ईएक्सटी सर्च मिरर : 117
- नन लाइनर जंक्शन डिटेक्टर : 29
- दूरबीन : 47
- एक्सप्लोसिव वेपर डिटेक्टर : 59
- जीपीएस : 27

- पोर्टेबल एक्स रे स्कैनर मशीन : 61

186 गणमान्य लोगों की सुरक्षा में एक हजार से ज्यादा जवान : झारखंड में 186 गणमान्य लोगों को जेड श्रेणी से लेकर एक्स श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई है. ऐसे में मात्र 186 लोगों की सुरक्षा में ही एक हजार से ज्यादा जवान लगे हैं. राज्य के राज्यपाल, मुख्यमंत्री के साथ कई पूर्व मुख्यमंत्री और राज्य से आने वाले केंद्रीय मंत्रियों को जेड श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गयी है. झारखंड में अति विशिष्ट यानी वीआईपी लोगों को जेड प्लस से लेकर एक्स श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त है. इस साल मार्च महीने में ही झारखंड में राज्य सुरक्षा वर्गीकरण समिति की बैठक हुई थी. बैठक के दौरान झारखंड के विशिष्ट और अति विशिष्ट व्यक्तियों पर किस तरह की असुरक्षा है, उसकी समीक्षा की गयी. समीक्षा के बाद उन लोगों को जेड प्लस, जेड, वाई प्लस, वाई और एक्स कैटेगरी की सुरक्षा में रखा गया.

झारखंड पुलिस का वायरलेस विभाग उपेक्षा का शिकार

खास बातें

- साल 2021 में सिर्फ 89 वायरलेस सब इंस्पेक्टर की नियुक्ति हुई थी
- वर्ष 2021 के बाद अबतक वायरलेस विभाग में एक भी नियुक्ति नहीं हुई है

रांची। झारखंड पुलिस ने हाल के वर्षों में आधुनिकीकरण की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाये हैं. सूबे के थानों की सूरत बदली है. पुलिकर्मियों को अत्याधुनिक हथियार और संसाधन मिले हैं. लेकिन झारखंड पुलिस के वायरलेस विभाग की बात करें तो पुलिस आधुनिकीकरण का कोई खास असर यहां देखने को नहीं मिल रहा है. राज्य पुलिस का यह महत्वपूर्ण प्रतिष्ठान पूरी तरह उपेक्षा का शिकार है. यह हम नहीं, यहां के हालात कह रहे हैं. राज्य गठन के बाद यहां साल 2021 में सिर्फ 89 वायरलेस सब इंस्पेक्टर की नियुक्ति हुई थी. इसके बाद से अबतक वायरलेस विभाग में एक भी नियुक्ति नहीं हुई है. नतीजतन आज यहां वायरलेस कर्मियों की भारी किल्लत हो गयी है. बताया जा रहा है कि वायरलेस ऑपरेटर कांस्टेबल के 700 से अधिक पद खाली हैं. वहीं टेक्निकल ऑपरेटर भी केवल आठ से दस ही बचे हैं. पदों के खाली रहने के कारण कामकाज पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है. पुलिस वायरलेस सिस्टम को आधुनिक बनाने के लिए भेजा गया प्रस्ताव विचाराधीन गृह विभाग को पिछले वर्ष पुलिस वायरलेस सिस्टम को आधुनिक बनाने के लिए तीन वर्षीय योजना का प्रस्ताव भेजा गया था. इसमें 5417 डिजिटल वीएचएफ सेट हाय बैंड सेट, 4304 डिजिटल वीएच सेट, 48 डिजिटल वीएचएफ रिपीटर सेट, 256 एचएफ सेट स्टेटिक और 345 एचएफ मैनपैक सेट खरीदने का प्रस्ताव था. लेकिन यह प्रस्ताव अब तक विचाराधीन है.

बेहतरीन हो रही हैं सूबे की सड़कों की राइडिंग क्वालिटी

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड की सड़कों को मजबूतीकरण-चौड़ीकरण के साथ राइडिंग क्वालिटी में भी सुधार किया जा रहा है. राज्य की एक दर्जन से अधिक सड़कें ऐसी हैं, जिनके निर्माण, मजबूतीकरण व चौड़ीकरण का काम 60 से 90 फीसदी तक हो चुका है. जल्द ही राज्य सरकार इन सड़कों को जनता को समर्पित करेगी. वहीं छह सड़कें ऐसी हैं, जिनका काम शत-प्रतिशत पूरा हो गया है. इसमें नामकुम डोरंडा सड़क, रिंग रोड से झारखंड जगुआर, सिसई भंडरा सड़क,अनगड़ा-हुंडरू सड़क और रांची-मुरी सड़क शामिल हैं. सिसई बसिया सड़क का काम 79 फीसदी पूरा हो चुका है.

40 परियोजनाओं को मिली मंजूरी : झारखंड में पिछले तीन साल में 40 परियोजनाओं को मंजूरी मिली है. 27 परियोजनाओं पर फिलहाल काम चल रहा है. नौ आरओबी और चार पुल का भी निर्माण कार्य चल रहा है. 14 हजार करोड़ से अधिक लागत वाली योजनाओं में पांच योजनाएं पूरी कर ली गई हैं. साहिबगंज में 1977 करोड़ की स्टैंड एलोन पुल परियोजना का काम चल रहा है. गुमला से झारखंड-छत्तीसगढ़ सीमा तक भारत मामला प्रोजेक्ट के तहत फोर लेन सड़क बनेगी. इस प्रोजेक्ट पर 1300 करोड़ रुपये खर्च होंगे. खास बात यह है कि रांची से पलामू तक फोर लेन का काम पूरा हो गया है. वहीं पलामू से गुमला तक फोर लेन योजना पर काम चल रहा है.

किस सड़क का काम कितना पूरा, कितने का है प्रोजेक्ट

- शहीद गोरखा चौक से रांची रेलवे स्टेशन के पीछे तक और महात्मा गांधी रोड से रांची रेलवे स्टेशन तक- कुल प्रोज्क्ट- 72.31 करोड़, 75 फीसदी काम पूरा
- बिरसा चौक से धुर्वा, मजबूतीकरण, बाइसाइकिल ट्रैक- कुल प्रोजेक्ट- 34.93 करोड़, 90% काम पूरा
- बिरसा मुंडा एयरपोर्ट-चंदाघासी-रिंग रोड सड़क, कुल प्रोजेक्ट-211.98 करोड़, 15% काम पूरा
- इटकी सेनेटोरियम मोरो सड़क, कुल प्रोजेक्ट-264.4 करोड़, 80% काम पूरा
- कोडाजोरा से लोहरदगा रोड, कुल प्रोजेक्ट17.94 करोड़, 72% काम पूरा
- पिस्का स्टेशन आरओबी, कुल प्रोजेक्ट 26.76 करोड़, 20% काम पूरा
- कुटिया से मालती भाया रिंग रोड, कुल प्रोजेक्ट,9.67 करोड़, 80% काम पूरा
- रिंग रोड से दलादली, कुल प्रोजेक्ट-1.97 करोड़,70% काम पूरा
- बुढ़मू-उमडेंगा-हिंदगीर सड़क, कुल प्रोजेक्ट-7.56 करोड़,70% काम पूरा
- राजस्व परिषद का एप्रोच रोड- कुल प्रोजेक्ट- 45.92 लाख, 60% काम पूरा
- डीसी निवास से दीनदयाल चौक- 55% काम पूरा
- मालगो मोड़ से भरनो सड़क, कुल प्रोजेक्ट 29.02 करोड़, 95% काम पूरा
- चैनपुर-महुआडैम सड़क, कुल प्रोजेक्ट 59.41 करोड़, 31% काम पूरा
- सिसई-बसिया रोड- कुल प्रोजेक्ट- 106.11 करोड़, 79% काम पूरा
- चैनपुर-जारी रोड, कुल प्रोजेक्ट 29.60 करोड़, 23% काम पूरा
- करकट्टा से तंजू नाला, कुल प्रोजेक्ट- 24.8 करोड़, 16% काम पूरा

भानू प्रताप शाही ने इरफान अंसारी पर कसा तंज

अब आप प्रदेश के मंत्री हैं, जोकर नहीं

खास बातें

- इरफान और भानू में फिर से ट्विटर वार
- एक मंत्री की यह भाषा कतई बर्दाश्त नहीं : भानू
- आप तीन माह के लिए बने हैं मंत्री, मैं 23 महीने रह चुका हूं

प्रमुख संवाददाता। रांची

कैबिनेट मंत्री इरफान अंसारी और भाजपा विधायक भानू प्रताप शाही के बीच एक बार फिर ट्विटर वार छिड़ गया है. इरफान अंसारी के बांड

लिखवाने वाले बयान पर भाजपा विधायक भानू प्रताप सिंह ने ट्वीट कर अपनी नाराजगी जाहिर की है. उन्होंने ट्वीट कर लिखा है कि एक मंत्री की यह भाषा कतई बर्दाश्त नहीं करूंगा. मैं आपके इस वक्तव्य का घोर निंदा करता हूं.

ये हैं झारखंड के नए मंत्री : ट्वीट पर आगे लिखा है कि ये हैं झारखंड के नये मंत्री इरफान अंसारी जी. इनके बोल सुनिए इनकी भाषा को देखिए ! मंत्री जी अब आप जोकर नहीं मंत्री हो गए हैं. इस बात का ख्याल रखें. पहली बात आप आज बने हैं मंत्री, तीन महीना के लिए और मैं आप से 17 साल पहले कैबिनेट मंत्री बन चुका हूं, वो भी 23 महीने के लिए. लिहाज संस्कार आपका सब समाप्त हो चुका है. आप काम नहीं करेंगे तो जनता के बीच यह वीडियो दिखा कर आपकी करतूत और सोच को बतायेंगे. यह कुर्सी जनता की है. मंत्री सबके लिए होता है. यही शपथ लिए हैं ना दो दिन पहले आपने और तुरंत भूल गए. यह शर्मनाक है. एक मंत्री की यह भाषा कतई बर्दाश्त नहीं करूंगा. मैं आपके इस वक्तव्य का घोर निंदा करता हूं.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	69,100
चांदी (किलो)	97,000

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, शुक्रवार 12 जुलाई 2024 ● आषाढ़ शुक्ल पक्ष 07 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 94 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

बैठक : चुनाव आयोग की टीम ने वोटर लिस्ट पुनरीक्षण कार्यक्रम की समीक्षा की

झारखंड समेत चार राज्यों के चुनाव साथ कराने के संकेत

दिए निर्देश

- राजनीतिक दलों के साथ नियमित अंतराल में बैठक करने का निर्देश
- आयोग की टीम ने मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम में तेजी लाने को कहा
- मतदाता पंजीकरण से जुड़े लंबित आवेदनों को मिशन मोड में निष्पादित करने का निर्देश
- सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किये

रवि भारती। रांची

झारखंड में विधानसभा चुनाव को लेकर भारत निर्वाचन आयोग की छह सदस्यीय टीम ने पतरातू लेक रिसॉर्ट में मंथन किया. गुरुवार को आयोग के वरीय उप चुनाव आयुक्त नितेश व्यास और धर्मेंद्र शर्मा ने सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ बैठक की. जानकारी के अनुसार, चार राज्यों हरियाणा, महाराष्ट्र, जम्मू कश्मीर के साथ झारखंड में भी एक साथ चुनाव कराने पर मंथन किया गया.

बैठक में जोर दिया गया कि अक्टूबर में ही विस चुनाव कराया जाए. इसकी वजह यह भी रही कि यहां लोस चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न हुआ. आयोग के वरीय पदाधिकारियों ने झारखंड में शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष लोक सभा निर्वाचन संपन्न कराने पर देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त की ओर से झारखंड के सीईओ के रवि कुमार एवं पूरे राज्य की निर्वाचन टीम को बधाई दी. बैठक में सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारियों द्वारा अपने जिले में चल रहे मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम की गतिविधियों एवं अब तक की प्रगति का पीपीटी के माध्यम से विस्तृत प्रतिवेदन पेश किया.

आयोग की टीम ने दिए दिशा निर्देश : भारत निर्वाचन आयोग से आए पदाधिकारियों द्वारा राज्य में चल रहे द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम में मतदाता सूची को लेकर कई दिशा निर्देश दिए. आयोग की टीम ने मतदाता सूची के अद्यतनीकरण, घर-घर सत्यापन, डिजिटाइजेशन, पुराने लेमिनेटेड मतदाता पहचान पत्र के नवीनीकरण, पहचान पत्रों के वितरण, मतदान केंद्रों पर आवश्यक न्यूनतम सुविधाओं, जन शिकायतों के निस्तारण की स्थिति एवं लोकसभा निर्वाचन में मतदान प्रतिशत जैसे विषयों पर विस्तृत रूप से समीक्षा भी की. मतदाता पंजीकरण से जुड़े लम्बित आवेदनों को मिशन मोड में निष्पादित करने को कहा गया. सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों को त्रुटिरहित एवं अद्यतन वोटर लिस्ट का प्रकाशन करवाने के लिए भी निर्देश दिया.

बैठक में ये रहे मौजूद : बैठक में निर्वाचन आयोग के प्रधान सचिव अरविंद आनंद, झारखंड के अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संदीप सिंह, अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. नेहा अरोड़ा सहित राज्य के सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारी एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के पदाधिकारी उपस्थित रहे.

रामगढ़ जिले के पतरातू रिसॉर्ट में गुरुवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ बैठक करती भारत निर्वाचन आयोग की टीम.

समावेशी वोटर लिस्ट की दिशा में करें पूरा प्रयास

बैठक में निर्देश दिया गया कि सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारी युवाओं, दिव्यांगजनों, महिलाओं, पीवीटीजी आदि वर्गों को मतदाता सूची में पंजीकृत करवाने के लिए विशेष जागरूकता अभियान चला कर समावेशी मतदाता सूची बनाने की दिशा में हर संभव प्रयास करें. विश्वविद्यालयों व कॉलेजों के शत-प्रतिशत छात्रों का मतदाता सूची में पंजीकरण करवाने को लेकर सभी जिले प्रभावी पहल करें. आयोग के वरीय पदाधिकारियों कि ओर से बीएलओ एवं मतदाताओं के बीच समन्वय बढ़ाने की दिशा में कार्य करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया.

बैठक में इन बिंदुओं पर रहा फोकस

- झारखंड सरकार का कार्यकाल जनवरी तक है.
- **इससे पहले चुनाव की प्रक्रिया खत्म कर सरकार का गठन कर लिया जाना है**
- झारखंड में पिछला विधानसभा चुनाव पांच-पांच चरण में हुए थे
- इस बार निर्वाचन आयोग झारखंड में दो से तीन चरणों में चुनाव संपन्न कराने की तैयारी में है.
- **शांतिपूर्ण संपन्न हुए लोस चुनाव को आधार मानकर कार्यवाही कर सकती है, निर्वाचन आयोग की टीम.**

500 से अधिक वोटर वाली सोसाइटी में बूथ

डीईसी नितेश व्यास ने कहा कि शहरी क्षेत्रों की वैसी हॉउसिंग सोसाइटी जहां 500 से अधिक वोटर हैं, वहां आयोग द्वारा जारी निर्देशों के अनुरूप सोसाइटी में ही नया मतदान केंद्र बनाएं. उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्यक्रम जितना दक्षतापूर्वक और त्रुटि रहित होगा, मतदान प्रतिशत उतना ही बेहतर होगा.

आयोग की टीम ने क्या दिए टास्क

- मतदाता पहचान पत्रों के वितरण कार्य की नियमित मॉनिटरिंग करें.
- **मतदाता पंजीकरण के बाद यदि मतदाता पहचान पत्र वितरण में निर्धारित समय से अधिक विलंब होता है, तो पोस्ट ऑफिस के साथ समन्वय कर इस कार्य में तेजी लायें.**
- मतदाता पंजीकरण या मतदाता पहचान पत्र से जुड़ी सभी जनशिकायतों का भी ससमय निराकरण करते रहें, भले ही ये शिकायतें किसी भी माध्यम से प्राप्त हुई हों.

- झामुमो ने भाजपा पर लगाया इलेक्शन कमीशन के जरिए सरकार को अस्थिर करने का आरोप, कहा-छठ तक चुनाव संभव नहीं – देखें पेज 11 पर

नीट यूजी पेपर लीक मामले का सरगना रॉकी गिरफ्तार

- **सीबीआई ने ली 10 दिन की रिमांड, रांची में होटल चलाता है रॉकी**
- **मास्टरमाइंड सजीव मुखिया का भांजा है राकेश रंजन उर्फ रॉकी**

सौरभ सिंह। रांची

बिहार में नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने सरगना राकेश रंजन (रॉकी) को गिरफ्तार कर लिया है. उसे पटना से गिरफ्तार किया गया है. सीबीआई को कोर्ट से रंजन की 10 दिन की हिरासत मिली है. पटना और कोलकाता में उससे जुड़े ठिकानों पर रेड के बाद आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए हैं.

राकेश रंजन उर्फ रॉकी रांची में होटल चलाता है और संजीव मुखिया का भांजा है. पेपर लीक होने के बाद उसे हल करने के लिए रॉकी ने ही सॉल्वर्स का जुगाड़ किया था. रांची और पटना के एमबीबीएस छात्रों का सॉल्वर्स के तौर पर इस्तेमाल किया गया था. रॉकी ही संजीव मुखिया का बड़ा राजदार भी है. इस मामले में सीबीआई ने पटना और कोलकाता में रेड की. सीबीआई ने रॉकी को उसके आईपी एड्रेस और ईमेल एड्रेस के जरिए ट्रेस करने के लिए उन्नत तकनीकों का इस्तेमाल किया.

पेपर लीक में रॉकी की भूमिका : रॉकी, झारखंड में संजीव मुखिया गिरोह का खास एसेट है. रांची और पटना के एमबीबीएस स्टूडेंट्स को सॉल्वर्स के तौर पर इस्तेमाल किया गया. जानकारी के मुताबिक, रॉकी की गिरफ्तारी के बाद सॉल्वर्स के बारे में अहम जानकारी मिल सकती है. सीबीआई को यह सफलता अमन सिंह की गिरफ्तारी के बाद मिली है. सीबीआई ने अमन को झारखंड के धनबाद से गिरफ्तार किया गया था. अमन सिंह, पेपर लीक कांड में रॉकी का बेहद खास बताया गया है.

सीबीआई का अगला टॉरगेट संजीव मुखिया : अमन सिंह और रॉकी की गिरफ्तारी के बाद सीबीआई को अब नीट पेपर लीक मामले में संजीव मुखिया उर्फ लूटन की तलाश है. अमन सिंह की गिरफ्तारी के बाद रॉकी की गिरफ्तार हुई और 10 दिन की रिमांड मिली है. रॉकी को रिमांड पर लेने के बाद सीबीआई की टीम अब संजीव मुखिया की लोकेशन को लेकर पूछताछ करेगी.

नीट मामले की सुनवाई अब 18 को

जज आप हैं कि मैं...

एजेंसी। नयी दिल्ली

नीट यूजी परीक्षा में पेपर लीक मामले में गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई. चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ ने सुनवाई के बाद मामले को 18 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दिया. कुछ संबंधित पक्षों को केंद्र और एनटीए द्वारा कोर्ट में दायर हलफनामा नहीं मिलने से सुनवाई स्थगित की गई है.

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला व मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि केंद्र सरकार और नीट-यूजी का आयोजन करने वाली एनटीए ने शीर्ष कोर्ट के आठ जुलाई के निर्देश के अनुसार अपना-अपना हलफनामा दाखिल कर दिया है. पीठ ने कहा, कुछ याचिककर्ताओं की पैरवी कर रहे वकीलों को केंद्र और एनटीए के हलफनामों की प्रति अभी तक नहीं मिली है. इसी के साथ मामले को 18 जुलाई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया गया. शीर्ष कोर्ट नीट-यूजी से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है, जिनमें पांच मई को आयोजित परीक्षा में धांधली और कदाचार का आरोप लगाने वाली तथा नये सिरे से परीक्षा कराने का निर्देश देने का अनुरोध भी शामिल हैं.

एक सेकेंड... सौभाग्य से जज मैं हूं

जब सीजेआई ऑर्डर लिखवा रहे थे, कोर्ट रूम में कुछ ऐसा हुआ कि वह बिदक पड़े. कई पक्षों के वकीलों ने कोर्ट के सामने यह बात उठाई कि उन्हें हलफनामे की कॉपी नहीं मिली है. तब सीजेआई ने कहा, मामले की सुनवाई शुक्रवार को होगी. फिर उन्होंने कहा कि सोमवार को सुनवाई होगी. सीजेआई द्वारा सुनवाई की नई तारीख देने और ऑर्डर लिखवाने के दौरान ही सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सोमवार और मंगलवार को अपनी अनुपलब्धता बताकर कोर्ट से बुधवार को सुनवाई के लिए अनुरोध किया. तभी वरिष्ठ वकील जेनेदमपारा, जो छात्रों के एक समूह की एक याचिका का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, ने कहा कि वह बुधवार के लिए राजी हैं. इस पर सीजेआई चंद्रचूड़ बिगड़ गए और वकील नेदमपारा से पूछ डाला, एक सेकेंड, मिस्टर नेदमपारा, जज आप नहीं हैं, सौभाग्य से जज मैं हूं. आप खामोश रहें. इसके बाद सीजेआई ने कहा कि बुधवार को छुट्टी है, इसलिए मामले की अगली सुनवाई अब गुरुवार यानी 18 जुलाई को होगी.

ब्रीफ खबरें

पीएम ने की अर्थशास्त्रियों संग की बजट पूर्व बैठक

नयी दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने इस महीने पेश होने वाले बजट को लेकर अर्थशास्त्रियों के विचार और सुझाव जानने के लिए गुरुवार को उनके साथ बैठक की. एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी.

डीयू में मनुस्मृति लागू करने का विरोध शुरू

नयी दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के एलएलबी के छात्रों को मनुस्मृति पढ़ाने के प्रस्ताव की शिक्षकों के एक वर्ग ने आलोचना की है. शुक्रवार को अकादमिक परिषद की बैठक में मनुस्मृति पढ़ाए जाने पर चर्चा की जानी है.

एमएसपी के लिए अब किसान फिर आंदोलित

नयी दिल्ली। संयुक्त किसान मोर्चा ने गुरुवार को घोषणा की कि वह न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी और कृषि ऋण माफी सहित अन्य लंबित मांगों को लेकर आंदोलन फिर से शुरू करेगा.

इनेलो और बसपा के बीच गठबंधन

चंडीगढ़। इंडियन नेशनल लोक दल (इनेलो) ने इस साल के अंत में होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए अपने पूर्व सहयोगी दल बसपा से फिर से हाथ मिलाने का फैसला किया है. दोनों दलों के नेताओं ने गुरुवार को यह घोषणा की.

हेमंत आज 1500 शिक्षकों को सौंपेंगे नियुक्ति पत्र

सौगात

- सभी तैयारियां पूरी, राज्य में फिर शुरू होंगी नियुक्तियां
- अब तक झारखंड के 1 लाख युवाओं को मिली नौकरी

विशेष संवाददाता। रांची

राज्य की तीसरी बार बागडोर संभालने के बाद सीएम हेमंत सोरेन फिर से नियुक्ति पत्र का सिलसिला शुरू करने जा रहे हैं. सोरेन शुक्रवार को प्रभात तारा मैदान में चयनित 1500 उच्च माध्यमिक शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे. इसकी तैयारी पूरी कर ली गयी हैं. कार्यक्रम में वित्त मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव, श्रम नियोजन एवं उद्योग मंत्री सत्यानंद भोक्ता और स्कूली शिक्षा मंत्री बैद्यनाथ राम विशिष्ट अतिथि होंगे.

सितंबर तक 40 हजार नियुक्ति देने की तैयारी में सरकार : राज्य सरकार सितंबर तक 40 हजार नियुक्ति देने की तैयारी में है. इंटर स्तर के सहायक आचार्य के 11,000 और स्नातक स्तर के 15,001 पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया चल रही है. इसी तरह पीजी शिक्षक के 1,868, डिप्लोमा स्तर के 153, नगर पालिका सेवा संवर्ग संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के 921, झारखंड औद्योगिक प्रशिक्षण सेवा परीक्षा के 904, महिला पर्यवेक्षिका के 488 पद, झारखंड सामान्य स्नातक योग्यता धारी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के 2,025 और झारखंड पारा मेडिकल संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से 2,532 पदों के लिए नियुक्ति प्रक्रिया अलग-अलग चरणों में पहुंच चुकी है. इधर राज्य सरकार का दावा है कि अब तक 2019 में झारखंड में हेमंत सोरेन सरकार बनने के बाद सरकारी एवं निजी क्षेत्र मिलाकर कुल 1 लाख से अधिक नौकरियां दी गयी हैं.

असम सरकार देगी कर्मियों को ससुराल जाने की भी छुट्टी

गुवाहाटी। असम सरकार ने अपने कर्मियों को माता-पिता या सास-ससुर के साथ समय व्यतीत करने के लिए नवंबर में दो दिन की विशेष आकस्मिक छुट्टी देने की घोषणा की है. सीएमओ ने गुरुवार को कहा कि यह छुट्टी निजी मनोरंजन के लिए इस्तेमाल नहीं की जा सकेगी और जिनके मां-पिता या सास-ससुर नहीं हैं, उन्हें छुट्टियां नहीं मिलेंगी. सीएमओ ने एक्स पर कहा, सीएम के नेतृत्व में सरकार ने 6 और 8 नवंबर को सरकारी कर्मियों को उनके माता-पिता या सास-ससुर के साथ समय बिताने के वास्ते विशेष छुट्टी देने की घोषणा की है.

सीएमओ ने कहा कि सात नवंबर को छठ पूजा, नौ नवंबर को दूसरे शनिवार की छुट्टी और 10 नवंबर को रविवार की छुट्टी के साथ ही इन छुट्टियों को लिया जा सकता है. उसने कहा कि आवश्यक सेवाओं में काम कर रहे कर्मचारी चरणबद्ध तरीके से इसे ले सकते हैं. सीएम शर्मा ने 2021 में पदभार संभालने के बाद स्वतंत्रता दिवस पर अपने पहले भाषण में इन विशेष छुट्टियों की घोषणा की थी.

सीए इंटर और फाइनल का रिजल्ट किया जारी, 11,041 उम्मीदवार क्वालीफाई

शिवम फाइनल और इंटर में कुशाग्र टॉपर

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया ने मई 2024 में आयोजित सीए फाइनल और इंटर परीक्षाओं का रिजल्ट जारी कर दिया है. सीए ग्रुप 1 इंटर परीक्षा में 1,17,764 लोग शामिल हुए थे. जिसमें से 31,978 यानी 27.15% ने क्वालिफाई किया है.

वहीं सीए ग्रुप 2 इंटर में 71,145 लोग परीक्षा में शामिल हुए. जिसमें से 13,008 (18.28%) पास हुए. सीए ग्रुप 1 और ग्रुप 2 इंटर परीक्षा में कुल 59,956 लोग शामिल हुए थे. जिनमें से 11,041 (18.42%) ने क्वालिफाई किया है. बता दें कि आईसीएआई ने मई 2024 इंटरमीडिएट परीक्षा (ग्रुप 1) 3, 5 और 9 मई को आयोजित की थी. जबकि ग्रुप 2 इंटर परीक्षा 11, 15 और 17 मई को हुई थी.

ग्रुप 1 के लिए सीए फाइनल परीक्षा 2, 4 और 8 मई को आयोजित की गयी थी. जबकि ग्रुप 2 के लिए सीए फाइनल की परीक्षा 10, 14 और 16 मई को आयोजित की गयी थी.

शिवम मिश्रा. वर्षा अरोड़ा. गिलमन अंसारी.

सीए फाइनल

नाम	अंक	रैंक
शिवम मिश्रा	500	1
वर्षा अरोड़ा	480	2
गिलमन अंसारी	477	3
किरण राजेंद्र सिंह	477	3

सीए इंटर

नाम	अंक	रैंक
कुशाग्र राय	538	1
युग सचिन करिया	526	2
यज्ञ ललित चंदक	526	2
मनित सिंह भाटिया	519	3

ये हैं फाइनल और इंटर के टॉपर्स

आईसीएआई के ऑफिशियल एक्स हैंडल के अनुसार, सीए फाइनल परीक्षा में नयी दिल्ली के शिवम मिश्रा ने ऑल इंडिया रैंक वन हासिल किया है. शिवम 500 नंबर लाकर टॉप किया है. वहीं दिल्ली की वर्षा अरोड़ा 480 अंक के साथ सेकेंड टॉपर है. जबकि किरण राजेंद्र सिंह मनराल (मुंबई) और गिलमन सालीम अंसारी (नवी मुंबई) 477 अंक लाकर थर्ड टॉपर रहे. वहीं सीए इंटरमीडिएट परीक्षा में भिवाड़ी (राजस्थान) का कुशाग्र रॉय ने 538 अंक लाकर ऑल इंडिया रैंक वन हासिल किया है, इसी तरह अकोला (महाराष्ट्र) के युग सचिन करिया और भायंदर (महाराष्ट्र) के यज्ञ ललित चंदक ने 526 अंक लाकर रैंक 2 हासिल किया है. वहीं नयी दिल्ली के मनित सिंह भाटिया और मुंबई के हिरेश कसिरमका ने 519 अंक लाकर रैंक 3 हासिल किया है.

शाम है इतनी मतवाली तो सुबह का आलम क्या होगा

प्रसंगवश

बैजनाथ मिश्र
वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

18 वीं लोकसभा के छोटे सत्र के साथ राज्यसभा का सत्र संपन्न हो गया है लेकिन उसमें जो कुछ हुआ है, उससे एक नयी आशंका पैदा हुई है. वह आशंका यह है कि यदि निजी खुंदक, मुठभेड़ और मर्यादाहीन आचरण की यही बेढंगी रफ्तार जारी रही, तो संसद में सब्जी मंडी जैसा हंगामा रणक्षेत्र में बदल जाएगा. आशावादी कह सकते हैं कि यह आशंका निर्मूल है. हमारा लोकतंत्र मजबूत है और कतिपय झंझावातों को झेलते हुए भी गतिमान है. लेकिन इसी गतिमान लोकतंत्र में हमारी विधानसभाएं लहूलुहान हुई हैं. लात-घूसे कुर्सियां और माइक चले हैं. महिला नेताओं के चीरहरण के कुत्सित प्रयास भी हुए हैं. यह सब गाढ़ा हुए विद्रूप परिवेश के कारण हुआ और मौसम विज्ञान की भाषा में कहें तो हमारी संसद में भी निम्न हवा का दबाव साफ देखा जा सकता है. बीते छोटे सत्र से जो आगाज हुआ है, उसके अंजाम की चिंता से सिहरन पैदा होना स्वाभाविक है. राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा की शुरुआत जिस लहजे, अंदाज और भाव भंगिमा के साथ राहुल गांधी ने की और अपने भाषण को जिस मुकाम तक पहुंचाया, उससे यह साफ हो गया कि वह मुठभेड़ पर आमादा हैं और संसद में भी चुनावी भाषण ही करेंगे. इसके बाद दोनों तरफ से जितने भी भाषण हुए अधिकतर में मुद्दे कम लपेटा-लपेटी ज्यादा थी.

प्रधानमंत्री भी अपने भाषण के उत्तरार्द्ध में राहुल गांधी के स्तर पर उतर आये. उन्होंने बेमुरव्वत निजी हमले बोले. उन्होंने बिना नाम लिए जो कुछ कहा वह उनकी गरिमा के प्रतिकूल था. लेकिन जब प्रतिस्पर्धा निजी हमलों से स्कोर करने की चल रही हो, तब मर्यादाएं तो टूटती ही हैं. राहुल गांधी ने अपने भाषण में तीन स्पष्ट झूठ बोला. अग्निवीरों को मरणोपरांत कोई सहायता राशि नहीं मिलती है, किसानों को एमएसपी नहीं मिलती है, हिंदू हिंसक होते हैं और 24 घंटे हिंसा करते हैं. इन तीन मुद्दों पर क्रमशः रक्षा मंत्री, कृषि मंत्री और प्रधानमंत्री ने हस्तक्षेप किया. हस्तक्षेप तो एक मुद्दे पर गृहमंत्री ने भी किया. लेकिन सत्ता पक्ष ने राहुल का डेढ़ घंटे का भाषण निर्विरोध सुना, जबकि हिंदुओं को हिंसक कहने के बाद तो भाजपा कांग्रेस की लंका लगा देती. शायद यह पहले से निर्दिष्ट था कि हंगामा नहीं करना है. इसके विपरीत जब प्रधानमंत्री जवाब देने के लिए खड़े हुए तब विपक्ष शोर मचाते हुए वेल में आ गया और उनके सवा दो घंटे के भाषण के दौरान अनवरत हंगाम जारी रहा. खुद नेता प्रतिपक्ष ने उन्हें वेल में आने के लिए उकसाया. इसके लिए स्पीकर ने उन्हें टोका भी. प्रधानमंत्री ने हेडफोन लगाकर अपना भाषण पूरा किया और विपक्ष की बोलने न देने की योजना विफल हो गयी. इसी प्रकार राज्यसभा में भी प्रधानमंत्री के भाषण के दौरान विपक्ष ने पहले हंगामा किया और फिर सदन से बाहर चला गया. यानी विपक्ष की योजना थी लोकसभा में चिल्लाओ और राज्यसभा से भाग जाओ. यदि यह आगे के सत्रों में जारी रहा तो क्या सत्ता पक्ष भी हंगामा करने के लिए नहीं मचल सकता है ? तब क्या-क्या हो सकता है, इसका अनुमान सहज ही लगाया जा सकता है.

कुछ लोग अपने-अपने ढंग से बता रहे होंगे कि किसने किसको धोया और कितना, लेकिन शोचनीय यह है कि हमारा संसदीय लोकतंत्र इन आचरणों से कितना मलीन हो रहा है. -शेष पेज 11 पर

मनरेगा मजदूरों को केंद्र सरकार देगी साइकिल

प्रवीण कुमार। रांची

मनरेगा मजदूरों को केंद्र साइकिल देने की योजना पर काम कर रहा है. इससे राज्य के 31 लाख 95 हजार 272 मजदूरों में से सक्रिय मजदूरों को लाभ मिलेगा. केंद्र सरकार मजदूरों को साइकिल के लिए तीन हजार से लेकर चार हजार रुपए तक की सहायता राशि प्रदान करेगी.

मनरेगा श्रमिकों को इससे कार्य स्थल से घर तक आना-जाना आसान होगा. मनरेगा फ्री साइकिल योजना का उद्देश्य दूर दराज में काम करने वाले लोगों को राहत देनी है. उन्हें कार्यस्थल पर आने-जाने के लिए सवारी वाहन को ढूंढने में कठिनाई होती है.

कौन होंने साइकिल के पात्र : मनरेगा फ्री साइकिल योजना का लाभ लेने के लिए मनरेगा मजदूर को एक ही जगह पर 21 दिन तक काम किया होना चाहिए, जिसका विवरण उसके लेबर कार्ड पर उपलब्ध होना चाहिए. साथ ही पिछले 90 दिन का लेबर कार्ड पर कार्य होना चाहिए. योजना का लाभ वैसे श्रमिकों को मिलेगा, जो 6 महीने से किसी निर्माण कार्य में कार्यरत हैं. श्रमिक को योजना का लाभ देने के लिए आधिकारिक वेबसाइट लांच होगी. उसके बाद मजदूरों को उस पर ऑनलाइन आवेदन देना होगा. इस योजना को लेकर नई वेबसाइट शुरू करने की तैयारी केंद्र सरकार कर रही है.

ब्रीफ खबरें

जिलाध्यक्ष राजू भुइयां किए गए पदमुक्त

मेदिनीनगर। राजद दलित प्रकोष्ठ के पलामू जिलाध्यक्ष राजू भुइयां को पदमुक्त कर दिया गया है. इस संबंध में राजद दलित प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष धनंजय पासवान ने पत्र जारी किया है. जारी पत्र में श्री पासवान ने कहा है कि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव व प्रधान महासचिव संजय प्रसाद यादव ने पलामू जिलाध्यक्ष मोहन विश्वकर्मा के निलंबन के बाद पार्टी के सभी नेताओं व कार्यकर्ताओं को निर्देश जारी किया गया था कि वे निष्कासित जिलाध्यक्ष मोहन विश्वकर्मा के प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल नहीं होंगे. इन निर्देशों की अवहेलना के बाद राजू भुइयां पर कार्रवाई की गयी है.

डीएमओ के खिलाफ होनी चाहिए ईडी की जांच : शत्रुघ्न

मेदिनीनगर। झारखंड क्रांति मंच के संस्थापक सह केंद्रीय अध्यक्ष शत्रुघ्न कुमार शत्रु ने पत्थर उत्खनन से जुड़े माफियाओं के साथ करोड़ों रुपए के राजस्व चोरी के मामले में प्रवर्तन निदेशालय से पलामू जिला खनन पदाधिकारी आनंद कुमार व अन्य संबंधित अधिकारियों के खिलाफ जांच की मांग की है. श्री शत्रु ने जारी प्रेस बयान में कहा है कि पलामू जिले के सभी प्रखंडों में नेशनल ग्रीन ट्राइब्यूनल के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन कर पत्थर उत्खनन से जुड़े माफियाओं ने पहाड़ों को खोदकर पारिस्थितिकीय असंतुलन पैदा कर दिया है.

सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक कामेश्वर राम सम्मानित

मेदिनीनगर। सदर मेदिनीनगर प्रखंड अंतर्गत रजवाडीह मध्य विद्यालय में विश्रामपुर के भंडार प्लसटू उवि से सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक कामेश्वर राम का अभिनंदन किया गया.
प्रधानाध्यापक परशुराम तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में शिक्षक नेता हरिशंकर मिश्र, मुखिया अनुज कुमार त्रिपाठी, सदर डीडीओ वीरेंद्र कुमार द्विवेदी, विश्रामपुर डीडीओ विनय तिवारी, शिक्षक राहुल शंकर तिवारी, शिक्षिका निशा, प्रियंका कुमारी, पूनम रानी व शिक्षक विजय कुमार ठाकुर ने श्री कामेश्वर राम को पुष्प गुच्छ व शॉल प्रदान किया.

एनपीयू की 11 मार्च को रद्द परीक्षा 13 को

मेदिनीनगर। नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय के स्नातक सेमेस्टर-4 की जूलॉजी (सीसी8) व हिंदी एसईसी-2 की परीक्षा 13 जुलाई को द्वितीय पाली में पूर्व निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगी. बता दें कि यह परीक्षा पूर्व में 11 मार्च 2024 को आयोजित हुई थी और इसे विश्वविद्यालय द्वारा रद्द कर दिया गया था. परीक्षा दिन के 1:30 से 4:30 बजे तक आयोजित होगी और परीक्षा पूर्व निर्धारित परीक्षा केंद्र पर ही ली जाएगी.

एनएसयूआई डीइओ को सौपा चार सूत्री मांग पत्र

मेदिनीनगर। एनएसयूआई पलामू का प्रतिनिधिमंडल जिला उपाध्यक्ष ओमप्रकाश त्रिपाठी, नीलांबर- पीतांबर विश्वविद्यालय के अध्यक्ष आशीष ठाकुर के नेतृत्व में युवा कांग्रेस झारखंड महासचिव अभिषेक तिवारी की उपस्थिति में जिला शिक्षा पदाधिकारी डॉ दुर्गानंद झा को चार सूत्री मांग पत्र देकर कर छात्र हित में उचित पहल करने की मांग की. जिला उपाध्यक्ष ओमप्रकाश त्रिपाठी नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय अध्यक्ष आशीष ठाकुर ने कहा कि सभी सरकारी गैर सरकारी स्कूलों में बीपीएल परिवार के छात्रों को सरकार के नियम अनुसार नामांकन एवं स्कूलों के बच्चों को सीटों के अनुसार बैठने की व्यवस्था कराई जाए.

भाजपा का अभिनंदन सह विजय संकल्प सभा का आयोजन, पूर्व विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी ने कहा

विधानसभा चुनाव में भाजपा का परचम लहराएगा

संवाददाता। लातेहार

मनिका विधानसभा स्तरीय अभिनंदन सह विजय संकल्प सभा को संबोधित करते नेतागण.

मनिका विधानसभा स्तरीय अभिनंदन सह विजय संकल्प सभा का आयोजन भाजपा जिला अध्यक्ष पंकज सिंह की अध्यक्षता में आयोजित किया गया. कार्यक्रम में बतौरमुख्य अतिथि पूर्व विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी, भाजपा प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह, पूर्व विधायक सह विधानसभा संयोजक हरिकृष्ण सिंह व राजधनी प्रसाद यादव व जिला संगठन प्रभारी मुकेश निरंजन सिन्हा मुख्य रूप से मौजूद थे. कार्यक्रम में बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं को अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया. मौके पर श्री चंद्रवंशी ने कहा कि आज पूरा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में चहुंमुखी विकास कर रहा है. उन्होंने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में झारखंड में भाजपा का परचम लहरायेगा. मनोज सिंह ने कहा कि कार्यकर्ता किसी भी संगठन के रीढ़ होते हैं. सम्मान मिलने से हौसला अफजाई होता है.जिला अध्यक्ष पंकज सिंह ने कार्यकर्ताओं की हौसला अफजाई करते हुए आने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों में लग जाने एवं पीएम मोदी व भाजपा के नीति व सिद्धांतों को गांव गांव तक पहुंचाने की अपील की. मंच का संचालन जिला महामंत्री बंशी यादव व धन्यवाद ज्ञापन अजीत कुमार ने किया.मौके पर चतरा के पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक शर्मा, जिला परिषद अध्यक्षा पूनम देवी, अवधेश सिंह चेरो, राकेश दुबे, सीतामणि, मुकेश पांडेय, महेश सिंह, रामदेव सिंह, शिल्पा कुमारी, ध्रुव कुमार पांडेय, रेणु देवी जी, राजीव रंजन पांडेय, छोटू राजा, बबन पासवान व बलवंत सिंह आदि मौजूद थे.

---

175 पंचायतों में बायोमीट्रिक अटेंडेंस मशीन लगाने का निर्देश

चार बीडीओ और बीपीओ के वेतन पर लगायी गयी रोक

संवाददाता। मेदिनीनगर

बैठक करते डीसी शशि रंजन.

मनरेगा योजना में असंतोषजनक प्रगति के कारण पलामू जिले के चार बीडीओ व बीपीओ के वेतन पर रोक लगा दी गयी है. इनमें हैदर नगर, विश्रामपुर, मोहम्मदगंज व मेदिनीनगर के बीडीओ व बीपीओ शामिल हैं. उक्त निर्देश पलामू उपायुक्त शशि रंजन ने जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक में दी. उपायुक्त श्री रंजन ने समाहरणालय सभाकक्ष में आयोजित बैठक में मुख्य रूप से मनरेगा अंतर्गत कार्य करने वाले मजदूरों की संख्या, मजदूरों की बकाया राशि, पीएम आवास, डोभा, आधार वेरिफिकेशन, जॉब कार्ड वेरिफिकेशन, बिरसा हरित ग्राम योजना, कुंआ निर्माण की प्रगति, पीएम पशुधन विकास योजना, जल समृद्धि योजना, केसीसी, सोख्ता गड्ढा, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, प्लेग्राउंड, 15वें वित्त संबंधी योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन, आंगनबाड़ी केन्द्र, बाबा साहब भीम राव अंबेडकर आवास, अबुआ आवास, सामाजिक सुरक्षा अंतर्गत पेंशन योजना अंतर्गत सभी योजनाओं की समीक्षा की. उन्होंने सभी पंचायत कार्यालय को प्रत्येक कार्य दिवस पर खुले रखने और पंचायत स्तरीय सभी कर्मी, मुखिया, पंचायत सचिव, जन सेवक, रोजगार सेवक, जेई, कृषि मित्र, वीएलई आदि को प्रतिदिन पंचायत कार्यालय में उपस्थित रहकर अपने कार्यों का निष्पादन करने का निर्देश दिया.

जिला पंचायती राज पदाधिकारी ने बताया कि जिले की कुल 265 पंचायत में 178 पंचायत सचिव, 265 वीएलई और 78 जनसेवक उपलब्ध हैं. वहीं, 175 पंचायतों में बायोमीट्रिक अटेंडेंस के लिए मशीन अधिष्ठापित करा दिया गया है, जहां पर प्रतिदिन सभी कर्मियों को अपना अटेंडेंस बायोमीट्रिक से दर्ज करनी है. शेष प्रखंडों में भी एक सप्ताह के अंदर मशीन अधिष्ठापित करा दिया जाएगा.

उपायुक्त ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि सभी बीडीओ यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक पंचायत कार्यालय प्रत्येक कार्य दिवस में खुले रहें और पंचायत स्तरीय सभी कर्मी बायोमीट्रिक डिवाइस से अपनी उपस्थिति प्रतिदिन दर्ज करें. सभी प्रखंड समन्वय (लघु उद्योग) को मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना कार्य में अपना पूर्ण सहयोग देने का निर्देश दिया गया और आदेश दिया गया कि सभी बीडीओ प्रत्येक महीने उनकी अनुपस्थिति विवरणी महा प्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र को भेजेंगे, जिसके आधार पर उनका मानदेय भुगतान किया जाएगा.

अबुआ आवास योजना में गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं

उपायुक्त ने बीडीओ व प्रखंड समन्वयक (आवास) को सख्त निर्देश दिया कि अबुआ आवास योजना में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी. यदि किसी पदाधिकारी या कर्मी के विरुद्ध कोई शिकायत प्राप्त होती है तो जांच के बाद उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी. अबुआ आवास योजना के साथ शौचालय भी निर्माण कराने के लिए कार्यपालक अभियंता पीएचईडी को निर्देश दिया गया. सभी बीडीओ एक सप्ताह के अंदर शत प्रतिशत अबुआ आवास योजनाओं का जिओ टैगिंग और प्रथम किस्त की राशि निर्गत करेंगे. वहीं अबुआ आवास निर्माण में आ रही शिकायतों के विरुद्ध जांचकर कड़ी कार्रवाई करते हुए इसका प्रतिवेदन जिले को भेजेंगे. बैठक में डीडीसी शब्बीर अहमद,डीआरडीए निदेशक सह डीएसओ प्रीति किस्कु, जिला कल्याण पदाधिकारी, सभी बीडीओ, खेल पदाधिकारी उमेश लोहरा समेत अन्य पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित थे.

खास बातें

- 259 आवेदन को सही और योजना के अनुरूप पाया गया
- 175 पंचायतों में बायोमीट्रिक अटेंडेंस मशीनें जल्द लगेंगी

कृषकों को अनुदान पर दिए जाएंगे सोलर पंपसेट : डीएओ

लातेहार। जिला कृषि पदाधिकारी अमृतेश कुमार सिंह ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 के तहत प्रधानमंत्री कृषक ऊर्जा उत्थान महाअभियान के तहत किसानों को सोलर पंपसेट दिया जाना है. उन्होंने बताया कि इस योजना तहत किसानों को दो एचपी, तीन एचपी व पांच एसपी का सोलर आधारित पंपसेट दिएं जाएंगे. इसके लिए क्रमशः पांच हजार, सात हजार व 10 हजार रुपये किसानों को देना है. शेष राशि अनुदान के रूप में राज्य सरकार व केंद्र सरकार द्वारा वहन किया जाएगा. सोलर पंपसेट के वितरण के लिए वैसे लाभुकों का चयन किया जाना है, जिसके खेत में ग्रिड कनेक्टिविटी की सुविधा नहीं हो. उन्होंने बताया कि वर्ष 2023-24 के लिए लातेहार जिले के लिए 125 लाभुकों का लक्ष्य प्राप्त था. इसे बढ़ाकर 305 लाभुक कर दिया गया है. 305 लाभुकों के लक्ष्य के विरुद्ध 304 ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुआ है. प्राप्त आवेदन को प्रखंड स्तर पर प्रखंड कृषि पदाधिकारी द्वारा जांच कर जांच प्रतिवेदन उपलब्ध कराया गया. जांच के आधार पर 259 आवेदन को सही व योजना के अनुरूप पाया गया. श्री सिंह ने बताया कि उपायुक्त की अध्यक्षता में आयोजित बैठक गठित समिति द्वारा 259 योग्य किसानों की सूची का अनुमोदन किया गया है.

बीएस कॉलेज के प्राचार्य ने शिक्षा मंत्री से मुलाकात की

शिक्षा मंत्री बैद्यनाथ राम से मुलाकात करते प्राचार्य प्रो प्रदीप कुमार तिवारी.

संवाददाता । लातेहार

स्थानीय बनवारी साहू महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो प्रदीप कुमार तिवारी ने स्थानीय विधायक सह स्कूली साक्षरता विभाग सह मद्य निषेध मंत्री बैद्यनाथ राम से उनके आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की. उन्हें बुके भेंट कर अपनी शुभकामनाएं दी. बाद में शुभम संदेश से बातचीत करते हुए प्राचार्य श्री तिवारी ने कहा कि मंत्री श्री राम बनवारी साहू महाविद्यालय में छात्र रह चुके हैं. वे अक्सर महाविद्यालय की गतिविधियों की जानकारी लेते रहते हैं. पूर्व के शिक्षा मंत्रीत्व काल में बनवारी साहू महाविद्यालय को सरकार से उन्होने स्थायी सबद्धता दिलायी. प्राचार्य श्री तिवारी ने कहा कि विधायक श्री राम दुबारा प्रदेश के शिक्षा मंत्री बनें हैं, ऐसे में महाविद्यालय परिवार को उनसे काफी अपेक्षाएं हैं. विधायक श्री राम को शिक्षा मंत्री बनने पर महाविद्यालय की सचिव अंजू गुप्ता, एनजीओ अध्यक्ष कृष्ण प्रसाद गुप्ता के अलावा राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी नवल किशोर प्रसाद, प्रो शत्रुघ्न मेहता, प्रो संजीत कुमार, रंजीत कुमार, हरिप्रसाद सिंह, योगेश्वर महतो, अमरेश कुमार पांडेय, ज्योति कुमारी, चंदा कुमारी व चंदन कुमार आदि ने बधाई दी है.

मुहर्रम पर गाइडलाइंस का पूरी तरह पालन करने का दिया निर्देश

- सतबरवा में मुहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

संवाददाता। सतबरवा

दोनों समुदायों के साथ शांति समिति की बैठक करते सीओ.

मुहर्रम को लेकर सतबरवा थाना में गुरुवार को शांति समिति की बैठक आयोजित की गयी. बैठक में दोनों समुदाय के दर्जनों लोगों ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपनी- अपनी राय दी. बैठक की अध्यक्षता सीओ कृष्ण मुरारी तिर्की ने की, जबकि संचालन थाना प्रभारी अंचित कुमार ने किया. सीओ कृष्ण मुरारी तिर्की व थाना प्रभारी अंचित कुमार ने सबसे पहले मुहर्रम का जुलूस कब, कहां और कैसे निकलता है, इसका पूरा ब्योरा अखाड़ेदारों से लिया.

सीओ ने कहा कि मुहर्रम शांति पूर्वक मनाएं. थाना प्रभारी अंचित कुमार ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि सभी जुलूस अपने निर्धारित समय व मार्ग से ही निकलेगा. दोनों समुदाय से अपील करते हुए कहा कि त्योहार को शांतिपूर्वक मनाएं. सरकार द्वारा निर्धारित गाइडलाइंस का पूरी तरह पालन करें, किसी प्रकार की परेशानी होने पर पुलिस 24 घंटे आपके साथ है,जब, जहां भी पुकारेंगे हम उपस्थित रहेंगे. इन्होंने कहा कि पुलिस की पैनी नजर अशांति फैलाने वालों पर रहेगी. इस मौके पर विधायक प्रतिनिधि प्रमोद यादव, उप प्रमुख कामाख्या नारायण यादव, मुखिया संघ के सतबरवा प्रखंड अध्यक्ष गिरव प्रसाद राम, पोंची पंसस अशोक राम, बाबर खां, नासिर खान, मो. रबानी अंसारी, आशिष कुमार सिन्हा, अजय उरांव , टिंकू आलम, धीरज प्रसाद आदि उपस्थित थे.

बालूमाथ : बोलेरो की चपेट में आने छात्रा घायल

बालूमाथ (लातेहार)। अज्ञात बोलेरो वाहन की चपेट में आ जाने से बालूमाथ स्थित प्रोजेक्ट गर्ल्स हाई स्कूल की छात्रा प्रीति कुमारी घायल हो गई. शिक्षक निर्मल सिन्हा द्वारा बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया. यहां चिकित्सा प्रभारी प्रकाश बड़ाइक के द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया. प्रीति कुमारी पढ़ाई कर घर हेबना लौट रही थी. इसी दौरान अज्ञात बोलेरो ने अपनी चपेट में ले लिया.

बालू लदा ट्रैक्टर जब्त

पाटन। नावाडीह से पुलिस ने एक अवैध रूप से बालू लदे ट्रैक्टर को जब्त कर लिया है. पलामू एसपी, डीसी के निर्देश पर पाटन, किशुनपुर नवा जयपुर की पुलिस छापेमारी कर रही है.

न्यूज अपडेट

पंडित गौरी बाबा स्मृति मंच ने किया पौधरोपण

पौधरोपण करते मंच के सदस्य.

मेदिनीनगर। पंडित गौरी बाबा स्मृति मंच ने पंडित गुरुसहाय नगर, बेलसेनियां रेड़मा में फलदार पौधे लगाये. मंच के संरक्षक मंडल सदस्य वरिष्ठ कांग्रेसी नेता पंडित दीनानाथ तिवारी के नेतृत्व में पेड़ लगाएं, जीवन बचाएं अभियान अंतर्गत आम के पौधे लगाए गए, इस दौरान श्री तिवारी ने कहा कि प्रमंडल में जिस तरह से गर्मी का प्रकोप बढ़ रहा है वैसी स्थिति में पौधरोपण ही एकमात्र विकल्प है. उन्होंने चियांकी पहाड़ की तरह जिले के पहाडों पर सघन वृक्षारोपण अभियान चलाने की आवश्यकता बतायी. मंच के संस्थापक समाजिक कार्यकर्ता नवीन तिवारी ने अभियान की शुरुआत के लिए धन्यवाद दिया.

विश्व जनसंख्या दिवस पर विचार गोष्ठी आयोजित

विश्व जनसंख्या दिवस में शामिल लोग.

मेदिनीनगर। विश्व जनसंख्या दिवस पर बेरोजगार संघर्ष मोर्चा के जिला कार्यालय में विचार गोष्ठी आयोजित की गयी. गोष्ठी की अध्यक्षता मोर्चा अध्यक्ष उदय राम व संचालन संजय कुमार ने किया. मोर्चा अध्यक्ष श्री राम ने कहा कि अत्यधिक तीव्र गति से बढ़ती जनसंख्या के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से ही हर वर्ष 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है. यह जागरूकता मानव समाज की नयी पीढ़ियों को बेहतर जीवन देने संदेश देती है. बच्चों को बेहतर शिक्षा, भेजना, वस्त्र, स्वस्थ वातावरण सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं भविष्य में देने के लिए छोटे परिवार की महती आवश्यकता निरंतर बढ़ती जा रही है.

सीएम एसओई के छात्र आईआईएसईआर कोलकाता गये

शैक्षणिक भ्रमण के लिए रवाना होते छात्र.

लातेहार। सीएम एसओई, लातेहार के छात्र दो दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण के लिए 10 जुलाई को कोलकाता रवाना हुए हैं. विद्यालय की प्राचार्य तृप्ति भारती व उप प्राचार्य नरेंद्र पांडेय ने इन छात्रों को रवाना किया. प्राचार्य ने बताया कि विद्यालय के छात्र इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ एजुकेशन, साइंस एंड रिसर्च, कोलकाता का 11 जुलाई को भ्रमण किया. उन्होने बताया यह भ्रमण कार्यक्रम 11 जुलाई को आईआईएसईआर के स्थापना दिवस पर आयोजित किया गया. इस दिन यह संस्थान सभी आकांक्षी वैज्ञानिक व छात्रों के लिए खुला रहता है. उन्होंने बताया कि विद्यालय के छात्र व छात्राएं लगातार शैक्षणिक भ्रमण के लिए जाते हैं.

ब्रह्मकुमारी संस्था में ब्रह्मा भोजन का आयोजन

ब्रह्मा भोजन की आध्यात्मिक महत्व बताते अमृता बहन.

लातेहार । शहर के बाइपास रोड में प्रजापिता ब्रह्म कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की शाखा में गुरुवार को ब्रह्मा भोजन का आयोजन किया गया. यह आयोजन दिवंगत आंगनबाड़ी सेविका तिलोत्तमा कुंवर की स्मृति में किया गया. मौके पर शाखा संचालक अमृता बहन ने ब्रह्मा भोजन की आध्यात्मिक महत्व को बताया. उन्होंने कहा कि अन्न स्वयं ब्रह्म है. समस्त जगत ब्रह्म से उत्पन्न होता है, उसी पर निर्भर रहता है और उसी में विलीन हो जाता है. इसी प्रकार सभी जीव अन्न से उत्पन्न होते हैं, उसी पर निर्भर रहते हैं और उसी में विलीन हो जाते हैं.

तीन स्कूलों के 217 बच्चों के बीच साइकिल वितरण

जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा का शुभारंभ करते लोग.

पाटन (पलामू)। पाटन हाई स्कूल के प्रांगण में तीन स्कूलों के 217 बच्चों के बीच विधायक पुष्पा देवी ने साइकिल का वितरण किया. वृक्षारोपण कर कार्यक्रम की शुरुआत की गयी. लोगों ने विधायक को बुके देकर सम्मानित किया. इस मौके पर मंडल अध्यक्ष संजय सिंह, भाजयुमो अध्यक्ष अभिषेक कुमार सिंह, विधायक प्रतिनिधि संजय कुमार सिंह, सेमरी पंचायत की मुखिया सुमति देवी, शिव शंकर प्रसाद, किशनपुर मंडल विधायक प्रतिनिधि अशोक तिवारी, कामता सिंह, आनंद सिंह, गुड्डू सिंह, प्रमोद सिंह, नॉलेज सिंह, शमशेर आलम, गुड्डू मियां, प्रखंड प्रमुख शोभा देवी, प्रधानाध्यापक और छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक उपस्थित थे.

सेवानिवृत प्राचार्य के निधन पर शोकसभा आयोजित

शोकसभा में शामिल लोग.

लातेहार। मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, लातेहार के सेवानिवृत प्राचार्य अर्जुन प्रसाद के असमायमिक निधन पर विद्यालय परिवर में एक शोकसभा का आयोजन किया गया. शोकसभा में दो मिनट का मौन रख कर दिवगंत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गयी. विद्यालय के वरीय शिक्षक नरेंद्र कुमार पांडेय ने दिवगंत अर्जुन प्रसाद की जीवनी से छात्रों का परिचय कराया और उनके कार्यों की जानकारी दी. प्राचार्य तृप्ति भारती ने कहा कि उनकी कमी सदैव खलेगी. वे सबों के साथ आत्मीय व्यवहार रखते हैं.

फाइलेरिया उन्मूलन के लिए कार्यशाला का आयोजन

कार्यशाला में शामिल लोग.

लातेहार । जिला स्वास्थ्य विभाग एवं पीरामल फाउंडेशन संयुक्त के रूप से जनजाति अस्पताल मननचोटांग, लातेहार में एक दिवसीय जागरूकता उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया. जिला मलेरिया पदाधिकारी डॉ अनिल कुमार ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया. जिला मलेरिया कैंसेल्टर सुनील कुमार सिंह ने फाइलेरिया रोग की जानकारी दी. उन्होंने बताया कि मादा क्यूलेक्स मच्छर के काटे जाने से फाइलेरिया रोग होता है. इस का लक्षण एवं प्रभाव पांच से सात वर्षों में दिखाई देता है. यह एक लाईलाज बीमारी है. जानकारी व जागरूकता से ही इस बीमारी से बचा जा सकता हैं.

पखवाड़ा जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा का उद्घाटन, लोगों ने अपने -अपने विचार रखे, बोले

बढ़ती जनसंख्या को रोकने के लिए जागरूकता लाएं

संवाददाता। हुसैनाबाद (पलामू)

हुसैनाबाद : जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा का शुभारंभ करते लोग.

हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल में गुरुवार को जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा का भव्य उद्घाटन हुआ. उद्घाटन प्रखंड प्रमुख राजकुमारी देवी, संसद प्रतिनिधि अखिलेश मेहता, विधायक प्रतिनिधि विनय पासवान, प्रखंड विकास पदाधिकारी रौशन कुमार, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. दीपक कुमार सिन्हा एवं विभिन्न पंचायतों के मुखिया और अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया. मौके पर उपस्थित सभी ने छोटा परिवार सुख का आधार पर अपने -अपने विचार रखे. सभी ने बढ़ती हुए जनसंख्या पर चिंता व्यक्त की तथा बढ़ती हुई जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए आम जनों में सहिया व जनप्रतिनिधियों के माध्यम से जागरूकता लाने की बात कही. कार्यक्रम में डॉ. दीपक कुमार सिन्हा ने परिवार नियोजन के स्थायी एवं अस्थायी उपायों पर विस्तृत जानकारी दी. कार्यक्रम का संचालन विभूति कुमार गुप्ता ने किया व कार्यकम में प्रखंड डाटा प्रबंधक रंजीत कुमार मेहता, परिवार कल्याण कार्यकर्ता सच्चिदान्द, ए एन एम राजमुनि देवी, अर्चना, अमृता, सहिया साथी सीमा सिंह, सोनी देवी, सहिया अनीता देवी, मीणा देवी, संजू देवी आदि उपस्थित रहे.

पाटन में जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा का आयोजन

पाटन। विश्व जनसंख्या दिवस पर जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा का आयोजन किया गया. इसका आयोजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाटन में किया गया. दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया. इसमें प्रखंड प्रमुख पाटन शोभा देवी, जिला परिषद सदस्य संग्राम सिंह, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी पाटन श्रवण कुमार मेहता, समाजसेवी शक्ति शंकर गुप्ता, स्वास्थ्य सहिया ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की.

पंडित जगनारायण का कांग्रेस के हित में योगदान अविस्मरणीय : जिला अध्यक्ष

संवाददाता। मेदिनीनगर

पं जगनारायण पाठक की 29वीं पुण्यतिथि में शामिल कांग्रेसी.

पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक की अध्यक्षता में गुरुवार को पलामू जिला के पूर्व अध्यक्ष पंडित जगनारायण पाठक की 29वीं पुण्यतिथि मनायी गयी. कांग्रेसजनों ने कांग्रेस भवन के मैदान में स्थित उनकी प्रतिमा पर फूल माला चढ़ाकर उनको सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की. मौके पर जिला अध्यक्ष बिट्टू पाठक ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि पंडित जगनारायण पाठक कांग्रेस के जिला अध्यक्ष पद पर लंबे समय तक रहे. पार्टी की सेवा की पार्टी हित में उनके योगदान को कभी भूला नहीं जा सकता. उनके नेतृत्व में पलामू में कांग्रेस का संगठन काफी मजबूत हुआ था. पंडित जगनारायण पाठक पलामू कांग्रेस में भीष्म पितामह से जाना जाते थे. पंडित जगनारायण पाठक का कांग्रेस पार्टी के हित में योगदान अविस्मरणीय है. पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बेहद गरीबी माने जाते थे. उनके जीवन से हम सबको सीखने की जरूरत है. मौके पर प्रमुख रूप से उनके पुत्र आलोक पाठक, बहू डॉक्टर प्रमिला पाठक, अनीश पाठक, विमला, लक्ष्मी नारायण, सत्यानंद दुबे, अरविंद पासवान, ईश्वरी प्रसाद सिंह, सुरेश पाठक, विद्या सिंह शेरो, जितेंद्र कमलापुरी, नसीम खान, सत्येंद्र सिंह, सिद्धनाथ प्रसाद गुप्ता, मिथिलेश सिंह, परिचित दुबे, उदय यादव आदि उपस्थित थे.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in रांची, शुक्रवार 12 जुलाई 2024 ● आषाढ़ शुक्ल पक्ष 07 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 94 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

चार्टर्ड अकांटेंट की परीक्षा में सिमडेगा के तीन और पलामू के एक अभ्यर्थी ने लहराया सफलता का परचम

सिमडेगा के मोहित, वाणी व अंकित और मोहम्मदगंज की ज्योति सफल

मोहित, वाणी और अंकित ने परिजनों को दिया श्रेय

संवाददाता। सिमडेगा

आईसीएआई ने बुधवार को सीए इंटरमीडिएट और फाइनल परीक्षा का रिजल्ट जारी कर दिया है. पूर्व पार्षद अशोक जैन के सुपुत्र मोहित जैन ने चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा में सफलता हासिल कर जिले व राज्य का नाम रोशन किया है. मोहित के बड़े भाई नीतेश जैन भी चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं और सिमडेगा शहर को अपनी सेवाएं दे रहे हैं. मोहित जैन की सफलता पर परिवार के लोगों के साथ ही साथ मुहल्ले के लोग भी खुश है.

वहीं, शहर के प्रसिद्ध कपड़ा व्यवसायी राम जानकी मंदिर मोहल्ला निवासी कैलाश अग्रवाल की पुत्री वाणी अग्रवाल ने चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा में सफलता प्राप्त किया है. सिमडेगा के ही सुरेश शर्मा के छोटे पुत्र अंकित शर्मा ने सीए की परीक्षा पास की है. इनकी सफलता पर जहां उसके घर खुशी का माहौल व्याप्त है, वहीं सहपाठियों सहित समाज के लोगों ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है. अंकित जैन ने अपनी सफलता का श्रेय बड़े भाई रोहित सहित माता पिता, गुरुजनों और सभी शुभचिंतकों को दिया है. उन्होंने कहा कि पिता व मां ने जहां मुझे हमेशा आगे बढ़ने को प्रेरित किया. वहीं बड़े भाई के हौसला अफजाई ने सफलता की मंजिल तक पहुंचाया.

मोहित जैन.

वाणी अग्रवाल.

अंकित शर्मा.

जमशेदपुर के 56 विद्यार्थी सफल जयकांत सिटी टॉपर

जमशेदपुर। चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (सीए) फाइनल परीक्षा में शहर के 56 अभ्यर्थियों ने सफलता हासिल की. वहीं, सीएम इंटरमीडिएट परीक्षा में 83 छात्र उर्तीण हुए हैं. बता दें कि सीए फाइनल परीक्षा में जमशेदपुर शाखा से कुल 262 छात्र शामिल हुए थे. वहीं, सीए 432 अभ्यर्थियों ने सीए इंटर की परीक्षा दी थी. जमशेदपुर शहर से जयकांत बेरिया सिटी टॉपर बने हैं. वहीं रचित अग्रवाल सीए इंटर परीक्षा के सिटी टॉपर बने हैं.

ज्योति ने माता-पिता को बताया अपना प्रेरणा स्रोत

हुसैनाबाद/पलामू। मोहम्मदगंज स्टेशन रोड निवासी स्व. इंद्रदेव सिंह की परपौत्री ज्योति कुमारी (नेहा) ने इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा में सफलता हासिल कर अपने क्षेत्र के साथ पूरे पलामू जिला का नाम रौशन किया है. ज्योति की छोटी बहन वर्तमान में रिम्स रांची में एमबीबीएस के अंतिम वर्ष में अध्ययनरत है. वहीं, उसका भाई पुणे से एमबीए कर तैयारी में लगा है. ज्योति अपने माता पिता के साथ जमशेदपुर में ही रहती है.

उसने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता अभय सिंह व माता विभा सिंह की प्रेरणा व अपने दादा कृष्ण बिहारी सिंह सहित अपने परिजनों के आशीर्वाद को बताती है. ज्योति ने बताया कि उसने अपनी प्रारंभिक शिक्षा जमशेदपुर से की है. 10वीं और 10वीं स्कूल ऑफ एक्सेलेंस, जमशेदपुर से करने के बाद कोलकाता विश्वविद्यालय के सेठ आनंद राम जयपुरिया कॉलेज से बी. कॉम (अकाउंट व फाइनेंस) की परीक्षा पास की. स्नातक करने के दौरान ही वह सीए की तैयारी में लग गई थी. उसने अपने तीसरे प्रयास में यह सफलता हासिल की है.

ज्योति कुमारी

सीए बनने के लिए हार्ड वर्क बहुत जरूरी : ज्योति ने बताया कि शुरू से ही सीए की परीक्षा पास करने का सपना था. उसने सीए करने के इच्छुक युवाओं को सलाह है कि सीए बनने के लिए हार्ड वर्क बहुत जरूरी है. हर दिन के आधार पर अपना लक्ष्य तय करना चाहिए कि आपने जो अपना लक्ष्य तय किया है, वह हासिल कर पा रहे हैं या नहीं. उसने बताया की वह कुछ साल प्राइवेट फर्म में नौकरी और प्रैक्टिस करेगी. इसके बाद अपना खुद का सीए फर्म खोलेगी.

ब्रीफ खबरें

दूसरे दिन भी ईडी टीम ने कांके ब्लॉक में जांच की

रांची। जमीन घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम दूसरे दिन भी गुरुवार को कांके प्रखंड सह अंचल कार्यालय पहुंची. ईडी की टीम कांके अंचल कार्यालय में म्यूटेशन से संबंधित कागजात की जांच की. इससे पहले बुधवार सुबह लगभग 11 बजे ईडी की टीम ने कांके प्रखंड सह अंचल कार्यालय में छापेमारी की थी. टीम ने सीओ और सीआई के मोबाइल फोन जब्त कर लिये थे. अंचल कार्यालय में जांच के दौरान एक डायरी और कई दस्तावेज भी ईडी के हाथ लगे हैं. सूत्रों के अनुसार, मोबाइल और डायरी में मोबाइल में पैसों के लेन-देन से जुड़ी कई अहम जानकारियां मिली हैं. इसके अलावा ईडी ने ग्रामीणों के चुनाव बहिष्कार संबंधित रजिस्टर को भी जब्त किया है. बता दें कि जमीन माफिया पर कार्रवाई नहीं होने पर कांके के चामा गांव ग्रामीणों ने लोकसभा चुनाव बहिष्कार का फैसला लिया था. ग्रामीणों ने जमीन कारोबारी कमलेश कुमार सिंह पर जबरन उनकी जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाया था.

सड़क हादसे में एक की मौत, दूसरा घायल

मेदिनीनगर। नावा बाजार थाना क्षेत्र में एनएच 98 मुख्य मार्ग पर लोहवा पुल के समीप पिकअप ने बाइक सवार दो लोगों को टक्कर मार दी. इस घटना में बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा घायल है. जानकारी के मुताबिक, इटको गांव निवासी सरयू बैठा के पुत्र विकास कुमार (28) अपने चचेरे भाई बीरबल कुमार के साथ नावा बाजार से कुछ सामान लेकर अपने गांव इटको लौट रहे थे. इसी दौरान पिकअप ने बाइक में टक्कर मार दी. दुर्घटना में घायल युवक का अनुमंडलीय अस्पताल छतरपुर में इलाज चल रहा है. एमएमसीएच में पोस्टमार्टम के बाद परिजन को शव सौंप दिया गया है.

स्वास्थ्य क्षेत्र में कॅरियर बनाने का था सपना, आज खा रहे दर-दर की ठोकरें

सुनिये मंत्री जी! हम युवाओं का भविष्य खराब हो रहा है

आकर्ष अनिकेत। रांची

राज्य के युवा, जो कभी स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपना कॅरियर बनाने का सपना देख रहे थे, वे आज दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर हैं. राज्य के विभिन्न कॉलेजों से डिप्लोमा इन फार्मेसी (डी फार्मा) करने वाले छात्र-छात्राएं परीक्षा में देरी को लेकर परेशान हैं. डी-फार्मा की परीक्षा को दो-दो साल विलंब होने के बाद भी नहीं हो सकी है, जिसको लेकर छात्रों ने गुरुवार को मोरहाबादी स्थित स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता के आवास के बाहर धरना प्रदर्शन किया.

छात्रों ने बताया कि सचिवालय, काउंसिल से लेकर कई मंत्री के पास चक्कर लगाने के बाद भी परीक्षा में देरी हो रही है. डी-फार्मा का कोर्स दो साल का होता है, पर 2020-2022 बैच की फाइनल परीक्षा अभी तक नहीं हो पाई है. दो साल के कोर्स के लिए सरकार पहले ही चार साल का समय ले चुकी है. इसके बाद भी परीक्षा में देरी से छात्रों का भविष्य अधर में लटका हुआ है. छात्रों ने बताया कि हम लगातार मेहनत कर रहे हैं, पर हमें कोई परिणाम नहीं मिल रहा है. हमें बार-बार आश्वासन दिया जा रहा है कि रजिस्ट्रार की नियुक्ति होते ही परीक्षा ले ली जाएगी, पर तीन महीने से रजिस्ट्रार का पद खाली है. न तो रजिस्ट्रार की नियुक्ति हो रही है और न ही परीक्षा ली जा रही है.

राज्य में 60 कॉलेज, हर बैच में 50-60 विद्यार्थी : राज्य भर में डी-फार्मा कोर्स के लिए कुल 60 कॉलेज हैं. धरना पर बैठे छात्रों ने बताया कि हर बैच में लगभग 50-60 विद्यार्थी हैं. ऐसे में सरकार परीक्षा नहीं लेकर सैकड़ों छात्रों का भविष्य अंधकार में डाल रही है. सरकार को जल्द-जल्द इसपर कोई फैसला लेना चाहिए.

स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता के आवास के बाहर धरना देते डी-फार्मा के छात्र-छात्राएं.

छात्र परेशान

- डी फार्मा की परीक्षा में देरी से तीन-तीन बैच के विद्यार्थी परेशान
- स्वास्थ्य मंत्री के आवास के बाहर छात्र-छात्राओं ने दिया धरना

दो साल के कोर्स में दो बार ली जाती है परीक्षा

छात्रों ने बताया कि डी-फार्मा दो साल का कोर्स होता है. इसमें साल में एक परीक्षा होती है. 2020-22 बैच की एक परीक्षा हो चुकी है, पर दूसरी और फाइनल परीक्षा अब तक नहीं ली गयी है. छात्रों ने स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता से मांग की है कि जल्द से जल्द परीक्षा ली जाए.

अब तक तीन बैच की फाइनल परीक्षा नहीं हुई

छात्रों ने बताया कि अब तक तीन बैच की फाइनल परीक्षा नहीं हुई है. इसमें सत्र 2020-22, 2021-23 और 2022-2024 बैच के छात्र-छात्राएं शामिल हैं. तीनों बैच के विद्यार्थी फाइनल परीक्षा नहीं होने के कारण परेशान है. विद्यार्थियों का कहना था कि करीब 20 दिन पहले स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने हमलोगों को आश्वासन दिया था कि दो से तीन दिनों के अंदर आपकी समस्याओं का निवारण कर दिया जाएगा, पर अब तक कोई भी जरूरी कदम नहीं उठाया गया है.

क्या कहते हैं छात्र

अब तो घरवाले भी साथ छोड़ रहे : हर्ष गुप्ता

ओरमांझी के धनवंतरी कॉलेज में डी-फार्मा के फाइनल ईयर के छात्र हर्ष गुप्ता ने बताया फाइनल परीक्षा में हो रही देरी की वजह से अब घरवाले मुझपर ही सवाल उठाने लगे हैं. घरवालों का कहना है कि तुमने ही गलत कॉलेज चुना, इसलिए परीक्षा नहीं हो रही है. घरवालों ने भी हमारा साथ छोड़ दिया है.

आत्महत्या करने की नौबत : आकाश केसरी

साइन अब्दुल रजाक कॉलेज के 2021-23 बैच के आकाश केसरी ने बताया कि कॉलेज की फीस बहुत अधिक है. पूरी पढ़ाई का खर्च 2.5 लाख रुपये है. रहने व खाने का खर्च अलग. उसने बताया कि मेरे कई सहपाठियों का कहना है कि अगर कोई समाधान नहीं हुआ, तो आत्महत्या करना पड़ जाएगा.

एक महीने से भाग दौड़ कर रहे हैं : मो वसीम

डी-फार्मा के छात्र मो वसीम ने बताया कि हम एक महीने से रोज इधर से उधर भाग रहे हैं. कभी काउंसिल, कभी मंत्रालय, तो कभी मंत्री जी के पास. पर कोई मदद करने को तैयार ही नहीं है. विधायक नेहा शिल्पी तिर्की से लेकर स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने बस आश्वासन दिया, पर हमारा काम नहीं हो पाया है.

चिंतापूर्णी प्लांट में बॉयलर फटा, एक मजदूर की मौत

चरही के चिंतपूर्णी स्टील प्लांट में फटा हुआ बॉयलर.

संवाददाता। चरही/हजारीबाग

चार मजदूर झुलसे, दो गंभीर मजदूरों का रांची में चल रहा था इलाज

- इलाज के दौरान एक मजदूर की मौत, दूसरे की हालत भी चिंताजनक बनी हुई है

चरही थाना क्षेत्र अंतर्गत एमएच रांची- पटना मार्ग पर 15 माइल स्थित चिंतपूर्णी स्टील प्लांट में बुधवार की मध्य रात्रि को इंडक्शन बॉयलर फटने से चार मजदूर झुलस गए. फैक्ट्री प्रबंधन ने गंभीर रूप से झुलसे दो मजदूरों मुन्ना प्रसाद यादव और जितेंद्र कुमार को बेहतर इलाज के लिए गुरुवार की सुबह रांची के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया. आईसीयू में इलाज इलाज के क्रम में देर शाम मुन्ना की मौत हो गयी, जबकि जितेंद्र की हालक नाजुक है. दोनों बिहार के गया जिले के मंझौली के रहनेवाले थे. बताया जा रहा है कि इस घटना में दोनों मजदूरों के शरीर का 60 प्रतिशत झुलस गया था.

मध्य रात्रि इंडक्शन बॉयलर फटा : जानकारी के अनुसार, बीती रात चिंतपूर्णी स्टील प्लांट के अंदर मजदूर काम कर रहे थे. इसी दौरान मध्य रात्रि में चार नंबर इंडक्शन बॉयलर फट गया. और चपेट में आने से दो मजदूर बुरी तरह झुलस गए. दोनों क्रेन ऑपरेटर थे. वहीं, दो अन्य मजदूर आंशिक रूप से झुलसे. दोनों का स्थानीय अस्पताल में इलाज चल रहा है. चिंतपूर्णी स्टील प्रबंधन के अधिकारी सीएम सिंह से पूछे जाने पर उन्होंने घटना के बारे कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी. मजदूरों की सुरक्षा को लेकर प्लांट प्रबंधन कुछ भी कहने से बचते दिखा. प्लांट के अंदर जाने से मीडियाकर्मियों और जनप्रतिनिधियों को रोका भी गया.

चिंतपूर्णी स्टील प्लांट में हादसा कोई नई बात नहीं है. इस तरह की कई घटनाएं घट चुकी हैं, जिसमें कई मजदूरों ने अपनी जान भी गंवाई है. इस घटना के बाद वहां काम करनेवाले मजदूरों का कहना था कि प्लांट प्रबंधन एक ओर अपने अफसरों एवं कर्मचारियों के लिए छह मंजिला इमारत बनवा रही है, तो दूसरी ओर मजदूरों के सुरक्षा हित में कोई काम नहीं कर रही है.

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्लांट प्रबंधन पर सवाल : इस घटना को लेकर चुरचू जिला परिषद सदस्य बासुदेव करमाली सहित कई अन्य समाजसेवी ने चिंतपूर्णी स्टील प्लांट प्रबंधन पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लापरवाही समेत कई गंभीर आरोप लगाए हैं. बताया कि पिछली बार एक मजदूर की मौत होने के बाद प्लांट प्रबंधन ने मृतक के आश्रित को मुआवजा देने की बात कही थी. लेकिन आज तक परिजनों को मुआवजा नहीं दिया गया. मृतक के पुत्र आज भी स्टील प्रबंधन के कार्यालय के चक्कर ही लगा रहे हैं.

गोड्डा में इंटर की छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म

संवाददाता। गोड्डा

- तीन युवकों ने नशीला पदार्थ सुंघा कर किया दुष्कर्म
- हॉस्टल में रह कर 12वीं की पढ़ाई कर रही थी पीड़िता

शहर में 12वीं की एक छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है. जानकारी के मुताबिक, छात्रा हॉस्टल में रह कर पढ़ाई कर रही थी. दुष्कर्म की वारदात नगर थाना क्षेत्र के सरकंडा स्थित मॉल के पीछे एक अर्धनिर्मित मकान में हुई है. इस मामले में पीड़िता की मां के बयान पर नगर थाना में मामला दर्ज किया गया है.

थाने में दिये गये आवेदन के अनुसार, बुधवार की शाम छात्रा ट्यूशन पढ़ने के लिए कोचिंग सेंटर गई थी. वहीं से दो युवक उसे स्कूटी पर बैठा कर सरकंडा के उक्त मकान में ले गए. वहां पहले से एक और युवक घात लगाए हुए था. तीनों ने छात्रा को कोई नशीला पदार्थ सुंघा दिया, जिससे वह बेहोश हो गई. इसके बाद तीनों ने बारी-बारी से उसके साथ दुष्कर्म किया और फिर फरार हो गए. इसी बीच किसी ने घटना की सूचना पुलिस को दे दी. मौके पर पुलिस पहुंची, तो छात्रा बेहोशी की हालत में मिली. पुलिस ने घटनास्थल से पैंट, चप्पल, बोतल, खटिया सहित अन्य सामान जब्त किया है. पुलिस ने पीड़िता की मेडिकल जांच भी कराई है. तीनों फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है.

मेनहर्ट घोटाला रांची में सीवरेज ड्रेनेज के डीपीआर का कार्य दिए जाने में करोड़ों रुपये के घोटाले का है आरोप

विधायक सरयू राय ने डोरंडा थाने में दर्ज करायी प्राथमिकी

प्रमुख संवाददाता। रांची

- हाईकोर्ट के निर्देश के आलोक में दर्ज करायी प्राथमिकी
- शीघ्र जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आग्रह

मेनहर्ट घोटाला मामले में विधायक सरयू राय ने गुरुवार को रांची के डोरंडा थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है. उन्होंने डोरंडा थाना प्रभारी से आग्रह किया है कि हाईकोर्ट के आदेशानुसार, इस मामले की शीघ्र जांच हो और मेनहर्ट घोटाला के दोषियों के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई की जाए. बता दें कि मेनहर्ट घोटाला की भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो से जांचोपरांत सरकार द्वारा कार्रवाई नहीं करने के संबंध में सरयू राय ने झारखंड हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की थी. हाईकोर्ट के निर्णय के आलोक में विधायक सरयू राय ने गुरुवार को डोरंडा थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी.

क्या है मामला : जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने मेनहर्ट को रांची में सीवरेज ड्रेनेज के डीपीआर का कार्य दिए जाने में करोड़ों रुपये के घोटाले का आरोप लगाया था. इस मामले को उन्होंने झारखंड विधानसभा में भी उठाया था. राज्य सरकार के निर्देश के बाद दिसंबर 2020 में एसीबी ने इसे लेकर आरंभिक जांच की थी. लेकिन, इसकी रिपोर्ट अब तक प्राप्त नहीं होने पर सरयू राय ने हाईकोर्ट में रिट याचिका दाखिल की थी. हाईकोर्ट ने रिट याचिका खारिज करते हुए सरयू राय को किसी पुलिस थाना में प्राथमिकी दर्ज कराने अथवा किसी सक्षम न्यायालय में मुकदमा दायर करने का निर्देश दिया था.

क्या है एफआईआर में

निविदा में अंकित योग्यता की शर्त पर मेनहर्ट अयोग्य : रांची शहर में सिवरेज-ड्रेनेज निर्मित करने के लिए परामर्शी चयन हेतु निविदा अनावश्यक रूप से विश्व बैंक की क्वालिटी बेस्ड सिस्टम पर आमंत्रित की गई. निविदा मूल्यांकन के दौरान पाया गया कि कोई भी निविदादाता, निविदा की शर्त के अनुसार योग्य नहीं है. इसके बावजूद निविदा में अंकित योग्यता की शर्त को दरकिनार करते हुए अयोग्य होने के बाद भी मेनहर्ट का तकनीकी लिफाफा खोला गया और मूल्यांकन में उसे तकनीकी पैमाना पर सर्वोत्कृष्ट घोषित कर दिया गया. विभागीय मंत्री ने अपने पद का अनुचित दुरूपयोग किया. उन्होंने एक षड्यंत्र के तहत मेनहर्ट को नियुक्त करने के लिए ऐसा किया.

विधानसभा में विभागीय मंत्री ने गुमराह किया : मेनहर्ट की नियुक्ति में अनियमितता का मामला झारखंड विधानसभा में उठा, तो विभागीय मंत्री ने मिथ्या भाषण दिया और सदन को गुमराह किया. विधानसभा अध्यक्ष ने मेनहर्ट नियुक्ति प्रकरण की जांच के लिए विधान सभा की विशेष समिति गठित कर दी. इस समिति के समक्ष नगर विकास विभाग ने प्रासंगिक दस्तावेज नहीं रखा. विशेष जांच समिति की अनुशंसा पर 'आरआरडीए' के मुख्य अभियंता के संयोजकत्व में तीन सदस्यीय उच्च स्तरीय तकनीकी समिति गठित कर दी गई. फिर षड्यंत्र के तहत इस समिति ने मेनहर्ट की नियुक्ति को सही ठहरा दिया. विधान सभा की कार्यान्वयन समिति ने मामले की गहन जांच में पाया कि मेनहर्ट की नियुक्ति अवैध है. समिति ने मेनहर्ट को दिये गये कार्यादेश को रद्द करने की अनुशंसा की.

डोरंडा थाना प्रभारी को आवेदन देते सरयू राय.

निगरानी ब्यूरो को जांच के लिए अनुमति नहीं मिली : निगरानी आयुक्त राजबाला वर्मा ने निगरानी ब्यूरो की जगह निगरानी विभाग के तकनीकी परीक्षण कोषांग को जांच का आदेश दिया. कोषांग ने गहन जांच की. मेनहर्ट की नियुक्ति में हर स्तर पर पक्षपात साबित कर दिया और कहा कि मेनहर्ट अयोग्य था. निगरानी आयुक्त ने तकनीकी परीक्षण कोषांग का जांच प्रतिवेदन महीनों दबाये रखा. बाद में उन्होंने इसे निगरानी ब्यूरो के समक्ष कार्रवाई हेतु भेजने के लिए नगर विकास विभाग को भेज दिया. राजबाला वर्मा ने निगरानी ब्यूरो को जांच नहीं करने दिया और तकनीकी परीक्षण कोषांग की जांच के आधार पर कार्रवाई नहीं होने दी.

एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत आईसेक्ट विवि में किया गया पौधरोपण, कुलपति ने कहा

मानव जीवन को स्वस्थ रखती पेड़-पौधों की अधिकता

संवाददाता। हजारीबाग

आईसेक्ट विश्वविद्यालय के तरबा-खरबा स्थित मुख्य कैंपस परिसर में अलग-अलग किस्म के 300 पौधे लगाए गए. दरअसल, राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत पूरे देश में वन महोत्सव सप्ताह 1 से 7 जुलाई तक मनाया गया.

इसी के अंतर्गत जुलाई के महीने में वन संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने और पर्यावरण बचाने के उद्देश्य से "एक पेड़ मां के नाम" अभियान कार्यक्रम के तहत आईसेक्ट विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के बैनर तले विश्वविद्यालय के एनएसएस युनिट-एक के हेरा फातिमा, तनिश्का कुमारी, पूजा कुमारी, आशुतोष कुमार दुबे सहित कृषि संकाय के विद्यार्थियों ने पौधरोपण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

आईसेक्ट विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न किस्म के 300 पौधे लगाए गए.

इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ पीके नायक ने कहा कि पेड़-पौधे ही हमारा जीवन रक्षक है. साथ ही पेड़-पौधों की अधिकता मानव जीवन को स्वस्थ रखने में मदद करती है.

वहीं विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने कहा कि जिस तरह विलासिता जिंदगी ने पर्यावरण को हानि पहुंचायी है, अगर समय रहते इसपर ध्यान नहीं दिया गया तो पूरा मानव समुदाय पर गहरा संकट आ सकता है. असमय वर्षा, अत्यधिक तापमान कुछ ऐसी निशानियां हैं, जो हमें सचेत कर रही है. ऐसे में सबसे अहम पौधरोपण है. साथ ही इसके वृक्ष बनने तक पूरी देखभाल भी जरूरी है. उन्होंने कहा कि जागरूकता भी जरूरी है. विश्वविद्यालय के एनएसएस इकाई के माध्यम से आसपास के क्षेत्रों में नुक्कड़ नाटक के जरिए जागरूकता भी फैलायी जा रही है. एनएसएस अधिकारी डॉ रोजिकांत ने बताया कि पेड़ वाकई एक मां का किरदार निभाती है. एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम जागरूकता के साथ साथ एहसास भी है, जो आम इंसान को सीधे प्रकृति से जोड़ती है. एनएसएस अधिकारी डॉ प्रीति व्यास ने भी पेड़-पौधे की अहमियत से लोगों को रूबरू कराया. इस मौके पर एनएसएस युनिट एक के विद्यार्थियों के साथ साथ कृषि विभाग के विद्यार्थी भी मौजूद थे.

हजारीबाग में 53 हजार से भी अधिक पौधों का वितरण और रोपण : प्रदीप

- एक पेड़ मां के नाम एवं हरियाली महोत्सव से हजारीबाग को समृद्ध बनाएं : बाबूलाल मरांडी

संवाददाता। हजारीबाग

बाबूलाल मरांडी से मुलाकात करते प्रदीप प्रसाद.

पिछले दिनों हजारीबाग आगमन पर भाजपा नेता प्रदीप प्रसाद ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह वर्तमान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी से शिष्टाचार मुलाकात कर विभिन्न विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की. प्रसाद ने हरियाली महोत्सव को लेकर बाबूलाल मरांडी को विस्तारपूर्वक जानकारी दी. उन्होंने बताया कि सदर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न प्रखंडों में पौधरोपण तथा पौधों का वितरण किया जा रहा है. यह कार्यक्रम 5 जून से निरंतर चल रहा है. इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एक पेड़ मां के नाम लगाने का समस्त देशवासियों से आग्रह किया है, जिसको लेकर सभी लोगों में उत्साह और उमंग दिख रहा है. साथ ही प्रदीप प्रसाद ने कार्यक्रम में बाबूलाल मरांडी को आमंत्रित किया. बाबूलाल मरांडी ने हरियाली महोत्सव की प्रशंसा करते हुए कहा कि मैं अवश्य हजारीबाग जाकर कार्यक्रम में शामिल होकर एक पेड़ मां के नाम एवं हरियाली महोत्सव के निमित्त हजारीबाग में पौधारोपण करूंगा.

ब्रीफ खबरें

पत्रकार के बन रहे नए घर से चोरी, केस दर्ज

हजारीबाग। लोहसिंघना थाना क्षेत्र के मंडई वार्ड नंबर 1 के रौशन मोहल्ला में बुधवार रात्रि पत्रकार अरीज हुसैन के घर में चोरी हो गई. चोर उनके बन रहे नए घर में चल रहे बिजली वायरिंग का सारा तार काटकर ले गए. साथ ही वायरिंग का रखा हुआ अन्य सामान भी ले गए. इतना ही नहीं, बोरिंग के लगे जेट पंप और रखा हुआ टूलू पंप भी चोरी कर ले गए. उनके घर में पानी टंकी के लिए भी वायरिंग का सामान लाकर रखा गया था. उसे भी चोर उठा कर ले गए. इस संबंध में भुक्तभोगी ने लोहसिंघना थाने में लिखित आवेदन देकर मामला दर्ज कराया है. भुक्तभोगी ने बताया कि नए मकान के पीछे कुछ संदिग्ध लोग रहते हैं. उन्हें पूरा यकीन है कि उन्हीं लोगों ने उनके घर में घुसकर चोरी की घटना को अंजाम दिया है.

बार एसो. अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को न्योता

हजारीबाग। आगामी 17 जुलाई को डीवीसी सभागार में अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत द्वारा ग्राहक हित और ऑनलाइन गेम नशा विषयक पर प्रबुद्ध जन संगोष्ठी का आयोजन किया गया है. इस बाबत एक दिवसीय प्रवास पर हजारीबाग पहुंचे अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के प्रदेश संगठनमंत्री शिवाजी ने हजारीबाग बार एसोसिएशन के महासचिव सुमन कुमार सिंह और उपाध्यक्ष विजय कुमार सिंह को पुस्तक भेंट कर समारोह में आने का निमंत्रण दिया. ज्ञात हो कि इस प्रबुद्ध जन संगोष्ठी में समाज के पर्यावरणविद, शिक्षाविद, अधिवक्ता, विभिन्न शैक्षणिक संस्थान के प्रमुख, शिक्षक, व्यवसायी संघ, फुटकर व्यवसायी संघ के अलावा विभिन्न सामाजिक संगठन के प्रमुख हिस्सा लेंगे.

प्राचार्य पर जबरदस्ती करने का आरोप लगा

हजारीबाग। कटकमदाग प्रखंड अंतर्गत सिरसी में छात्रा ने प्राचार्य पर छेड़छाड़, मारपीट एवं जबरदस्ती करने का आरोप लगाया है. आर्यावर्त वैदिक गुरुकुल सिरसी में पढ़ रही कक्षा 6 की छात्रा ने आरोप लगाया है कि प्राचार्य द्वारा उसके साथ छेड़खानी, अभद्रता एवं उसकी पत्नी द्वारा मारपीट की गई है. पीड़िता का आरोप है कि प्राचार्य द्वारा पीड़िता को सुबह के चार बजे जबरदस्ती बुलाया गया. नहीं आने पर पीड़िता को प्राचार्य द्वारा उठा कर कमरे में ले जाया गया और जबरदस्ती की गई. परिजनों से बात करने पर पता चला कि पीड़िता के शरीर में नाखून मारने के, दांत से काटने और चोट के निशान हैं. कटकमदाग थाना प्रभारी ने कहा कि आवेदन प्राप्त हुआ है. आवेदन के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है.

बड़कागांव-हजारीबाग पथ पर टीपी 4 घाटी में घटना में दो घायल

ट्रक की टक्कर से ट्रैक्टर के परखचे उड़े, एक की हुई मौत

संवाददाता। बड़कागांव

बड़कागांव-हजारीबाग पथ पर टीपी 4 घाटी में गुरुवार को अहले सुबह विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक की चपेट में आने से ईंट लदे ट्रैक्टर के परखचे उड़ गये. इस घटना में ट्रैक्टर में सवार तीन लोग घायल हो गए. महुगाईकला निवासी तीनों घायलों मुन्ना कुमार, पिंटू कुमार, चखनू भुइयां को इलाज के लिए बड़कागांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां से मुन्ना कुमार को हजारीबाग रेफर कर दिया गया. हजारीबाग में भी इलाज के बाद स्थिति गंभीर होने के कारण उसे रांची रिम्स रेफर कर दिया गया, जहां ले जाने के दौरान उसकी मौत रास्ते में हो गई.

मौत की सूचना पाकर परिजन घटनास्थल पर पहुंचकर बड़कागांव-हजारीबाग पथ पर 13 माइल के पास सड़क को जाम कर दिया. घटना की सूचना पाकर बड़कागांव अंचलाधिकारी बालेश्वर राम, बड़कागांव थाना प्रभारी कुंदन कांत विमल, डाडीकला थाना प्रभारी पिंटू कुमार अपने-अपने दलबल के साथ पहुंचकर परिजनों को समझाने बुझाने का प्रयास किया. इसी बीच दूसरी ओर घटना की सूचना पाकर विधायक अंबा प्रसाद, पूर्व मंत्री योगेंद्र साव, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष संजय सिंह, बड़कागांव मुखिया संघ के अध्यक्ष रंजीत कुमार सहित कई लोग पहुंचे. विधायक अंबा प्रसाद, पूर्व मंत्री योगेंद्र साव एवं अंचलाधिकारी बालेश्वर राम के बीच वार्ता की गई. वार्ता के दौरान त्रिवेणी सैनिक कंपनी सहानुभूति के तौर पर एक लाख नकद मुआवजा, सरकारी प्रावधान के तहत आपदा राहत कोष से एक लाख एवं अन्य सरकारी नियमावली के तहत मृतक के परिजन को लाभ देने के अंचलाधिकारी के आश्वासन के बाद लगभग 2:00 बजे सड़क से जाम हटा. वहीं थाना प्रभारी कुंदन कांत विमल द्वारा ट्रक एवं ट्रैक्टर को अपने कब्जे में लेकर बड़कागांव थाना लाया गया. इधर मृतक के पिता सोमवार साव द्वारा हजारीबाग सदर अस्पताल में पुलिस के समक्ष बयान देकर ट्रक के मालिक एवं चालक के विरुद्ध बयान देते हुए कार्रवाई की मांग की है. खाली ट्रक हजारीबाग की ओर से बड़कागांव आ रहा था, जबकि ट्रैक्टर महुगाईकला से ईंट लाद कर हजारीबाग जा रहा था. ट्रैक्टर महुगाईकला निवासी दीपक साव का बताया गया.

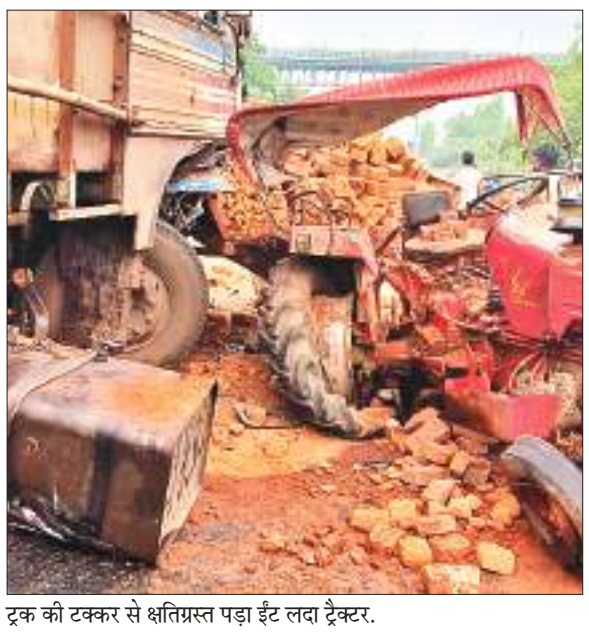

ट्रक की टक्कर से क्षतिग्रस्त पड़ा ईंट लदा ट्रैक्टर.

खास बातें

- परिजनों ने 13 माइल के पास सड़क को कर दिया जाम
- अंचलाधिकारी के आश्वासन पर माने लोग, खुली सड़क

सेटरिंग कर रहे मजदूर की गिरने से हुई मौत

हजारीबाग। मुफ्फसिल थाना अंतर्गत सेटरिंग का काम कर रहे एक मजदूर के गिरने से मौत का मामला सामने आया है. बताया जाता है कि मुफस्सिल थाना के पुंदरी मेरु में एक घर के दूसरा तल्ले की ढलाई के लिए सेटरिंग का काम दिनेश्वर प्रसाद (45) कर रहा था. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार इस दौरान दिनेश्वर ऊपर से नीचे गिर गया. इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया. बताया जाता है कि उसके पास कोई सुरक्षा उपकरण नहीं था. आनन फानन में उसे हजारीबाग मेडिकल कालेज अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

समन्वय समाधान दल गोड्डा जिले के लिए रवाना

रामगढ़। भारतीय सेना कारगिल विजय दिवस पर भूतपूर्व सैनिकों और वीर नारियों की समस्या का समाधान करेगी. इसी उद्देश्य से गुरुवार को पंजाब रेजिमेंटल सेंटर से गोड्डा जिले के लिए समन्वय समाधान दल को रवाना किया गया. ब्रिगेडियर संजय कांडपाल ने इस दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया है. बताया कि जे एंड बी सब एरिया की देखरेख में पंजाब रेजिमेंटल सेंटर के द्वारा भूतपूर्व सैनिकों, वीर नारियों के कल्याण व उनके आश्रितों के लिए समन्वय समाधान दल के रूप में नामित सदस्य गोड्डा जिले के पूर्व सैनिकों तक पहुंचेगी. 4 जुलाई को गोड्डा जिले के सभी भूतपूर्व सैनिक, वीरनारी, विधवाओं की शिकायत एवं समस्याओं का निवारण किया जाएगा. भूतपूर्व सैनिकों और वीर नारियों के लिए सेवानिवृत्त के बाद मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी दी जाएगी.

एसपी ने किया आठ दारोगा आठ जमादारों का तबादला

- जिले में बेहतर पुलिसिंग के लिए पुलिस अधीक्षक ने जारी किया आदेश

संवाददाता। हजारीबाग

जिले में बेहतर पुलिसिंग के लिए पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने जिले में आठ दारोगा और आठ जमादारों को एक थाने से दूसरे थाने में पदस्थापन करने का आदेश जारी किया है. आदेश के अनुसार सभी पुलिस पदाधिकारियों को 24 घंटे के अंदर पदस्थापन किए गए थानों में योगदान देने की बात कही गई है. इसमें दारोगा श्रवण कुमार को बरही से साइबर थाना, अभय नंदन को सदर थाना से चरही, रंजन सिंह को पुलिस केंद्र से मुफ्फसिल थाना, मो इबरार को कटकमदग से सीसीआर, सत्यम को लोहसिंघना से मुफ्फसिल थाना, सुभाष मल्लिक को कटकमदाग से चौपारण थाना, मो इकबाल हुसैन को सदर से चलकुसा और मदन मुंडा को चौपारण से पब्लिक हेल्प लाइन स्थानांतरित किया गया है. इसके अलावे आठ जमादारों को भी एक थाना से दूसरे थानों में भेजा गया है. इनमें दिनेश कुमार को चुरचू से गोरहर थाना, रंजीत कुमार को दारू से चरही थाना, सचिदानंद रॉय को चौपारण से इचाक थाना, लक्ष्मण तिवारी को सीसीआर से कटकमदाग थाना, देवेंद्र कुमार सिंह को कटकमसांडी से बरही और संजय कुमार को बड़कागांव से ट्रैफिक में रमेश कुमार को पब्लिक हेल्प लाइन से कटकमदाग राज कुमार सिंह को गोरहर से अंगो थाना भेजा गया है.

प्रांतीय खो-खो प्रतियोगिता में सरस्वती विद्या मंदिर बना उप विजेता

संवाददाता। रामगढ़

प्रांतीय खो-खो प्रतियोगिता की उप विजेता सरस्वती विद्या मंदिर की छात्राएं.

विद्या विकास समिति, झारखंड द्वारा शिशु विद्या मंदिर, कुम्हारटोली, हजारीबाग में आयोजित 35वीं प्रांतीय कबड्डी एवं खो - खो प्रतियोगिता में रजरप्पा कोयलांचल स्थित सरस्वती विद्या मंदिर की बहनें शानदार खेल का प्रदर्शन कर उपविजेता बनने में सफल हुईं. इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए खेल आचार्य अक्षय कुमार सिंह एवं ममता कुमारी के नेतृत्व में 10 बहनें-परी कुमारी, करिश्मा कुमारी, प्रिया कुमारी, माही कुमारी, खुशी कुमारी, शबनम कुमारी, अन्नू कुमारी, रिया कुमारी,अंशु कुमारी व सोनम कुमारी हजारीबाग गई हुई थीं. बहनों की इस उपलब्धि पर विद्यालय के अध्यक्ष उपेंद्र नारायण प्रसाद, उपाध्यक्ष चंद्रशेखर चौधरी, प्राचार्य उमेश प्रसाद, कोषाध्यक्ष आशीष झा सहित समिति के सभी सदस्य एवं आचार्य, दीदी जी ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी. आगे होने वाली प्रतियोगिता में खिताब जीतकर आने को लेकर प्रोत्साहित किया. मौके पर विद्यालय के तमाम शिक्षकों अलावे छात्र छात्राएं मौजूद थीं.

अखिल भारतीय सेवा संस्थान के मंत्री ने ग्राहकों को किया सचेत

दूध में मिलाया जा रहा जहर: शिवाजी

संवाददाता। हजारीबाग

अखिल भारतीय सेवा संस्थान के मंत्री शिवाजी ने बार भवन सभागार में आयोजित एक बैठक को संबोधित करते हुए ग्राहक के साथ हो रहे धोखा और लाभ के लिए दूध में मिलाये जा रहे धीमा जहर की विस्तार से जानकारी दी. बताया कि जीवन के साथ और जीवन के बाद भी आदमी ग्राहक हैं ऐसे में हम सभी को ग्राहक हित और परिवार हित को समझना होगा. बताया कि दूध में ही जहर मिलाया जा रहा है तो अन्य वस्तुओं में क्या होता होगा इसको हम समझ सकते हैं. एफसीसीआई के जारी प्रमाणपत्रों का ब्योरा दिया और कहा कि अब नहीं चेते तो बहुत देर हो जाएगी. इससे पूर्व शिवाजी का प्रदेश सह सचिव अरविंद राणा, जिला संयोजक बब्लु कुमार ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया. बार भवन में बैठक के दौरान शिवाजी ने अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के विचार, उद्देश्य और देश भर में अबतक किए गए कार्यों की जानकारी दी. बताया कि उपभोक्ता मामले से लेकर वर्तमान समय में युवाओं को दिग्भ्रमित करने के लिए ऑनलाइन गेम जैसे विषयों पर करते आ रही है. जुलाई माह में रेलवे से जुड़े 110 से अधिक जन समस्या, सुविधा आदि विषयों पर आंदोलन करेगी और 15 पदाधिकारियों को देश भर से पत्र भेजकर इस दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करेगी. बैठक में मंच का संचालन प्रदेश सह सचिव अरविंद राणा तथा धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव सहाय ने की. बैठक में ब्रजेश कुमार, शुत्रध्न पांडेय, दयानंद गुप्ता, संतोष यादव, अजय कुमार साव, कटकमसांडी खुटरा पंसस प्रदीप मिश्रा, गिद्दी से राजेश सिंह, रौशन राम, भुरकुंडा से रौशन कुमार, इचाक से अधिवक्ता सौरभ कुमार, टाटीझरिया से अधिवक्ता संजय रविदास, कटकमदाग से अधिवक्ता योगेंद्र राणा, सदर प्रखंड से अधिवक्ता मनोज राणा, भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश मंत्री सह बार कार्यकारिणी सदस्य मनमीत अकेला, स्वर्ण जयंती वर्ष समारोह के जिला संयोजक बब्लु कुमार आदि मौजूद थे.

बार भवन सभागार में बैठक का आयोजन किया गया.

चोरदहा से पांडेयबारा तक हैं कई अवैध संचालित नर्सिंग होम, बीते दिनों की गई थी छापामारी

अल्ट्रासाउंड केंद्रों में जांच हुई, पर करवाई नहीं

संवाददाता। चौपारण

उपायुक्त हजारीबाग नैंसी सहाय के आदेशानुसार चौपारण प्रखंड में संचालित दर्जन भर अवैध अल्ट्रासाउंड क्लीनिकों की जांच की गई, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई. बता दें कि बीते दिनों अंचलाधिकारी सह प्रभारी सीडीपीओ संजय कुमार यादव के नेतृत्व में प्रखंड चिकित्सा प्रभारी डॉ भुनेश्वर गोप द्वारा दो क्लिनिक सह अल्ट्रासाउंड संचालन केंद्र में छापेमारी की गई. जांचोपरांत बताया गया कि शुरुआती जांच में मां सेवा सदन का वैध संचालन संदेह के घेरे में प्रतीत होता है. क्योंकि जांच टीम के पहुंचते ही संचालक फरार हो गया.

क्लीनिक में एक महिला मरीज भर्ती थी, जिसका ऑपरेशन किया गया था. वहीं उन्होंने कहा कि बहुत जल्द और भी कई क्लीनिकों में औचक छापेमारी की जाएगी. अब सवाल ये उठता है कि आखिर इतने दिनों से चौपारण में दर्जन भर अल्ट्रासाउंड केंद्र किसके संरक्षण में चल रहे हैं और जांच के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति क्यों की जा रही है?

बता दें एक अल्ट्रासाउंड संचालक ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि सभी अल्ट्रासाउंड संचालक द्वारा महीने की तय राशि संबंधित अधिकारियों के नाम से वसूल कर पहुंचायी जाती है. इससे बेखौफ होकर अल्ट्रासाउंड सेंटर चलाया जाता है और कभी जांच का आदेश आता भी है, तो हमलोगों को पहले ही सूचना मिल जाती है. सूत्रों से यह भी पता चला है कि सरकारी अस्पताल से ज्यादातर गर्भवती महिलाओं को अल्ट्रासाउंड कराने के लिए कहा जाता है, जिसमें एएनएम और साहिया की मुख्य भूमिका रहती है. बताया गया कि हर अल्ट्रासाउंड पर कमीशन के तौर पर दो से तीन सौ रुपये तक दिये जाते हैं और दवा लेने पर अलग से जो जितना अधिक दवा खरीदवा सके. बता दें कि चौपारण के सरकारी अस्पताल के आसपास से लेकर पांडेयबारा तक कई नर्सिंग होम अवैध तरीके से संचालित हैं, जिनके पास न तो किसी तरह का लाइसेंस है न ही ट्रेंड नर्स है. इन केंद्रों पर भ्रूण जांच और हत्या की शिकायत अकसर सामने आती रहती है.

शुरुआती जांच में एक अल्ट्रासाउंड केंद्र का संचालन संदिग्ध पाया गया था.

खास बातें

- एक संचालक बोला, अफसरों को हर माह दी जाती है राशि
- कई अल्ट्रासाउंड केंद्रों के पास न लाइसेंस न ट्रेंड नर्स

धर्म-कर्म चतरा के मयूरहंड से आए कथावाचक दिलीप पांडेय ने सती अनुसूइया की कथा सुनाई

धनंजय शास्त्री से देवी भागवत कथा सुनकर भावविभोर हुए श्रद्धालु

संवाददाता। हजारीबाग

ओकनी बड़ा शिव मंदिर प्रांगण में गुरुवार की सुबह से ही यज्ञ मंडप में परिक्रमा के लिए महिला-पुरुष श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही. वहीं बुधवार की देर शाम देवी भागवत कथा से श्रद्धालु भक्तिरस से सराबोर रहे. बिहार के बक्सर से पधारे प्रवचनकर्ता विद्वान धनंजय शास्त्री ने भक्तों को देवी भागवत कथा के महात्म्य से अवगत कराया.

वहीं चतरा के मयूरहंड से आए कथावाचक विद्वान पं. दिलीप पांडेय ने सती अनुसूइया की कथा सुनाकर भक्तों को भावविभोर कर दिया. शुक्रवार की शाम भगवान विष्णु आधारित नारद मोह पर कथावाचन करेंगे. इससे पहले वाराणसी से पधारे यज्ञाचार्य अभिषेक शास्त्री ने विधिवत मंडप पूजन किया. यज्ञ में ब्रजेश श्रीवास्तव पत्नी निशा श्रीवास्तव, राजकुमार गिरि पत्नी अर्चना गिरि, अमित स्नेही पत्नी रिंकी स्नेही, विशाल वर्मा पत्नी रूपाली वर्मा और सुबोध राणा उर्फ गाजी पत्नी दिव्या राणा बतौर यजमान पूजा-अर्चना में भागीदारी निभा रहे हैं. इधर वैदिक मंत्रोच्चार, दोनों वक्त सुबह-संध्या महाआरती, घड़ी घंट की पावन ध्वनि, शिव-शक्ति के जयकारे, प्रसाद वितरण और प्रवचन से ओकनी मोहल्ला अध्यात्मनगरी में तब्दील है. यह धार्मिक अनुष्ठान 16 जुलाई तक होगा. समापन समारोह में रात्रि नौ बजे से जय मां अंबे जागरण मंडली के कलाकार भक्तगीतों से समां बांधेंगे.

खास बातें

- ओकनी बड़ा शिव मंदिर प्रांगण में यज्ञ मंडप परिक्रमा के लिए उमड़े भक्त
- वैदिक मंत्रोच्चार, महाआरती, प्रसाद वितरण और प्रवचन से पावन हुआ माहौल

ओकनी बड़ा शिव मंदिर प्रांगण में यज्ञ मंडप बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु उपस्थित रहे.

देशहित में जनसंख्या नियंत्रण कानून बेहद जरूरी : अर्चना महतो

संवाददाता। रामगढ़

जनसंख्या समाधान फाउंडेशन के तत्वावधान में गुरुवार को जिला समाहरणालय के समक्ष धरना दिया गया. धरना के उपरांत प्रधानमंत्री के नाम 11 सूत्री मांग पत्र डीसी को सौंपा गया. धरना को संबोधित करते हुए प्रदेश महासचिव अर्चना महतो ने कहा कि अंधाधुंध संतानोत्पत्ति करने की प्रवृत्ति पर जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाकर अंकुश लगाने में एक-एक पल की देरी भारत और भारतीय संस्कृति के लिए पूर्व की भांति ही विघटनकारी साबित हो सकती है.

मांग पत्र में कहा गया है कि सरकार जनसंख्या के उचित समाधान के लिए ऐसा कानून बनाए जिसमें भ्रम की स्थिति ना रहे और जाति, धर्म, क्षेत्र व भाषायी बंधनों से ऊपर उठकर कानून देश के सभी नागरिकों को पर समान रूप से लागू हो, सभी दंडात्मक प्रावधान कानून अधिसूचित होने की तिथि के 1 वर्ष के पश्चात कानून तोड़कर दूसरी जीवित संतान से अधिक बच्चे की उत्पत्ति करने वाले जैविक माता-पिता पर लागू हो, कानून बनने के पूर्व में उत्पन्न 2 से अधिक संतानों के मामले में किसी भी नागरिक पर किसी भी रूप में यह कानून लागू नहीं होगा, जनसंख्या समाधान विषयक कानून अधिसूचित होने की तिथि के एक वर्ष के पश्चात कानून तोड़कर दो से अधिक संतान उत्पन्न करने वाले दंपति को सरकारी सहायता एवं अनुदान आदि समाप्त किए जाने का प्रावधान कानून में किया जाए.

ब्रीफ खबरें

विषैले जंतु के काटने से महिला की मौत

मझिआंव । थाना अंतर्गत नगर पंचायत क्षेत्र के लोहरपुरवा निवासी उमेश विश्वकर्मा की पत्नी देवंती देवी की विषैला जंतु के काटने से मौत हो गई. जानकारी के अनुसार देवंती गुरुवार की सुबह फूल तोड़ने गई थी. उसी दौरान उनके पैर में किसी विषैले जंतु या सांप ने काट लिया. जिसके बाद वो घर पहुंची और बेहोश हो गई. जिसके बाद परिजन तुरंत स्थानीय रेफरल अस्पताल ले गये. जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल गढ़वा रेफर कर दिया गया. जानकारी के अनुसार गढ़वा ले जाने के दौरान ही महिला की मौत हो गई.

अधौरा गांव से ट्रांसफॉर्मर की चोरी

कांडी । थाना क्षेत्र के अधौरा गांव से बुधवार की रात चोरों ने ट्रांसफार्मर की चोरी कर ली. बीच गांव में हुई इस वारदात को लेकर लोग चोरों के दुस्साहस को लेकर स्तब्ध हैं. कांडी थाना क्षेत्र अंतर्गत शिवपुर पंचायत के अधौरा गांव के बीच में स्थित स्वास्थ्य उपकेंद्र के भवन के पीछे लगे ट्रांसफार्मर की चोरों ने चोरी कर लिया. मौके पर डबल खंभे के ऊपर लगे 16 केवी के ट्रांसफार्मर का ढक्कन खोलकर उसमें से ट्रांसफार्मर निकालकर गांव से करीब 500 गज की दूरी पर महुआ पेड़ के नीचे ले जाकर शेष सामान को खोलकर फेंक दिया है.

चौकीदार बहाली मामले में सांसद को सौंपा ज्ञापन

मेदिनीनगर। चौकीदार बहाली को लेकर आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति के सदस्यों ने गुरुवार को सांसद बीडी राम को ज्ञापन सौंपा और आरक्षण शून्य करने पर विरोध दर्ज कराया. ज्ञापन के माध्यम से अनुसूचित जाति को भी आरक्षण का लाभ देने की मांग की गई है. उपायुक्त कार्यालय द्वारा जारी विज्ञापन में 155 पद चौकीदार की भर्ती के लिए निकाली गयी है, परंतु जो अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्र है, लेकिन अनुसूचित जाति के लिए उपरोक्त पद के लिए आरक्षण शून्य दिखाया गया है और बाकि कैटेगरी को कैटेगरी वाइज आरक्षण दे दिया गया है.

एक्स. ट्रेनों के ठहराव को लेकर सौंपा ज्ञापन

विश्रामपुर/पलामू । राजहारा रेलवे स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों की ठहराव को लेकर स्थानीय लोगों द्वारा पलामू प्रमंडलिय आयुक्त को ज्ञापन सौंपा. साथ ही लोगों ने आयुक्त के समक्ष बताया कि राजहारा रेलवे स्टेशन के आस पास के ग्रामीणों के लिए आवागमन का एक मात्र साधन रेल सेवा ही है. इस मार्ग से सभी ट्रेनें गुजरती है, लेकिन लोकल ट्रेनों को छोड़कर कोई भी एक्सप्रेस ट्रेन का राजहारा रेलवे स्टेशन पर ठहराव नहीं है, जबकि यह रेलवे स्टेशन राजस्व दृष्टि से पलामू जिला में सभी स्टेशनों में अव्वल है.

डॉ सुलामी होरो व अन्य कर्मी हुए सम्मानित

कुडू/लोहरदगा । सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुडू के द्वारा परिवार नियोजन में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सीएचसी प्रभारी डॉ सुलामी होरो को विश्व जनसंख्या दिवस पर सदर अस्पताल लोहरदगा में आयोजित कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ राजमोहन खलखो द्वारा सम्मानित किया गया. इनके अलावा सीएचसी कुडू में पदस्थापित तत्कालीन चिकित्सक डॉ मरसा टोपनो को सबसे अधिक बंध्याकरण करने एवं प्रसव उपरांत कॉपर टी के लिए एएनएम रौशनी टोप्पो तथा सुनीता तिग्गा एवं बसंती कुमारी को उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मानित किया गया.

होटल एआर ताज में मुस्लिम यूथ वेलफेयर सोसायटी का चुनाव संपन्न

अब्दुल मोहेमिन बने अध्यक्ष व सज्जाद बनाए गए सचिव

संवाददाता । लोहरदगा

मुस्लिम यूथ वेलफेयर सोसायटी के चुनाव का परिणाम के बाद हर्षित मुद्रा में समर्थक.

बुधवार रात मुस्लिम यूथ वेल्फेयर सोसायटी की एक महत्वपूर्ण बैठक होटल एआर ताज आमला टोली में सैयद वसीम की अध्यक्षता में आयोजित हुई. जिसमें सर्वसहमति से जिला कमेटी का चुनाव किया गया. जिसमें अध्यक्ष पद हेतु अब्दुल मोहेमिन उर्फ बब्बन को चुना गया. जबकि सचिव पद में सज्जाद खलीफा, नायब सदर अराफात आलम एवं ज्वाइंट सेक्रेटरी के रूप में हैदर अली को बनाया गया.

उसी तरह खजांची के पद पर नसीम अंसारी व मीडिया प्रभारी पद के लिए तुफैल अंसारी को बनाया गया. इसके साथ ही रक्तदान इंचार्ज के रूप में जीशान खान को बनाया गया. इस बीच चुनाव कन्वीनर तारिक अनवर के द्वारा सभी पदाधिकारियों को सर्टिफिकेट दिया गया. साथ ही मुस्लिम यूथ वेल्फेयर सोसायटी के सरपरस्ती के लिए 27 एक्टिव मेंबर की टीम बनाई गयी है. जिसमें तारिक अनवर, सामी खान, सैयद वसीम, जाहिद आलम, अकबर हुसैन, आबिद अंसारी, उबैदुला गोलू, इरफान आलम, सुडडू, फिरोज अंसारी बब्लू, मेराज अंसारी, वारिश अली, तुफैल अंसारी, रबील खान, पिक्कू खान, मोहम्मद मुस्ताक, रिंकू कुरैशी, जमशेद खान, मुस्लिम खान, सैयद जावेद चिंटू, नसीम अंसारी, मोजिब अंसारी, जफर अली, रेहान अली, जसीम अंसारी, इरफान खान, असलम अंसारी शामिल हैं. तत्पश्चात मुस्लिम यूथ वेल्फेयर सोसायटी के अध्यक्ष और सचिव ने ये शपथ लिया की रक्तदान, शिक्षा एवं जरूरतमंदों की हर तरह की मदद किया जाएगा. मौके पर सोसायटी के तमाम मेंबरान एवं अंजुमन इस्लामिया के सदर अब्दुल रउफ अंसारी व सेक्रेटरी सैयद शाहिद अहमद बेलू मौजूद थे.

अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष शाहिद अंसारी बोले

मंत्री ने मुसलमानों को झुनझुना बजाने का रोजगार दे ही दिया

संवाददाता । लोहरदगा

आजसू पार्टी के अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष शाहिद अंसारी ने लोहरदगा के स्थानीय विधायक सह मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव द्वारा जिला के विभिन्न प्रखंडों में घूम-घूम कर अल्पसंख्यकों के बीच ताशा और झुनझुना वितरण पर कड़ा विरोध जताया है. उन्होंने कहा कि विधायक जी ने शायद मुसलमानों को इसी काबिल समझा. उन्होंने कहा कि विधायक को लगता है कि मुसलमान झुनझुना बजाकर खुश हो जाएंगे और चार महीना बाद आने वाले विधानसभा चुनाव में फिर से अपना कीमती वोट देकर मुझे विजयी बना ही देंगे. अल्पसंख्यक समुदाय के मतदाता आखिर करें भी तो क्या करें, उनपर ना तो दूसरी पार्टी के लोग भरोसा करते हैं और ना ही दूसरी पार्टी पर अल्पसंख्यकों को भी भरोसा है.अंसारी ने कहा कि इतिहास गवाह है कि आजसू पार्टी के नेता कमल किशोर भगत को लोहरदगा का विधायक बनाने में अल्पसंख्यक समुदाय का महत्वपूर्ण योगदान रहा था और कमल किशोर भगत को भी इस बात का एहसास था, यही कारण है कि उन्होंने लोहरदगा क्षेत्र और हर समाज के लोगों का विकास करते हुए अल्पसंख्यक समाज के विकास के लिए भी कई सराहनीय कदम उठाए थे.

अनिल कुमार भगत मिले लोहरदगा जिला के टाना भगतों से, कहा

टाना भगतों को न्याय दिलाने के लिए हमेशा तैयार रहूंगा

संवाददाता । लोहरदगा

झारखंड पीपुल्स पार्टी के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष अनिल कुमार भगत से बातचीत करते टाना भगत.

झारखंड पीपुल्स पार्टी के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह झारखंड आंदोलनकारी नेता पूर्व विधायक स्वर्गीय कमल किशोर भगत के छोटे भाई अनिल कुमार भगत विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर जनता के साथ सीधा संवाद स्थापित शुरू कर दिया है. इधर, अपने चुनावी दौरे के क्रम में लगातार अनिल कुमार भगत क्षेत्र की जनता से मुखातिब होते हुए उनकी समस्याओं से अवगत हो रहे हैं और सकारात्मक सोच के साथ समस्याओं का समाधान कराए जाने का जनता को भरोसा दे रहे हैं. इसी बीच अपने क्षेत्र भ्रमण कार्यक्रम के उपरांत झारखंड पीपुल्स पार्टी के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष अनिल कुमार भगत गुरुवार को लोहरदगा समाहरणालय मैदान में बैठक कर रणनीति तैयार करते जिले के टाना भगतों के साथ मुखातिब हुए और उनकी समस्याओं से अवगत होते हुए हर संभव सकारात्मक सोच के साथ समस्याओं का समाधान कराए जाने का भरोसा दिया. साथ ही उन्होंने चुनावी दौरा के क्रम में अति सुदूरवर्ती एवं घोर उग्रवाद प्रभावित पेशरार प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत रोरद के ओनेगड़ा, चांदगो, केकरांग सहित कई गांवों का दौरा किया और वहां के ग्रामीणों से रूबरू हुए. इस बीच अनिल कुमार भगत ने कहा कि लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र की जनता को शुरू से ही यहां के चुने हुए प्रतिनिधियों चुनावी लॉलीपाप थमाने का कार्य किया है.

विकास योजनाओं से अब भी पिछड़ा है इलाका : उन्होंने कहा कि लोहरदगा जिला राज्य का सबसे छोटा जिला होने के बाद भी विकास योजनाओं से अब भी पिछड़ा नजर आता है. अनिल कुमार भगत ने कहा कि लोहरदगा की जनता का स्नेह प्राप्त हुआ तो निश्चित रूप से क्षेत्र का सर्वांगीण विकास करने का कार्य किया जाएगा. इधर क्षेत्र भ्रमण कार्यक्रम के उपरांत अनिल कुमार भगत ने लोहरदगा जिला में बारिश शुरू नहीं होने से किसानों की समस्याओं को लेकर काफी गंभीर हुए और संबंधित विभागीय अधिकारियों से वार्तालाप कर किसानों के हित में कोई ठोस कदम उठाए जाने की मांग रखे जाने की बात कही. उन्होंने कहा कि पिछले साल भी लोहरदगा जिला में अच्छी बारिश नहीं होने से किसानों को कमर तोड़कर रख दिया था ऐसे में इस बार बारिश नहीं होने से खरीफ फसल बुआई में चिंता की लकीरें खींच डाला है जिससे यहां के किसान वर्ग काफी चिंतित हैं. उन्होंने कहा कि जनता की हर बुनियादी सुविधाएं मिले इसे लेकर हमेशा कृतसंकल्पित रहेंगे और शत-प्रतिशत जनता को स्वावलंबन बनाने का प्रयास किया जाएगा. मौके पर संजू सिंह, जेना टाना भगत, एतवा टाना भगत, शनि टाना भगत, विद्यासागर टाना भगत, दशरथ टाना भगत, सुरेश टाना भगत, सुनीता टाना भगत, गंगी टाना भगत, जुरा टाना भगत, बिफई टाना भगत, गांधी टाना भगत, बाल विनोद टाना भगत, सीताराम टाना भगत समेत अन्य लोग मौजूद थे.

शुद्ध पेयजल भी नसीब नहीं हो पा रहा है

उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं को दूर करने को लेकर सीधा संवाद स्थापित कर समस्याओं को सूचीबद्ध कर हर संभव सकारात्मक सोच के साथ निष्पादन कराए जाने का प्रयास किया जाएगा. उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों को आजादी के 75 साल बीत जाने के बाद भी शुद्ध पेयजल नहीं मिल पा रहा है. साथ ही कितने ऐसे गांव है जहां पर आज भी आवागमन हेतु सड़कें नहीं बन पाई है और तो और पठारी क्षेत्रों में बिजली की समुचित व्यवस्था भी बहुत से गांवों में नहीं पहुंच पाया है. इससे यह स्पष्ट प्रतीत होता है कि यहां के लोगों को आजादी के बाद से ही वोट बटोरने के बाद चुने हुए जनप्रतिनिधियों ने ठगने का काम किया है.

परिवार नियोजन के लिए निर्धारित लक्ष्य को समय पर पूरा करें : सीएस

- जनसंख्या नियंत्रण के लिए सामाजिक जन जागरूकता जरूरी : किरण बाड़ा

संवाददाता । गुमला

जिला परिषद अध्यक्ष किरण बाड़ा ने विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर गुरुवार को गुमला सदर अस्पताल परिसर में परिवार नियोजन पखवाड़ा का शुभारंभ किया. उन्होंने बढ़े जनसंख्या से समाज में होने वाले दुष्परिणाम यथा गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, चिकित्सा सुविधा का अभाव आदि पर चर्चा करते हुए छोटा परिवार सुखी परिवार का संदेश दिया. कहा कि जनसंख्या नियंत्रण के लिए सामाजिक जन जागरूकता जरूरी है. उन्होंने चिकित्सा कर्मियों से परिवार नियोजन के प्रति लोगों को जागरूक करने और स्वास्थ्य विभाग से दिए गए लक्ष्य को हासिल करने का अनुरोध किया.

इस अवसर पर सिविल सर्जन डा. राजू कच्छप, एसीएमओ डा. पीके सिन्हा, डा. सुनील राम, डीएस डा. अनुपम किशोर, मनो चिकित्सक डा. सबीर अहमद, मो.युसूफ, विकास राठौर आदि ने अपने विचार व्यक्त किए और देश में बढ़ते जनसंख्या को रोकने के लिए परिवार नियोजन के महत्व और सुविधा आदि की जानकारी दिए. परिवार नियोजन पखवाड़ा 10 अगस्त तक चलेगा. इस अवधि में 125 पुरुष नसबंदी और 12 सौ महिला बंध्याकरण का लक्ष्य रखा गया है. इसके अतिरिक्त परिवार नियोजन के अन्य उपकरणों की सदर अस्पताल में निःशुल्क वितरण किया जा रहा है. निःशुल्क वितरण स्टाल का जिप अध्यक्ष ने फीता काटकर उद्घाटन किया. इस अवसर पर मधु कुंज की टीम ने गीत संगीत और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से परिवार नियोजन का संदेश दिया. अपने क्षेत्र में अच्छे कार्यों के लिए एएनएम को सम्मानित किया गया. डीपीएम जया रेशमा खाखा ने धन्यवाद ज्ञापन किया. कार्यक्रम का संचालन मुकेश कुमार सिंह ने किया.

वेंडर को राशि नहीं देने की मांग को लेकर बीडीओ से मिले लाभुक

मझिआंव । प्रखंड क्षेत्र के सोनपुरवा पंचायत की पूर्व मुखिया मधु दुबे गुरुवार को पशु शेड के दर्जनों लाभुकों के साथ प्रखंड कार्यालय पहुंची और बीडीओ सतीश भगत से कार्यालय कक्ष में मिली. इस दौरान पूर्व मुखिया एवं राम प्रवेश यादव, नागेंद यादव, जगदीप यादव, माया देवी, सत्येन्द्र चौधरी, महेंद्र चौधरी, सुरेन्द्र कुमार पासवान, विजय कुमार, संजय राम, सबिता देवी एवं अम्बिका रजक आदि लाभुकों ने संयुक्त रूप से कहा कि वर्ष 2021-22 में मनरेगा योजना से निर्मित हुए पशु शेड उनकी राशि भेंडर आनंद यादव के खाते में नहीं भेजकर किसी अन्य भेंडर के खाते में भेजकर राशि दिलाई जाए. पूर्व मुखिया ने बीडीओ को लिखित रूप से बताया कि उनके कार्यकाल में मनरेगा के 51 पशु शेड की स्वीकृति मिली थी. जिसमें पंचायत के भेंडर आनंद यादव ने 20 लाभुकों को कुछ ही समान देकर कहा कि आप लोग बना लीजिये. बीडीओ ने कहा गया कि इनका कार्य पूर्ण करा दीजिये.

अकाल के संकेत से किसानों के माथे से टपक रहा है चिंता का पसीना

जिले में मॉनसून नहीं आने से किसान चिंतित

हुसैन अंसारी । लोहरदगा

लोहरदगा जिले में पिछले साल शत-प्रतिशत बारिश नहीं होने से किसानों की कमर को तोड़कर रख दिया था. बीते साल की तरह इस साल भी लोहरदगा जिला में बारिश की दगाबाज रवैया से किसानों के चेहरे पर चिंता की लकीरें खींच डाला है. यहां पर बारिश की हल्की-फुल्की शुरूआत बीते दिनों हुई थी जिससे किसान वर्ग अपने खेतों पर धान का बिचड़ा की बुआई कर दिए थे. इस बीच धान का बिचड़ा तैयार हो चुके किसानों के द्वारा धनरोपनी भी कर दिया गया है. लेकिन बीते साल की तरह इस साल भी लोहरदगा जिला में बारिश की रफ्तार नहीं पकड़ने से धान का बिचड़ा मरने के कगार पर आ पहुंचा है, जिससे किसानों को और भी चिंतित कर दिया है.

बता दें कि जिला के लोग ज्यादातर खेती कार्य पर निर्भर करते हैं, ऐसे में मानसून की रफ्तार धीमी होने के वजह से धीरे-धीरे खेतों में किसानों द्वारा लगाए गए धान का बिचड़ा मरने लगा है और खेत सूखने लगा है, अब ऐसे में जिले के किसान वर्ग इसे लेकर काफी चिंतित हैं. किसानों का कहना है कि पिछले साल की तरह इस बार भी अकाल के संकेत से हमारे समक्ष चिंता की लकीरें खींच डाली है. लोहरदगा के किसानों का कहना है कि जुलाई के महीने में 50 प्रतिशत धनरोपनी का कार्य कर लिया जाता था, लेकिन साल 2023 और इस साल महज 1 से 2 प्रतिशत ही धनरोपनी का कार्य हो पाया है, जिससे हम किस बांधों को बड़ी मुश्किलों में लाकर खड़ा कर डाला है. बहरहाल लोहरदगा जिले के किसानों को बीते साल कुदरत की मार का जख्म अभी भरे भी नहीं है कि इस साल भी कुदरत ने किसानों को चिंता में डाल दिया है.

जेएसपीएसी कर्मियों ने की थाना प्रभारी से मुलाकात

क्षेत्रवासियों को बेहतर पुलिसिंग प्रदान करेंगे : कुलदीप टोप्पो

संवाददाता । कुडू/लोहरदगा

आदिवासी छात्र संघ लोहरदगा के जिलाध्यक्ष अवधेश उरांव की अगुवाई में कुडू प्रखंड के अलग-अलग पंचायत में जेएसपीएस में कार्य करने वाले कर्मियों ने क्षेत्र में फैली विभिन्न प्रकार की कुरीतियों और समस्याओं को लेकर थानेदार कुलदीप राज टोप्पो से औपचारिक मुलाकात किया एवं क्षेत्र की जन समस्याओं को निदान अपने स्तर से किए जाने हेतु अपील किया. इस बीच कुडू थाना प्रभारी कुलदीप राज टोप्पो के समक्ष महिला हिंसा, नशाखोरी, युवा, बालिकाओं के साथ होने वाली छेड़छाड़ की घटना पर अंकुश लगाने, अपराधकर्मियों पर लगाम लगाने सहित कई अन्य बिंदुओं पर थाना प्रभारी को ध्यानाकर्षित कराते हुए ठोस कार्रवाई करने हेतु को लेकर बात रखी गई.

मौके पर थाना प्रभारी कुलदीप राज टोप्पो ने कहा कि आलाधिकारियों के निर्देशानुसार थाना क्षेत्र में जन सहभागिता सुनिश्चित करते हुए बेहतर पुलिसिंग दिया जाएगा. उन्होंने कहा कि क्षेत्र में महिलाओं के विरुद्ध जो भी घटनाएं घटित होती है उसपर विशेष रूप से त्वरित कार्रवाई करने का प्रयास किया जाएगा. मौके पर आदिवासी छात्र संघ कुडू प्रखंड अध्यक्ष अमित उरांव, आदिवासी छात्र संघ कुडू प्रखंड सचिव अनूप भगत जीजेसी लावागाईं के मीणा कुमारी, अनिमा एक्का, मीणा उरांव, पुपेन तिग्गा, प्यारी टोप्पो आदि मौजूद रहे.

एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

गढ़वा । डीसी शेखर जमुआर के निर्देश पर श्रम अधीक्षक एतवारी महतो के द्वारा गुरुवार को समाहरणालय के सभागार में झारखंड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार (नियोजन एवं सेवा शर्त विनियमन) अधिनियम, 1996 के अंतर्गत स्थापना का निबंधन के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में जिले के सभी कार्यपालक अभियंता, नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत मझिआंव तथा नगर उंटारी के कार्यपालक पदाधिकारियों ने भाग लिया. कार्यशाला में कई बिंदुओं सहित अन्य विषयों पर विस्तार से चर्चा किया गया. ठेका मजदूरी (विनियमन एवं उन्मूलन) अधिनियम 1970 की धारा 12(1) के तहत प्रत्येक संवेदकों/अभिकर्ताओं को सरकारी विभागों से कार्य आवंटन निर्गत होने के पश्चात संवेदकों को श्रम विभाग से लेबर लाइसेंस (ठेका अनुज्ञप्ति) लिया जाना है.

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर गुरुवार को डीडीसी बोले-

परिवार नियोजन से ही विकसित भारत को बढ़ावा मिलेगा

संवाददाता । लोहरदगा

विश्व जनसंख्या दिवस पर सम्मानित करते डीडीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत.

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर गुरुवार को विकसित भारत की नई पहचान परिवार नियोजन हर दंपती की शान कार्यक्रम सदर अस्पताल प्रांगण में आयोजित किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ उप-विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया.

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने कहा कि विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम के उद्देश्य को समझना जरूरी है. आज भारत की जनसंख्या में युवाओं की संख्या सबसे ज्यादा है लेकिन यही जनसंख्या जब वृद्ध होगी तो इनकी संख्या ज्यादा होगी. यह किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के लिए सही नहीं है. हमें देश की जनसंख्या को युवा रखना है तो जनसंख्या को नियंत्रित रखना होगा. बच्चों की संख्या दो ही रखें और उन्हें अच्छी तरह शिक्षित करें. उनके बेहतर स्वास्थ्य पर ध्यान दें. उनको एक बेहतर बचपन दें. उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने कहा कि एक मां जब बार-बार बच्चों को जन्म देती है तो उसे बहुत शारीरिक व मानसिक कष्ट झेलना पड़ता है.

आज परिवार नियोजन के कई स्थायी और अस्थायी तरीके हैं. परिवार नियोजन की जितनी जिम्मेवारी महिला की है उससे कहीं ज्यादा पुरुष की है. बच्चों में 2 से 3 साल का अंतर अवश्य रखना चाहिए. उन्होंने कहा कि हमें परिवार नियोजन के बारे ज्यादा से जानना चाहिए और दूसरों को भी बताना चाहिए.

इधर, कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ राजमोहन खलखो ने बताया कि विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर लोहरदगा जिला में परिवार कल्याण पखवाड़ा चलेगा. यहां पर गांव-गांव जाकर स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा परिवार नियोजन के बारे जानकारी दी जाएगी. इसमें परिवार नियोजन के कार्यक्रम, नियमित टीकाकरण के साथ-साथ किशोरियों को भी जागरूक किया जाएगा. साथ ही राज्य-स्तरीय टीम की ओर से आई ऊषा राय ने कहा कि राज्य के सभी जिलों में यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है.

सभी जिलों में सांख्यिकी आंकड़ों के संग्रह का कार्य चलेगा. जनसंख्या वृद्धि का नुकसान यह है कि बेरोजगारी, अशिक्षा, अस्वस्थता की समस्या बढ़ती है. इस बीच कार्यक्रम को बेहतर कार्य करने वाले चिकित्सकों, परिवार नियोजन अपनाने वाले दंपत्तियों को भी सम्मानित किया गया. उप विकास आयुक्त द्वारा अंत मे स्टॉल का अवलोकन भी किया गया. उक्त कार्यक्रम में सदर अस्पताल के डीपीएम एनएचएम नाजिश अख्तर, चिकित्सकगण, कर्मीगण, स्टाफ नर्स एवं अन्य कर्मी उपस्थित थे.

फरियाद झारखंड मुक्ति मोर्चा ने लगाया जनता दरबार, सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

जनता की समस्याओं का त्वरित निराकरण होगा : अहमद

- झामुमो जिलाध्यक्ष अहमद ने बताया कि ग्रामीणों की कुछ समस्याओं का ऑन द स्पॉट समाधान कराया गया है

संवाददाता । लोहरदगा

आयोजित जनता दरबार को संबोधित करते प्रखंड अध्यक्ष राजकिशोर राम.

झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला अध्यक्ष मोजम्मिल अहमद के निर्देशानुसार गुरुवार को जिले के सेन्हा प्रखंड अंतर्गत अलौदी के साके बड़का टोली ग्राम में झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष सह 20 सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के उपाध्यक्ष राजकिशोर राम के नेतृत्व में जनता दरबार का आयोजन किया गया. झामुमो के द्वारा आयोजित जनता दरबार में मुख्य रूप से जिप सदस्य सह महिला झामुमो की नेत्री राधा तिर्की, महिला झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष सुषमा उरांव, झामुमो सचिव जगसेनी दास गोस्वामी, अरविंद, संतोष, सुकरी, प्रदेशिया, बसंत, सुनील सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं और पुरुष उपस्थित हुए.

इधर, प्रखंड अध्यक्ष की देख-रेख में जनता दरबार में ग्रामीणों से विभिन्न समस्याओं को सुनी गई और उनसे आवेदन लिया गया. तत्पश्चात ग्रामीणों द्वारा प्राप्त आवेदनों की छंटनी करने के बाद प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, आपूर्ति पदाधिकारी, कृषि पदाधिकारी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा प्रभारी को एक प्रतिनिधि ने सूचीबद्ध कर आवेदन को सुपुर्द किया. झामुमो जिलाध्यक्ष अहमद ने बताया कि ग्रामीणों की कुछ समस्याओं का ऑन द स्पॉट समाधान कराया गया है. उन्होंने यह भी बताया कि ग्रामीणों के आवेदनों की सुनवाई के बाद मामले की जानकारी भी समिति द्वारा मांगी जाएगी. ताकि आवेदन की कार्रवाई के बारे में आवेदकों को जानकारी दी जा सके. वहीं जनता दरबार कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रखंड अध्यक्ष सह 20 सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के उपाध्यक्ष राजकिशोर राम ने बताया कि जिलाध्यक्ष के आदेशानुसार झामुमो द्वारा इसी तरह से जनता दरबार प्रखंड के हर-एक पंचायत और प्रखंड स्तरीय जनता दरबार लगाकर जनता की समस्याओं को सूचीबद्ध कर त्वरित समाधान कराया जाएगा. उन्होंने कहा कि जनता दरबार लगाए जाने का मुख्य उद्देश्य यह है कि झारखंड सरकार द्वारा चलाई जा रही महत्वाकांक्षी व जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी और फौरी तौर पर निपटारा कराए जाने का कार्य किया जाएगा.

विश्व जनसंख्या दिवस : पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण कार्यक्रम की शुरूआत

संवाददाता । लोहरदगा

पौधरोपण करते मुख्य अतिथि व अन्य.

विश्व जनसंख्या दिवस के उपलक्ष्य पर सदर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर रामपुर में राजकीय कृत उच्च विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य द्वारा दीप प्रज्वलित कर एवं पौधरोपण कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई. इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कहा कि प्रत्येक वर्ष 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है. सरकार द्वारा इस कार्यक्रम को मनाने का मुख्य उद्देश्य विश्व स्तर पर बढ़ रहे जनसंख्या को नियंत्रण करना है. लोगों को इसके माध्यम से जागृत किया जाता है कि सरकार द्वारा जनसंख्या नियंत्रण के लिए कई तरह के स्थाई तथा अस्थाई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं. सभी लोग इस कार्यक्रम का लाभ उठाएं और आज जो विश्व में भारत, चीन को भी मात देकर जनसंख्या के स्तर पर प्रथम स्थान पर है उसे हम सभी को मिलकर नियंत्रित करना है. उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के कर्मी गांव-गांव और टोला मुहल्ला के लोगों को जागृत कर इस तरह के कार्यक्रम की जानकारी देते हैं. ताकि लोग जागरूक बने और जनसंख्या नियंत्रण हेतु खुद में आत्मचिंतन करें.

इस अवसर पर सदर प्रखंड के लेखा प्रबंधक मोहम्मद जावेद हसन ने कहा कि प्रत्येक वर्ष यह कार्यक्रम व्यापक पैमाने पर होता है ताकि लोग जागृत हो और इस कार्यक्रम का लाभ उठाएं. प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक अमित प्रसाद ने भी लोगों को इस कार्यक्रम के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी. कार्यक्रम को बीडीएम नवीन प्रकाश, मनीष कुमार, आलोक कुमार आदि ने भी संबोधित किया.

झारखंड में सूखे की दस्तक

अत्यधिक वृष्टि, अल्पवृष्टि और अनावृष्टि का कुचक्र जलवायु में आ रहे बदलाव का नतीजा है. अब तक प्रकृति के इस प्रकोप के प्रति सजगता की साफ कमी दिखती है. यही कारण है कि देश के कुछ हिस्सों में सूखा और अकाल का अंदेशा गहराता रहता है. पिछले तीन सालों से झारखंड इस कुचक्र का शिकार है. बावजूद इसके ठोस कदम उठाने की पहल कम ही दिखती है. इस मौसम में वर्षा के रुख को देखते हुए किसान सहम गए हैं. फौरी तौर पर इस हालात से निपटने की तात्कालिक और दीर्घकालिक रणनीति बनाने की जरूरत है. झारखंड में इस बार मानसून के रूठने का खेल जारी है. 10 जुलाई तक मात्र 135.6 मिमी ही बारिश हुई है. कम बारिश को देखते हुए राज्य सरकार अलर्ट मोड की बात कर रही है. बीते साल के आंकड़ों पर गौर करें तो साल 2023 में राज्य सरकार ने 17 जिलों के 158 ब्लॉकों को सूखा ग्रस्त घोषित किया था. सरकार का लक्ष्य 16.13 लाख हेक्टेयर में धान लगाने का था, लेकिन मात्र 2.82 लाख हेक्टेयर में धान की बुआई हो पाई थी. राज्य के सिर्फ 4 जिलों में सामान्य बारिश दर्ज की गई थी, जबकि 19 जिलों में सामान्य से कम बारिश दर्ज की गई थी. पूरे राज्य में लगभग 15 लाख किसान इससे प्रभावित हुए थे. यही नहीं, साल 2022 में भी राज्य के 22 जिलों के 260 ब्लॉकों में से 226 को सूखा प्रभावित घोषित किया गया था. इस साल अब तक 53 मिमी कम बारिश होने के कारण परेशानी बढ़ गयी है. अब तक 265.6 मिमी बारिश होनी चाहिए थी. सूचना के अनुसार अब तक राज्य में 18 लाख हेक्टेयर की तुलना में मात्र 58 हजार हेक्टेयर में ही धान के बीज लगाने गए है. इसमें करीब 55 हजार हेक्टेयर में छींटा विधि यानी सूखे खेत की जुताई करके धान का छिड़काव किया गया है. कम बारिश की स्थिति में भी इसमें कम से कम कुछ तो पैदावार होती है. राज्य के अधिसंख्य जिलों में 20 जुलाई के बाद रोपा शुरू हो जाता है. ऐसे में सवाल उठता है कि क्या इस साल यानी लगातार तीसरे साल राज्य सूखे की चपेट में रहेगा? कम बारिश का असर धान के अलावा अन्य फसलों पर भी पडेगा. अल्पवृष्टि का यह दुष्चक्र क्या प्रकृति प्रदत्त है या मानव सृजित. इस सवाल का उत्तर वैज्ञानिक तरीके से तलाश करने की जरूरत है. झारखंड के इस हालात के निर्माण की पृष्ठभूमि एक दिन में तैयार नहीं हुई है. झारखंड में वर्षा जल के संग्रहण और संकट के समय उसके उपयोग की स्थायी इंतजाम नहीं के बराबर है. कुछ साल पहले राज्य में डोभा बनाने की एक महत्वाकांक्षी योजना मनरेगा के माध्यम से चलायी गयी थी, लेकिन उसका अंजाम क्या हुआ, इसकी ठोस तरीके से जांच करने की जरूरत है. पर्यावरणवादी मानते हैं कि झारखंड में इस संकट का कारण मानवीय गलतियां है. जंगलों के साथ जिस तरह के खिलवाड़ हुए हैं, उससे सबक नहीं सीखा गया है. पर्यारवरण विशेषज्ञ चेतावनी देते आए हैं कि समय रहते जलवायु संकट से निपटने की रणनीति सरकारों को बना लेनी चाहिए. दुनिया के अनेक हिस्सों में इस परिवर्तन की तबाही का मंजर दिखने लगा है.

> सूचना के अनुसार अब तक राज्य में 18 लाख हेक्टेयर की तुलना में मात्र 58 हजार हेक्टेयर में ही धान के बीज लगाने गए है. इसमें करीब 55 हजार हेक्टेयर में छींटा विधि यानी सूखे खेत की जुताई करके धान का छिड़काव किया गया है.

सुभाषित

अहो दुर्जनसंसर्गात् मानहानिः पदे पदे।
पावको लौहसंगेन मुद्गरैरभिताड्यते॥

दुष्ट के संग रहने पर कदम कदम पर अपमान होता है। पावक (अग्नि) जब लोहे के साथ होता है तो उसे घन से पीटा जाता है. इसलिए दुष्टों यानी बुरे लोगों की संगति नहीं करनी चाहिए, ताकि अपमान और मानहानि का सामना नहीं करना पड़े.

भारत और भारतीयता की पहचान

भारतीय आत्मा और इसकी पहचान के चिंतन, शिल्प, परंपरा और वाड्मय को शब्दों में परिभाषित करने में भले ही कठिनाई महसूस हो, लेकिन इसे साहित्य के द्वारा सहज ही समझा जा सकता है. वह साहित्य जो वैदिक ऋषियों विश्वामित्र, भारद्वाज, भृगुओं एवं वशिष्ठ के माध्यम से होता हुआ वाल्मीकि, व्यास, याज्ञवल्क्य, धौम्य, सूत तक अविच्छिन्न प्रवाहित होता रहा. वहीं सतत प्रवाहित परंपरा का दर्शन कालीदास, शंकराचार्य, रामानुज, चैतन्य, तुलसी, सूर आदि कवियों एवं दार्शनिकों के जीवन और काव्य में प्रवाहित हुआ.

• देश-काल

डॉ. मयंक मुरारी

भारतीय जनमानस में भारत की पहचान की अवधारणा इसके भौगोलिक सत्ता, इसके राजनीतिक शक्ति, अधिकार के विस्तार और विशेष ऐतिहासिक परंपरा में न खोजता है और न ही इसे स्वीकार करता है. भारत भूगोल से ज्यादा एक सतत प्रवाहमान परंपरा है, जो जीवन दर्शन और मूल्यों से खुद को प्रकट करता है. भारतीय सभ्यता हजारों साल के संघर्ष और प्रहारों के बीच भी अक्षुण्ण रहा तो सिर्फ इसलिए कि हमारी जीवन के बीज, आत्मा रूपी परमतत्व समय के विभिन्न अंतरालों पर खुद को प्रकट, परिभाषित और पुनर्स्थापित करते रहे हैं. भारत की पूरी विचार परंपरा को गोस्वामी तुलसीदास ने अपने रामचरित मानस ग्रंथ में नाना पुराण निगमागम सम्मतम् कह कर पुकारा है. निगम, आगम और पुराण वे ग्रंथ और पोथियां हैं, जिनमें भारतीय परंपरा का बीज और विस्तार की संभावना का विशद उल्लेख मिलता है. यह परंपरा सनातन है, शाश्वत है और सशक्त है.

निगम, आगम और कथाओं में भारत की पूरी विचार परंपरा का मर्म छिपा है. इन ग्रंथों में भारतीय जीवन के मर्म का वर्णन है. निगम के अंतर्गत चारों वेद, समस्त ब्राह्मण, अरण्यक और उपनिषद साहित्य आते हैं. आगम में हमारी परंपरा के वे तंत्र ग्रंथ आते हैं, जो वैदिक साहित्य और परंपरा से अलग होते हैं. इनमें समस्त जैन और बौद्ध ग्रंथ आते हैं. निगम कर्म, ज्ञान और उपासना के स्वरूप को उजागर करता है तो आगम में इनकी साधना का वर्णन मिलता है. इस प्रकार विभिन्न मतों में पूजा और उपासना के तरीके तंत्रशास्त्र के साथ आगम में माने जाते हैं. इनके अलावा भारत में एक समृद्ध कथा परंपरा रही है, जिसमें रामायण, महाभारत, पुराण, जातक कथाएं आती हैं. इन कथाओं में भारतीय दर्शन का बीज और विस्तार का वर्णन है. इन निगम, आगम और कथाओं में भारत की विचारधारा, जीवन-दर्शन, व्यक्तित्व का इतिहास लिखा है. निगम को वैदिक और आगम को वैदिकेतर परंपरा कहा गया. इसे ब्राह्मण और श्रमण परंपरा के नाम से भी कहा जाता है. भारत का संपूर्ण दर्शन इन्हीं तीन परंपराओं से निखरकर विकसित हुआ है और इनसे ही संपूर्ण धर्म, दर्शन और मत तथा संप्रदाय परंपरा इन्हीं से जीवन की शक्ति को प्राप्त करती है. इन आगम निगम पुराणों रूपी पोथियों में ही संरक्षित नहीं रहे, बल्कि यह आत्मजागरण के माध्यम से समूचे भारतीय जनमानस में प्रवहमान रहा.

जिस भारतवर्ष रूपी भौगोलिक सत्ता में हम वास करते हैं, वह राष्ट्र है, उसे महापृथ्वी कहा गया है. वह मातृभूमि भी है. भारत का विचार हमारे चिंतन में पृथ्वी शब्द के साथ ही आया, जब हमने कहा कि माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः अर्थात् भूमि माता है और हम उसके पुत्र हैं. जिस समय यह माता और पुत्र का भाव जगा, हमने प्रणाम भाव से मातृभूमि को अपनी वंदना निवेदित की- नमो मात्रो पृथ्विये. नमो मात्रो पृथिव्यै. अर्थात् माता पृथ्वी को प्रणाम है, माता पृथ्वी को प्रणाम है. यह प्रणाम भाव ही भूमि और जन के बीच दृढ संबंध का परिचायक है. निगम ग्रंथों में वर्णित इसी बात को आगम ग्रंथ अंगुत्तर निकाय में महापृथ्वी के रूप में आया है. इसमें महात्मा बुद्ध ज्ञान प्राप्त करने के पूर्व उन्हें स्वप्न में इसका पूर्वाभास हो गया था. सपने में बुद्ध भारत देश पर लेटे हुए हैं, मानो वह कोई बड़ा बिस्तर हो. उनका सर हिमालय पर टिका है. बायां हाथ पूर्वी समुद्र महोदधि में तथा दाहिना हाथ पश्चिमी समुद्र रत्नाकर में तथा दोनों पैर हिंदमहासागर में दिखाया गया है. यह भारत के भूगोल का चित्रण है.

भारतीय आत्मा और इसकी पहचान के चिंतन, शिल्प, परंपरा और वाड्मय को शब्दों में परिभाषित करने में भले ही कठिनाई महसूस हो, लेकिन इसे साहित्य के द्वारा सहज ही समझा जा सकता है. वह साहित्य जो वैदिक ऋषियों विश्वामित्र, भारद्वाज, भृगुओं एवं वशिष्ठ के माध्यम से होता हुआ वाल्मीकि, व्यास, याज्ञवल्क्य, धौम्य, सूत तक अविच्छिन्न प्रवाहित होता रहा. वहीं सतत प्रवाहित परंपरा का दर्शन कालीदास, शंकराचार्य, रामानुज, चैतन्य, तुलसी, सूर आदि कवियों एवं दार्शनिकों के जीवन और काव्य में प्रवाहित हुआ. पुनः 19 वीं सदी के पुनर्जागरण काल में विवेकानंद, दयानंद, गांधी, अरविंद, तिलक के माध्यम से भारतीय आत्मा का पुनःप्रकटीकरण हुआ. भारत का संपूर्ण धर्म का बीज और आत्मा इन्हीं तीन परंपराओं के माध्यम से खुद को प्रकट किया. इस्लामिक आक्रमण के दौरान हमारे ये निगमागम और कथाएं अक्षुण्ण रहीं, लेकिन अंग्रेजों ने प्राणघट को पहचान कर इसपर प्रहार किया. इस कारण हम इन परंपराओं से दूर होते चले गये और आज अपनी ही कथाओं एवं विचारों पर सवाल उठाते हैं. वाल्मीकि, व्यास, सूत, शौनक और उसके बाद की परंपराओं ने भारतीय आत्मा को इन पौराणिक कथाओं के माध्यम से बचाने का प्रयास किया.

जब हम भारत की पहचान की खोज करते है, तो जंबूद्वीप में भारत को भुवनकोश में विश्वात्मा कहा गया है तो श्रीमदभागवद (5/16) में सप्तद्वीप नौ खंड के समवाय को भगवतो गुणमये स्थूल रूपः अर्थात् भगवान का स्थूल लीला-विग्रह कहा गया है. आगम और निगम से अलग कथाओं में इसका काफी रोचक वर्णन है. रामकृष्णदेव कहते है कि परमतत्व तो एक ही है. उसकी लंबी चौड़ी मूर्ति चाहिए तो पंडाल में स्थापित कर दो. जहां दुर्गा के दस भुजा बनाओ. छोटा चाहिए तो त्रिभंगी मुरलीधर बना दो. इससे भी छोटे की इच्छा है तो बालगोपाल का रूप दे दो. और सूक्ष्मतर चाहिए तो शालीग्राम का विग्रह ले लो. चाहे जो विग्रह लो, जिसका भी अर्चन करो, पुष्प चढ़ाओ. अंत में भावांजलि उसी परम को पहुंचेगा. इसी प्रकार भारतवर्ष की पहचान के लिए आगम, निगम और कथाओं को पढ़ें, हमें भारत का परिचय मिल जायेगा. निगम में बुद्धिजीवी की भूख मिलेगी, तो आगम में ज्ञान की खोज पूरी होगी. जन सामान्य के लिए कथाएं हैं-रामायण की, महाभारत और पुराणों की. जातक एवं लोक की समृद्ध कथा संसार में भारत का जीवंत परिचय मिलेगा. निगम साहित्य संस्कृत में तो आगम साहित्यों की समय सापेक्ष भाषाएं रहीं, जबकि लोक साहित्य लोकभाषा में होने के कारण ज्यादा स्वीकार किया गया.

(ये लेखक के अपने विचार हैं.)

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

अहिंसा और पर्यावरण

पर्यावरण आज विश्व की गम्भीर समस्या हो गई है. प्रकृति को बचाना अब हमारी ज्वलंत प्राथमिकता है. लेकिन प्राकृतिक सन्तुलन को विकृत करने में स्वयं मानव का ही हाथ है. पर्यावरण और प्रदूषण मानव की पैदा की हुई समस्या है. प्रारम्भ में पृथ्वी घने वनों से भरी थी, लेकिन जनसंख्या वृद्धि और मनुष्य के सुविधाभोगी मानस ने, बसाहट, खेती-बाडी आदि के लिए वनों की कटाई शुरू की. औद्योगिकीकरण के दौर में मानव नें पर्यावरण को पूरी तरह अनदेखा कर दिया. जीवों के आश्रय स्थल उजाड़ दिए गये. न केवल वन सम्पदा और जैव सम्पदा का विनाश किया, बल्कि मानव ने जल और वायु को भी प्रदूषित कर दिया. कभी ईंधन के नाम पर तो कभी इमारतों के नाम पर. कभी खेती के नाम पर, मानव प्राकृतिक संसाधनों का विनाशक दोहन करता रहा. वन सम्पदा में पशु-पक्षी आदि, प्राकृतिक सन्तुलन के अभिन्न अंग होते है. प्रकृति की एक समग्र जैव व्यवस्था होती है. उसमें मानव का स्वार्थपूर्ण दखल पूरी व्यवस्था को विचलित कर देता है. मनुष्य को कोई अधिकार नहीं प्रकृति की उस व्यवस्था को अपने स्वाद, सुविधा और सुन्दरता के लिए खण्डित कर दे. जीव-जन्तु हमारी ही भांति इस प्रकृति के आयोजन-नियोजन का अटूट हिस्सा होते हैं. वे पूरे सिस्टम को आधार प्रदान करते है. प्रकृति पर केवल मानव का मालिकाना हक़ नहीं है. मानव को समस्त प्रकृति के संरक्षण की शर्तों के साथ ही अतिरिक्त उपयोग बुद्धि मिली है. शर्तें और विधान, यह सुनिश्चित करते हैं कि सुख सभी को समान रूप से उपलब्ध रहे. इसीलिए विश्व के सभी धर्मों के प्रणेता व महापुरुष, हिंसा, क्रूरता, जीवों को अकारण कष्ट व पीड़ा देने को गुनाह कहते हैं. वे प्रकृति के संसाधनों के मर्यादित उपभोग की सलाह देते हैं. अपरिग्रह का उपदेश देते हैं. मन वचन काया से संयमित, अनुशासित रहने की प्रेरणा देते हैं. इसी भावना से वे प्राणी मात्र में अपनी आत्मा सम झलक देखते/दिखलाते हैं. जब वे कण-कण में भगवान होने की बात करते हैं तो अहिंसा का ही आशय होता है. सभी को सुख प्रदान करने के उद्देश्य से ही वे यह सूत्र देते हैं कि 'आत्मा सो परमात्मा' या हर जीव में परमात्मा का अंश होता है. यह भी कहा जाता है कि सभी को ईश्वर ने पैदा किया अतः सभी जीव ईश्वर की सन्तान हैं. इसीलिए जीव-जन्तु, पशु-पक्षियों के साथ दया, करुणा का व्यवहार करनें की शिक्षा दी जाती है. सारी बुराइयां किसी न किसी के लिए पीड़ादायक हिंसा बनती हैं. अतः सभी सद्गुणों को अहिंसा में समाहित किया जा सकता है. यही धर्म है. यही प्रकृति का धर्म है. यही सुनियोजित जीवन का विधान है. अर्थात्, अहिंसा पर्यावरण का संरक्षण विधान है.

राजनीति को चाहिए शालीन भाषा और आचरण

• विमर्श

विश्वनाथ सचदेव

हमारा भारत दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे पुराना जनतांत्रिक देश है. हमें किसी से जनतांत्रिक परंपराएं सीखने की आवश्यकता नहीं है. जनतंत्र की जड़ें बहुत गहरी हैं हमारे देश में, लेकिन इसके बावजूद कई बार ऐसा लगता है कि हमारे नेता या तो जनतांत्रिक परंपराओं को निभा नहीं रहे या फिर उन परंपराओं को समझ नहीं रहे. अब इन्हीं चुनाव की बात करें- मतदाता ने अपना निर्णय स्पष्ट कर दिया है. एनडीए गठबंधन सरकार बनाये और इंडिया गठबंधन विपक्ष का दायित्व निभाये. इसके बाद कोई भ्रम नहीं रहना चाहिए, लेकिन अठारहवीं लोकसभा के पहले ही अधिवेशन में संसद के दोनों सदनों में जिस तरह का व्यवहार हमारे सांसदों का रहा है, वह सवालिया निशान तो लगाता ही है कि जनतांत्रिक मूल्यों और परंपराओं के प्रति हम कितने सजग हैं? राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद-प्रस्ताव को लेकर जिस तरह की बहस दोनों सदनों में देखने-सुनने को मिली है, वह इस संदर्भ में आश्वस्त करने वाली तो नहीं ही है. दोनों सदनों में पीठासीन अधिकारियों ने विपक्ष को खरी-खोटी सुनायी. दोनों सदनों में नेता-विपक्ष के वक्तव्यों में से कुछ शब्द हटा दिये गये अर्थात् रिकॉर्ड में वे शब्द नहीं रहेंगे. असंसदीय शब्दों के नाम पर होने वाली यह कवायद अब इस अर्थ में भी बेमानी हो चुकी है कि देश की जनता वह सब देख-सुन चुकी होती है, जिसे पीठासीन अधिकारी असंसदीय घोषित करके न सुनने और न देखने लायक बता देते हैं. कथित असंसदीय भाषा से कहीं अधिक असंसदीय तो बहस के दौरान कुछ सांसदों का व्यवहार हो जाता है. सदस्यों को निष्कासित करके ऐसे व्यवहार को उजागर तो किया जाता है, पर यह प्रक्रिया इस हद तक अतार्किक हो जाती है कि पिछली संसद में से सौ से अधिक सांसदों का निष्कासन किया गया! लोकसभा के स्पीकर और राज्यसभा के सभापति ने यह निर्णय अपने विवेक से किया होगा, इस पर सवाल तो उठता ही है कि इस तरह की कार्रवाई को कितना जनतांत्रिक कहा जा सकता है? सवाल यह भी उठता है कि आखिर सांसदों या विधायकों का सदन में और सदन के बाहर भी, व्यवहार कैसा होना चाहिए? इस संदर्भ में मुझे ब्रिटेन के नए और पिछले प्रधानमंत्री के भाषण याद आ रहे हैं. हाल के चुनाव में ब्रिटेन के मतदाता ने सरकार पलट दी है. कंजरवेटिव पार्टी का शासन मतदाता ने नकार दिया है और लेबर पार्टी को सरकार बनाने का अवसर दिया गया है. भारतीय मूल के ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री स्टार्मर्स ने इस अवसर पर जो भाषण दिए हैं, उनमें ऐसा बहुत कुछ है जो बताता है कि राजनेताओं को एक-दूसरे के प्रति किस तरह का व्यवहार करना चाहिए. अपनी हार को स्वीकार करते हुए ऋषि सुनक ने स्पष्ट शब्दों में कहा है, वे इस हार का दायित्व लेते हैं और नयी सरकार को ब्रिटेन के हित में काम करने में हर उचित सहयोग देंगे. उन्होंने यह भी स्पष्ट कहा कि 'नये प्रधानमंत्री की सफलता हम सबकी सफलता होगी. वे जन-हित के लिए काम करने वाले ऐसे उत्साहित व्यक्ति हैं, जिनका मैं सम्मान करता हूं.' ऐसा ही सम्मान प्रधानमंत्री चुने जाने वाले स्टार्मर्स ने भी ऋषि सुनक के प्रति व्यक्त किया. उन्होंने कहा, 'मैं निवर्तमान प्रधानमंत्री को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई देना चाहता हूं. वे हमारे देश के पहले ब्रिटिश एशियाई प्रधानमंत्री थे. इस नाते उन्हें कुछ कर पाने के लिए जो अतिरिक्त प्रयास और मेहनत करनी पड़ी, उसे कम करके नहीं आंका जा सकता. हम उसकी प्रशंसा करते हैं. हम उनकी निष्ठा और मेहनत को भी स्वीकारते-समझते हैं.' राजनीतिक विरोधियों को इस बात को हमेशा ध्यान में रखना होगा कि एक-दूसरे का सम्मान करके ही वे व्यवहार की शालीनता को बनाये रख सकते हैं. बशीर बद्र का एक शे'र है 'दुश्मनी जम कर करो, लेकिन ये गुंजाइश रहे/ फिर कभी हम दोस्त बन जाएं तो शर्मिंदा न हों.' मुझे लगता है हमारे राजनेताओं को यह बात याद रखने की आवश्यकता है. एक बात और, जो जितना बड़ा नेता है, उससे अपेक्षाएं भी उतनी ही बड़ी होती हैं. हमारे नेताओं को इन अपेक्षाओं पर खरा उतरना ही होगा. सवाल उनकी कथित शान का नहीं, उन मतदाताओं की इज्जत का है जिन्होंने उन नेताओं को अपना प्रतिनिधि चुना है. बहस के दौरान अपने-अपने मत को मजबूती से रखने का मतलब एक-दूसरे को भला-बुरा कहना नहीं होता. और अपनी बात को रखने का मतलब यह नहीं होता कि दूसरे की बात सामने आ ही न सके. वाल्तेयर ने कहा था, 'हो सकता है मैं आपकी बात से सहमत न होऊं, पर अपनी बात रखने के आपके अधिकार की रक्षा मैं अपनी अंतिम सांस तक करूंगा.'

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> असंसदीय शब्दों के नाम पर होने वाली यह कवायद अब इस अर्थ में भी बेमानी हो चुकी है कि देश की जनता वह सब देख-सुन चुकी होती है, जिसे पीठासीन अधिकारी असंसदीय घोषित करके न सुनने और न देखने लायक बता देते हैं. कथित असंसदीय भाषा से कहीं अधिक असंसदीय तो बहस के दौरान कुछ सांसदों का व्यवहार हो जाता है.

तर्कशील समाज के निर्माण की पहल की जरूरत

• चिंतन

क्षमा शर्मा

इन दिनों एक बाबा बहुत चर्चा में हैं. उसके द्वारा आयोजित सत्संग में एक सौ इक्कीस लोगों की जान जा चुकी है. न जाने कितने घायल हुए हैं. मरने वालों में स्त्रियां और बच्चे भी हैं. हमें बुरा तो लगता है, जब पश्चिम के लोग भारत को चमत्कार और अंधविश्वासों का देश कहते हैं, मगर किसी हद तक सच भी है. हालांकि, पश्चिम के लोग भी कोई कम नहीं, जहां बहुत से धूर्त चमत्कारी पानी पिलाकर लोगों को ठीक करने का दावा करते हैं. अपने यहां भी ऐसा होता है. भारत में ऐसे असंख्य बाबा हैं, जिनके असंख्य भक्त भी हैं. बड़े-बड़े आश्रम हैं. सुख-सुविधाओं की कोई कमी नहीं. इनमें से बहुत से गम्भीर अपराधों में पकड़े भी गए हैं, मगर एक पकड़ा जाता है तो दस प्रकट हो जाते हैं.लोग कह रहे हैं कि आखिर ऐसे बाबाओं के फेर में जनता आती ही क्यों है. इसका एक बड़ा कारण तो ऐसे बाबाओं का प्रभामंडल इस तरह से गढ़ा जाता है कि लोग इनके जाल में फंस जाते हैं. ये लोगों को परेशानियों से मुक्ति का भ्रम देते हैं. आखिर बीमारी की अवस्था में परेशान लोग डाक्टरों के पास क्यों नहीं जाते. इसका बड़ा कारण है. अपने देश में चिकित्सा सुविधाओं का घोर अभाव. दूर-दराज के गांवों को तो छोड़िए, छोटे शहरों तक में ऐसे अस्पताल नहीं हैं, जो ठीक-ठाक इलाज कर सकें. जो हैं उनमें से बहुत से ऐसे हैं, जो मरीज और उसके परिजनों को सोने का अंडा देने वाली मुर्गी समझते हैं. यही कारण है कि बड़े शहरों में जो प्रसिद्ध अस्पताल हैं, वहां भीड़ बढ़ती जाती है और डाक्टर ओवर वर्क्ड होते हैं. इसके अलावा लोगों की आस्था भी होती है कि वे किसी बाबा की शरण में जाएंगे तो उसके हाथ लगाते ही बीमार व्यक्ति ठीक हो जाएगा. वैसे अपने देश में देवताओं की भी कोई कमी नहीं है. तैंतीस कोटि देवता बताए जाते हैं. बहुत से लोकल गॉड्स भी हैं. वे भी लोगों द्वारा पूजे जाते हैं. तब हर रोज बनते इन बाबाओं का क्या काम. लेकिन अक्सर ये बाबा भी अपने को किसी भगवान का अवतार घोषित कर देते हैं. इस संदर्भ में बचपन की एक घटना याद आती है. बड़े भाई को बचपन से ही पोलियो था. मां कहती थी कि उनके दोनों पैरों में पोलियो हुआ था. एक वैद्य ने उनका एक पांव का पोलियो ठीक कर दिया था, लेकिन दूसरे पैर का इलाज करते वक्त, उसे दादा जी का नाम पता चला. दादा जी ने गणित के इम्तिहान में उसके आग्रह के बावजूद उसके बेटे को पास नहीं किया था. वैद्य ने दुश्मनी निभाई और भाई का इलाज नहीं किया. खैर, मां और पिता जी के प्रयत्न से बड़े भाई बहुत उच्च शिक्षित हुए और कालेज में पढ़ाने लगे. एक बार आगरा में खबर फैली कि पास के गांव में एक बाबा आने वाले हैं. उनके हाथ लगाते ही बड़े से बड़ा रोग ठीक हो जाता है. मां उन दिनों वहीं थीं. वह भाई के पीछे पड़ गई. भाई ने बहुत विरोध किया. कहा कि उन्हें इन चीजों में कतई विश्वास नहीं है. मगर मां नहीं मानी. उसने खाना-पीना छोड़ दिया. अंत में भाई को उनकी जिद के आगे झुकना पड़ा. मां के साथ भाई और तीन-चार साल की यह लेखिका भी वहां पहुंची, जहां बाबा को आना था. वहां बेहद भीड़ थी. बाबा के लिए चार बांसों पर खटोला लगाकर एक मंच बनाया गया था. भीड़ शाम तक इंतजार करती रही मगर बाबा नहीं आया. सब निराश होकर लौट गए. कुछ दिन बाद खबर आई कि वह बाबा स्मगलिंग के केस में पकड़ा गया था. यह भी कितने अफसोस की बात है कि बहुत से ऐसे बाबाओं को मीडिया का एक बड़ा हिस्सा खूब दिखाता है. उसका मानना है कि चूंकि बड़ी संख्या में लोग इनके अनुयायी होते हैं, इसलिए उनके चैनल की लोकप्रियता बढ़ती है. यही हाल राजनेताओं का भी है. वे अक्सर इन बाबाओं के खिलाफ इसी डर से नहीं बोलते कि इनके अनुयायी उन्हें वोट नहीं देंगे. हाथरस वाले बाबा के प्रसंग में भी यही सब हो रहा है. सिवाय दलितनेत्री मायावती के शायद ही कोई बोला है. यहां यह भी बताना समीचीन है कि यह घटना हाथरस के पास के शहर सिकंदरा राऊ के पास हुई है. लेकिन चैनल्स और अखबार इसे हाथरस बता रहे हैं. कुछ साल पहले जिस बच्ची के संदर्भ में हाथरस का जिक्र आया था, वह जगह भी हाथरस से लगभग बारह किलोमीटर दूर चंदपा थी. लेकिन दोनों प्रसंगों में नाम हाथरस का बदनाम हो रहा है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> वैसे अपने देश में देवताओं की भी कोई कमी नहीं है. तैंतीस कोटि देवता बताए जाते हैं. बहुत से लोकल गॉड्स भी हैं. वे भी लोगों द्वारा पूजे जाते हैं. तब हर रोज बनते इन बाबाओं का क्या काम. लेकिन अक्सर ये बाबा भी अपने को किसी भगवान का अवतार घोषित कर देते हैं. इस संदर्भ में बचपन की एक घटना याद आती है. बड़े भाई को बचपन से ही पोलियो था.

मीडिया में अन्यत्र

कर्नाटक गिग श्रमिकों के लिए विधेयक

भारत के गिग श्रमिकों, जो तादाद में लगातार बढ़ते जा रहे हैं, लेकिन अनियमित श्रम भंडार में जिनकी हैसियत अनिश्चित बनी हुई है, को कर्नाटक प्लेटफॉर्म-आधारित गिग श्रमिक (सामाजिक सुरक्षा और कल्याण) विधेयक, 2024 एक स्वागतयोग्य राहत प्रदान करता है, लेकिन इन श्रमिकों को कर्मचारी होने की सुरक्षा प्रदान करने के लिहाज से यह विधेयक अभी भी कमतर ही है. जब एक दशक पहले राइड-शेयरिंग और फूड डिलीवरी ऐप के सौजन्य से ऐप-आधारित गिग कार्य की शुरुआत हुई थी, तो 'कर्मचारी'शब्द की अनुपस्थिति को वास्तव में एक सकारात्मक पहलू के रूप में देखा गया था. इस क्षेत्र ने कथित तौर पर 'साझेदारों'को अपनी स्वायत्तता बनाए रखने और काम के घंटों से संबंधित किसी सख्त अनुबंध में बंधे बिना अच्छा पैसा कमाने का मौका दिया. पर वह भ्रम जल्द ही दूर हो गया, क्योंकि आमदनी कम हो गई एवं काम के घंटे बढ़ गए और 'कर्मचारी' की औपचारिक हैसियत की गैरमौजूदगी ने श्रमिकों को सुरक्षा जाल या सरकारी विनियमन के अभाव में एग्रीगेटर और सर्व-शक्तिशाली एल्गोरिदम के रहमोकरम पर छोड़ दिया. इसके बावजूद, गिग अर्थव्यवस्था बढ़ रही है. नीति आयोग की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस दशक की शुरुआत में भारत में कुल 77 लाख गिग श्रमिक थे और 2029-30 तक इन श्रमिकों द्वारा देश की आय में 4.1 फीसदी का योगदान किये जाने और उनकी तादाद गैर-कृषि श्रमशक्ति का 6.7 फीसदी होने का अनुमान है.एक अधिकार-आधारित कानून वाले इस मसौदा विधेयक का मकसद मनमाने ढंग से बर्खास्तगी को रोकना, मानव शिकायत निवारण तंत्र प्रदान करना तथा स्वचालित निगरानी व एल्गोरिदम-आधारित भुगतान की अपारदर्शी उलझन में और ज्यादा पारदर्शिता लाना है. यह केंद्र सरकार की सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 से एक दर्जा ऊपर है. कर्नाटक का कानून एक कल्याण बोर्ड एवं कोष के जरिए सामाजिक सुरक्षा भी प्रदान करता है. इस कोष में सरकार और एग्रीगेटर की ओर से या तो ऐप पर प्रत्येक लेनदेन में हिस्से के जरिए या राज्य में प्लेटफॉर्म के कारोबार के प्रतिशत के रूप में योगदान होगा. इन प्लेटफॉर्मों की मालिक बनने वाली कई कंपनियों द्वारा न्यूनतम मुनाफा की जानकारी दिए जाने के मद्देनजर, श्रमिक संघों ने सही ही मांग की है कि प्रत्येक लेनदेन पर कल्याण शुल्क को एक उपकर के रूप में लिया जाए. संशयवादी असंगठित क्षेत्र से संबंधित अन्य कल्याण बोर्डों की मृतप्राय स्वरूप की ओर ध्यान दिलाते हैं, लेकिन इस किस्म के बोर्ड के साथ अनिवार्य पंजीकरण का एक फायदा यह होगा कि इससे गिग श्रमिक कानून की नजरों में दिखने लगेंगे. कर्नाटक की कांग्रेस सरकार का लक्ष्य विधानसभा के मानसून सत्र में इस विधेयक को पारित करना है और उसे जल्दी से नियम बनाने होंगे एवं कल्याण बोर्ड की स्थापना करनी होगी, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कानून साल खत्म होने से पहले लागू हो जाए.

(द हिंदू)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

आपत्ति/विपत्ति

आप जो कर रहे हैं, उसपर मेरी आपत्ति है, क्योंकि मुझे पता है कि इससे आप बहुत बड़ी विपत्ति में फंसनेवाले हैं. आपत्ति के समय किससे सहयोग की अपेक्षा करेंगे? इन वाक्यों को देखने से ऐसा लगता है कि आपत्ति और विपत्ति दोनों कुछ अर्थों में समानार्थी या पर्याय हैं. दोनों के बीच समानता यह है कि ये दोनों संस्कृत मूल के तत्सम संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द हैं. हिंदी शब्दकोशों के अनुसार आपत्ति का मतलब है एतराज, उज्र, प्रतिवाद, विरोध, संकट. इसी प्रकार विपत्ति का अर्थ है संकट, आपत्ति, मुसीबत, कठिनाई, झंझट का काम. दोनों शब्दों के अंतर तब स्पष्ट होते हैं, जब ये व्यवहार में आते हैं. आपत्ति और विपत्ति में मुख्य अंतर यह है कि आपत्ति एक छोटी सी परेशानी है, जबकि विपत्ति एक बड़ी और गंभीर समस्या है. आपत्ति को अक्सर एक अस्थायी समस्या के रूप में देखा जाता है, जबकि विपत्ति को अक्सर एक लंबे समय तक चलने वाली या स्थायी समस्या के रूप में देखा जाता है. बगैर किसी पूर्वानुमान के अचानक किसी मुसीबत का आ जाना आपत्ति कहलाता है, जबकि वही आपत्ति अगर बहुत दिनों तक ठहर जाए तो विपत्ति कहलाती है. बुखार आना आपत्ति है, किंतु उसी बुखार का मलेरिया, डेंगू आदि के रूप में बदल जाना विपत्ति है. तेज मूसलाधार बारिश का आना आपत्ति है तथा उसी मूसलाधार का रुककर लगातार होते ही जाकर बाढ़ में परिवर्तित हो जाना विपत्ति है. आपत्ति सायास होती है, जबकि विपत्ति अनायास. आपत्ति दूसरों के द्वारा होती है, लेकिन विपत्ति प्राकृतिक. आपत्ति का निराकरण संभव है, लेकिन विपत्ति को दूर करना बहुत ही मुश्किल. मृत्यु से उत्पन्न विपत्ति का तो निराकरण असंभव ही होता है. खोयी हुई चीज या खोया हुआ प्राणी यदि न मिले तो यह संकट सदैव बना रहता है. आपत्ति कालांतर में विधिक रूप भी ले सकती है लेकिन विपत्ति नहीं. आपत्ति किसी कार्य योजना को बाधित करती है, लेकिन विपत्ति हर हाल में नुकसान पहुंचाती है.

बाबा आयोग के गठन की जरूरत

• तीर-तुक्का

डॉ. रामवृक्ष सिंह

अपने देश में बाबाओं की बढ़ती संख्या, समाज में उनके महत्त्व, देश की अर्थव्यवस्था, राजनीति आदि में उनके अमूल्य और अपरिहार्य योगदान को देखते हुए यह समीचीन रहेगा कि सरकार अलग से बाबा आयोग का गठन करे. इससे कई फायदे होंगे. अभी प्रामाणिक तौर पर कोई यह नहीं बता सकता कि देश में कितने बाबा हैं. लेकिन उनकी संख्या कई लाख होगी, और उसी अनुपात में बाबा लोगों के कई प्रकार भी होंगे. बूढ़े-जवान, अधेड़, महिला-पुरुष, गृहस्थ, गृह-त्यागी, घोषित पत्नी-धारी, अघोषित पत्नी-धारी, पत्नी-भोगी, पत्नी-त्यागी, गरीब और फक्कड़, घुमक्कड़, मठाधीश, मंदिर-स्वामी, आश्रम-स्वामी, नदी तीर-वासी, अरण्य वासी, नगर-वासी, ग्राम-वासी, मज़ार वाले बाबा, पीर बाबा, पैदाइशी बाबा, व्यवसाय अंतरण के पश्चात् बने बाबा, आपराधिक पृष्ठभूमि वाले बाबा, पेरोल से भागे बाबा, बलात्कारी बाबा, डकैत बाबा, कट्टाधारी बाबा, त्रिशूलधारी बाबा, चिमटे वाले बाबा, नागा बाबा, वस्त्रधारी बाबा, नित स्नान करनेवाले बाबा, महीनों न नहानेवाले बाबा, शराबी बाबा, कबाबी बाबा, चिलम सुलगाकर सुल्फा-गाँजा चढ़ानेवाले बाबा, बम-बम बाबा, हरि-हरि बाबा, पुलिस के संरक्षण वाले बाबा, नेता और मंत्रीजी के गुरु बाबा, केवल युवा महिलाओं को शिष्या बनानेवाले बाबा, शर्तिया बेटा देने वाले बाबा, पदोन्नति देने वाले, प्रेमिका पटाने का मंत्र और भभूत देनेवाले बाबा, मद्रासी बाबा, नेपाली बाबा, बंगाली बाबा, वशीकरण मंत्र फूँकने वाले बाबा, गंडे वाले बाबा, ताबीज वाले बाबा, कैमरे वाले बाबा, मोबाइल वाले बाबा, दंडी बाबा, लात मारने वाले बाबा, सहलाने वाले बाबा, गले लगानेवाले बाबा, जटाधारी बाबा, गंजे बाबा, पाजामा-कुर्ता वाले बाबा, लंगोट धारी बाबा, लुंगी वाले बाबा, गेरुए वाले बाबा, हरे कपड़ों वाले बाबा, दाढ़ी-मूँछ वाले बाबा, सफाचट बाबा, बदबू छोड़नेवाले बाबा, सेंट लगानेवाले बाबा, औघड़ बाबा, कमंडल बाबा, ..अरे राम-राम, बाबा लोगों की इतनी प्रजातियाँ और प्रकार हैं कि उनकी गणना और वर्गीकरण करना तो किसी आयोग या मंत्रालय के ही वश की बात है. पाठक पूछेंगे कि बाबा मंत्रालय बनने से शासन और समाज को क्या लाभ होगा? तो हमारा मंतव्य है कि बाबाओं के पंजीकरण और विनियमन से शासन को कम से कम यह तो पता रहेगा कि अमुक-अमुक इलाके में और अमुक-अमुक कोटि-कैटेगरी के इतने बाबा यहां-यहां हैं. मंत्रालय की वेबसाइट पर बाबा लोगों के ब्यौरे होंगे. तब देश के जिस नागरिक को जो सुविधा या सेवा चाहिए होगी, या जिस समस्या से निजात पानी होगी वह उसके अनुरूप बाबा की जानकारी वेबसाइट से ही पा लेगा. अभी तो बाबा लोगों का सारा कारोबार बसों या सार्वजनिक मूत्रालयों में चस्पा पैंफलेटों के ज़रिए, देश के नामचीन भाषायी अखबारों में छपे विज्ञापनों और चेलों-चपाटों की जबानी किए गए प्रचार के भरोसे चलता है. बाबाओं के पंजीकरण-शुल्क से देश के राजकोष में भी वृद्धि होगी.

धर्म अध्यात्म

गांवों में आज भी दिखता मौरसेरी परब का उत्साह

गुलांचो कुमारी

रथयात्रा को गांव में कोई नहीं जानता, वे जानते हैं 'मौरसेरी' परब को. गांव में मौरसेरी आता है तो अपने साथ ढेरों खुशियां लेकर आता है. हमारे बाल मन में इस दिन के लिए कितने अनगिनत अरमान जगते थे. महीना प्रारंभ होते ही दिन गिनना शुरू कर देते. टुंगरी को दुल्हन की तरह सजाया जाता जैसे उसकी भी बारात आने वाली हो.

नवविवाहितों का उत्साह

गांव में हर साल शादियां होती हैं. साल भर में जितनी दुल्हन गांव में आती, वे सभी के सभी इस त्योहार में शामिल होती. दूल्हा-दुल्हन दोनों ही सजते. बच्चों के बारे में तो पुछिए मत, दुल्हन से ज्यादा सजते संवरते. यदि दुल्हन अपने परिवार की रहे तब तो क्या ही कहने ! घर शादी घर में तब्दील हो जाता. सुबह से ही घर की साफ -सफाई, साथ में मक्का, धान, बाजरा, चना आदि का लावा फूटना शुरू हो जाता. जो 'दौरा' भर फूट लेने के बाद ही रूकता था. लावा भूंजने का काम दुल्हन की दादी, नानी, फुआ या ननदों के जिम्मे रहता था. बच्चे तो केवल मस्ती करते.

नइया/गोड़ाइत की हांक और लोकगीत

दोपहर दो बजे के बाद पूरे गांव में नइया/गोड़ाइत हांक लगा कर आगाह कर देता कि अब निकलने वाले हैं. गांव की सभी दुल्हन एक साथ डहरती मौरसेरी टुंगरी की ओर. किसके परिधान-गहने अधिक महंगे हैं की पड़ताल करते हुए. कुछ महिलाओं के मनभावन लोकगीत से डहर गूंज उठता. ढोल नगाड़े संग पुरे गांव के बच्चे, महिलाएं, दूल्हे सब बारात की तरह जाते. जाते ही बुजुर्ग महिलाएं एक तरफ अखड़ा सजा कर नाचने लगती.

हास-परिहास के बीच रस्म

वहीं दूसरी तरफ दुल्हनों को गोड़इतिन, बांस पेड़ तले अपने पुरखा नेगानुसार पूरी श्रद्धा व आस्था से मौरों को विसर्जित करवाती. दुल्हने एक एक कर बांस पेड़ पर मौर टांगती और उज्जवल भविष्य 'दूधो नहाय-पूतो फल ' का आशीर्वाद लेती. उसके बाद ही लावा और मिठाइयां बांटी जाती. फिर नई-नवेली दुल्हनों को नचाया जाता. मजाक के लहजे में (जो रिश्ते में दादी लगती) किसकी बहू कैसी है जांचा जाता. फब्तियां कसी जाती. वहीं कहीं दूर से ही दुल्हनों को निहार रहे दूल्हे इन पलों का आनंद उठाते दिखते. उनके बीच का प्रेम भाव थोड़ा और गाढ़ा हो उठता. प्रेम को पल्लवित-पुष्पित करने वाले इन रस्मों के बीच मौरसेरी का त्योहार गांव में मनाया जाता.

मौरसेरी भूल गया शहर !

किंतु वर्तमान में जैसा कि रथयात्रा के दिन रांची शहर में शहरी लोगों का बेढंगापन देख आयी हूं, लगा नहीं कि वे मौरसेरी का मतलब भी जानते हैं. सड़क किनारे एक बांस की नन्हीं सी डाली रख दो और फेक दो सारे मौर को जो विधि -विधान कर लेने के बाद पहने गये थे. इससे तो लाख गुना अच्छा है हमारा गांव !

इसलिए अधूरी रह गई जगन्नाथ प्रभु की मूर्ति

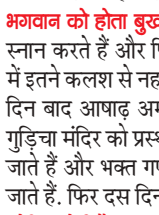

पुष्पा पाण्डेय

शास्त्रों में पुरुषोत्तम क्षेत्र को दूसरा बैकुंठ कहा गया है. नीलांचल पर्वत पर एक गुप्त गुफा में नीलमाधव भगवान जगन्नाथ निवास करते थे, जो देवताओं के लिए भी गुप्त था. उज्जैन के राजा इन्द्रद्युम्न बहुत बड़े वैष्णव भक्त थे. एक दिन नदी किनारे वे यज्ञ कर रहा थे तो तीर्थ यात्रियों के झुंड से एक यात्री उन्हें पुरुषोत्तम क्षेत्र और नीलमाधव के बारे में बताया. वो कोई और नहीं विष्णु भगवान ही थे. राजा को उस नीलमाधव प्रभु का दर्शन करने की प्रबल इच्छा हुई और वे अपने मंत्रियों से पता लगवाकर उस नीलंचल पर्वत पर अपनी प्रजा सहित आकर बस गये. नादर जी उनके पथ-प्रदर्शक बने थे. घोर तपस्या और भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान ने अपना दर्शन दिया और कहा कि एक विशेष प्रयोजन तुम्हारे ही हाथों होना तय है. ऐसा कह भगवान अन्तर्ध्यान हो गये. राजा इन्द्रद्युम्न बहुत दुखी हुए तो आकाशवाणी हुई कि मैं पर्वत के एक वृक्ष में अवस्थित हूं. जिस वृक्ष में चार भुजाएं होगी उसी लकड़ी की मूर्ति बनवाकर मंदिर में स्थापित करना. किसी दूसरे पुराण में वर्णित है कि समुद्र में चार लकड़ी का गट्ठा तैरकर किनारे लगा था और राजा को स्वप्न हुआ कि तुम इस लकड़ी से मेरी मूर्ति बनाओ. बलराम, जगन्नाथ, सुभद्रा और एक लकड़ी का चक्र. मैं इस लकड़ी में विराजमान हूं. खैर. हरि अनंत हरि कथा अन्नता....

बढ़ई बन कर आए भगवान विश्वकर्मा : राजा के दरबार में एक वृद्ध बढ़ई आया जो इस मूर्ति को बनाने का काम लिया. वास्तव में वह बढ़ई विश्वकर्मा भगवान थे. शर्त ये थी कि जब- तक मूर्ति तैयार नहीं हो जाती तब- तक कोई उस कमरे का दरवाजा नहीं खोलेगा, जिस कमरे में निर्माण कार्य हो रहा है.

कपाट खोलते ही होता मूर्तिकार गायब : पन्द्रह दिन बीतने के बाद राजा को चिन्ता हुई कि कहीं मूर्तिकार को कुछ हो तो नहीं गया, क्योंकि कोई आवाज नहीं आ रही थी. अतः उन्होंने कपाट खोल दिया. खोलते ही मूर्तिकार गायब हो गया और मूर्ति अभी अधूरी ही थी. भगवान के हाथ- पैर का निर्माण होना अभी बाकी था. नारद जी की सलाह से इसी मूर्ति को मंदिर में स्थापित करना तय हुआ. समुद्र के किनारे विशाल मंदिर का निर्माण हुआ और ब्रह्मा जी के द्वारा इसे स्थापित किया गया. अपनी पूजा के सारे विधान भगवान ने राजा को स्वयं बताए. नीलांचल पर्वत पर एक गुड़िचा तख्त था, वह भगवान को बहुत प्रिय था वही आषाढ शुक्ल द्वितीया को रथ के द्वारा ले जाने की बात कही. तब से आजतक प्रत्येक साल भगवान का रथ गुड़िचा मंदिर जाता है. कालान्तर में यह कैसे मौसी बाड़ी हुआ, मालूम नहीं.

भगवान को होता बुखार : जेठ पूर्णिमा को भगवान एक सौ आठ कलश से स्नान करते हैं और फिर भगवान गुप्त गृह में चले जाते हैं. भक्तों की भाषा में इतने कलश से नहाने के कारण भगवान को बुखार हो गया है. ठीक पन्द्रह दिन बाद आषाढ़ अमावस्या को भगवान बाहर आते हैं. तैयार होकर उसी गुड़िचा मंदिर को प्रस्थान करते हैं. तीनों भाई- बहनों के लिए तीन रथ सजाए जाते हैं और भक्त गण स्वयं अपने हाथों से रथ को खींचकर मंदिर तक ले जाते हैं. फिर दस दिन बाद भगवान उसी रथ से वापस आते हैं.

क्रोधित होती हैं मां लक्ष्मी : मुख्य मंदिर में आने के बाद दो दिनों तक भगवान रथ पर ही रहते हैं, क्योंकि लक्ष्मी जी मंदिर का कपाट अंदर से बंद कर देती हैं. तीनों भाई- बहनों को लक्ष्मी के क्रोध का सामना करना पड़ता है. भगवान ने श्री को अपने साथ जो नहीं लिया. काफी मान- मनौवल के बाद दरवाजा खुलता है और सभी अपना- अपना स्थान ग्रहण करते हैं.

कहानी वर्तमान जगन्नाथ मंदिर के निर्माण की

मुक्ति शाहदेव

आज बड़कागढ़ स्थित जगन्नाथपुर पहाड़ी पर 101 फीट ऊंचा जो मंदिर जगमगाता हुआ सबको आकर्षित करता है, उसके निर्माण के संघर्ष की कहानी उतनी ही मार्मिक है, जितनी आज उसकी भव्यता. इन दिनों भगवान अपने भाई और बहन के साथ मौसी के घर पहुंचे हैं और 17 जुलाई को वापसी होगी. जगन्नाथपुर मेला गुलजार है. आइए, इस मौके पर वर्तमान जगन्नाथ मंदिर की निर्माण कथा से वाकिफ हों.

ठाकुर ऐनी नाथ शाहदेव ने 1691 ई. में जिस मंदिर का निर्माण कराया था, दुर्भाग्य वश राखी पूर्णिमा, 1991 में उस मंदिर का एक बड़ा हिस्सा स्वतः ध्वस्त हो गया परंतु मंदिर के पुजारी एवं तत्कालीन जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति के सदस्यों ने मूर्तियों की सुरक्षा एवं निर्बाध पूजा अर्चना की व्यवस्था तत्काल की. मंदिर के पुनर्निर्माण की मांग लगातार स्थानीय श्रद्धालुओं द्वारा की जाती रही. इस शुभ कार्य को प्रारंभ करने में एक लंबा समय बीत गया क्योंकि मुख्य बाधा अर्थ के रूप में थी. विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हुए जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति के तत्कालीन कर्मठ सदस्यों ने हिम्मत नहीं हारी और मंदिर के निर्माण के लिए समाजसेवियों, गणमान्य व्यक्तियों को साथ लेकर जगन्नाथपुर मंदिर पुनर्निर्माण समिति नामक एक उप समिति का गठन किया. पुरी के परंपरागत वास्तुविदों, प्रशासनिक अधिकारियों, मेकॉन एवं एच ई सी के अभियंताओं व वास्तुकारों की सहायता से वर्तमान भव्य मंदिर की रूपरेखा तैयार की गई थी.

अंग्रेजों से बची जमीन को एचईसी ने किया अधिकृत

सौभाग्य से उस समय मंदिर न्यास समिति में अधिकांश वही सदस्य एवं पदाधिकारी कार्यरत थे, जिन्होंने अथक परिश्रम से इस सार्वजनिक जगन्नाथपुर मंदिर को एक व्यक्ति के जबरन कब्जा से मुक्त करवाकर पुनः सार्वजनिक मंदिर " जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति" का गठन बिहार राज्य धार्मिक न्यास परिषद के तहत1964 में करवाया था.

ठाकुर ऐनी नाथ शाहदेव ने इस मंदिर का निर्माण 1691 ईस्वी में करवाया था. अपने राज्य काल में ही उन्होंने मंदिर की संचालन व्यवस्था को एक योजना बद्ध रूप प्रदान किया था. अपने राज्य के 194 मौजों में से मंदिर की व्यवस्था के लिए उन्होंने तीन गांव जगन्नाथपुर, आनी और भुसूर को मंदिर के नाम दे कर सार्वजनिक संपत्ति घोषित कर अपनी उदारता एवं धर्म परायण का परिचय दिया था. इन तीन मौजों के लगान एवं उपज से ही मंदिर का खर्च चलता था. मंदिर की देखरेख में उनका कोई हस्तक्षेप नहीं था. सारी व्यवस्था पुजारी टहलू एवं अन्य कर्मचारियों के हाथों में थी. तमाम उतार चढ़ावों के दौर से गुजरते हुए भी मंदिर की व्यवस्था बनी रही. 1857 में तत्कालीन राजा ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव को अंग्रेजों ने न सिर्फ फांसी पर चढ़ा दिया बल्कि उनकी सारी संपत्ति जप्त कर ली थी. इसके बावजूद मंदिर के नाम पर दान के तीन गांवों को छोड़ दिया था. परंतु 1958 में जब एशिया के गौरवशाली प्रतिष्ठान एच ई सी की स्थापना हुई तो यहां के निवासियों की यह विडंबना ही कही जाएगी कि मंदिर की इस देवोत्तर जमीन का अधिकांश हिस्सों का अधिग्रहण प्रारंभ हुआ और मंदिर की सारी जमीन अर्जित कर ली गई. परिणाम स्वरुप मंदिर की माली हालत खराब होती चली गई.

एच ई सी से अवकाश प्राप्त अधिकांश लोग जगन्नाथपुर गांव व आसपास अवैध रुप से बसते रहे, स्वयं फलते फूलते रहे और परम्परागत रथयात्रा मेला स्थल सिकुड़ता रहा. इस जमीन पर अवैध कब्जे का सिलसिला आज भी कायम है.

ऐसे जुटी पाई-पाई

तत्कालीन मंदिर पुनर्निर्माण समिति के कर्मठ, जुझारु व धार्मिक सदस्यों एवं पदाधिकारियों ने छोटी बड़ी संस्थाओं, श्रद्धालुओं, व्यवसाइयों, उद्योगपतियों, से एक एक रुपया मांग कर, पाई पाई जोड़कर इस भव्य मंदिर के निर्माण का न केवल सपना देखा वरन तमाम विरोधों, अड़चनों और बाधाओं को पार कर इस भव्य मंदिर का निर्माण कराया.

मंदिर परिसर में लगे दाताओं के नामों से अंकित शिलापट्ट को ध्यान से देखने से सच्चाई पता चलती है कि इनमें एकमुश्त कम से कम पांच हजार रुपए दान देने वाले भक्तों का नाम अंकित किया गया है. उस समय (सन 1991 में) जब मंदिर निर्माण की अनुमानित लागत आठ करोड़ रुपए थी, तत्कालीन समिति के सदस्यों के समक्ष इस राशि को इकट्ठा करना कितनी बड़ी चुनौती रही होगी, सहज अनुमान लगाया जा सकता है.

श्री जगन्नाथ स्वामी की कृपा के बिना यह कार्य कहां संभव था ! मंदिर निर्माण के लिए पहला बड़ा दान गीता आश्रम दिल्ली कैंट के संस्थापक गुरुदेव 108 स्वामी हरिहर जी महाराज ने एक लाख रुपए प्रदान किया था, जबकी दूसरे दाता रांची के तत्कालीन सांसद सुबोधकांत सहाय जी ने सांसद कोष से एक लाख रुपये मुहैया करवाया था.

कर्मयोगी योद्धाओं को सलाम

मंदिर के तत्कालीन सदस्यों और तमाम शुभचिन्तकों के अतिरिक्त इस मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए अपने घर परिवार को भूलकर रात दिन एक कर देने वाले जिन सहृदय कर्मयोगी योद्धाओं को कभी भुलाया नहीं जा सकता

उनमें प्रमुख नाम हैं

स्वतंत्रता सेनानी राम रतन राम तथा श्याम किशोर साहु, ठाकुर राधेश्याम नाथ शाहदेव , व्यवसायी ज्ञान प्रकाश बुधिया, तत्कालीन प्रधान पुजारी सोमनाथ तिवारी, ब्रजभूषण नाथ मिश्र,सी सी एल के अभियंता ज्ञानी साहु, मेकॉन के अभियंता रघुराज सिंह,मनोज तिवारी, चितरंजन नाथ शाहदेवण.

तीन गांव किए मंदिर के नाम

ठाकुर ऐनी नाथ शाहदेव ने इस मंदिर का निर्माण 1691 ईस्वी में करवाया था. अपने राज्य के 194 मौजों में से मंदिर की व्यवस्था के लिए उन्होंने तीन गांव जगन्नाथपुर, आनी और भुसूर को मंदिर के नाम कर दिया था .इन तीन मौजों के लगान एवं उपज से ही मंदिर का खर्च चलता था. मंदिर की देखरेख में उनका कोई हस्तक्षेप नहीं था. सारी व्यवस्था पुजारी टहलू एवं अन्य कर्मचारियों के हाथों में थी. तमाम उतार चढ़ावों के दौर से गुजरते हुए भी मंदिर की व्यवस्था बनी रही.

स्वामी विवेकानंद

छुटपन से ही दिखी सत्य बोलने की ताकत

बात उन दिनों की है जब स्वामीजी स्कूल में पढ़ते थे. मेधावी तो वे बचपन से थे. वे जब कुछ कहते, साथी मंत्रमुग्ध होकर सुनते. एक दिन कक्षा में वो कुछ मित्रों को कहानी सुना रहे थे, सभी साथी इससे सुनने में मग्न हो गए. स्थिति ऐसी थी कि उन्हें पता ही नहीं चला कि शिक्षक कक्षा में आ गए और पढ़ाना शुरू कर दिया. इसी बीच कक्षा में फुसफुसाहट ने शिक्षक का ध्यान खींचा. उन्होंने कड़क आवाज में पूछा कि कौन बात कर रहा है? छात्रों ने स्वामीजी और उनके साथ बैठे छात्रों की तरफ इशारा कर दिया.

इससे नाराज शिक्षक ने उन छात्रों को बुलाया और पाठ से संबंधित प्रश्न पूछने लगे. स्वामी विवेकानंद के अलावा कहानी सुन रहा कोई बच्चा प्रश्न का जवाब नहीं दे पाया. इस पर शिक्षक को यकीन हो गया कि स्वामीजी पाठ पर ध्यान दे रहे थे और बाकी छात्र बातचीत में लगे थे. इस पर उन्होंने स्वामीजी को छोड़ सभी को बेंच पर खड़े होने की सजा दे दी. सभी छात्र एक-एक कर बेंच पर खड़े हुए तो उनके साथ स्वामीजी भी खड़े हो गए. इस पर शिक्षक बोले– नरेंद्र तुम बैठ जाओ ! यह सुनकर स्वामी विवेकानंद ने विनम्रता से खुद के लिए भी सजा के लिए आग्रह किया. उन्होंने कहा कि सर, मैं ही इन छात्रों से बात कर रहा था. उनके सच बोलने की हिम्मत से प्रभावित हुए बिना कोई नहीं रह सका.

आचार्य अजय मिश्रा

आज से बन रही गुरु–मंगल की युति, इन राशियों की बल्ले–बल्ले

आज यानी 12 जुलाई को मंगल वृषभ राशि में गोचर करेंगे. यहां पर पूर्व से गुरु संचरण कर रहे हैं. यानी आज से एक ही राशि (वृषभ) में दो ग्रह की मौजूदगी होगी. ऐसी स्थिति को ज्योतिष विज्ञान में युति बनना कहते हैं. स्पष्ट है कि आज का बदलाव यह है कि गुरु-मंगल की युति बनेगी. यह युति करीब 12 साल बाद बनने जा रही है, जिसके पहले साल 2013 में बनी थी. यह स्थिति या युति कुछ राशियों के लिए बहुत लाभकारी सिद्ध होगी. आइए जाने कि यह युति किन राशियों की चांदी कर देंगे–

मेष राशि – यदि आपकी राशि मेष है तो अपनी सफलता बटोरने के लिए तैयार हो जाइए. आपके लिए गुरु-मंगल की युति भाग्य का पिटारा लेकर आई है. अगर नौकरी में हैं तो प्रमोशन, वेतन-वृद्धि के मौके मिलेंगे. सफलता व विकास के द्वार खुलेंगे. प्रतियोगिता परीक्षाओं में शामिल हुए विद्यार्थी सफलता के संवाद पा सकते हैं. आर्थिक स्थिति में सुधार होगा.

कन्या राशि – कन्या राशि वालों के लिए गुरु-मंगल की जोड़ी समृद्धि का योग लेकर आई है. आय के नए मार्ग खुलेंगे. भाग्यवश कुछ काम बनेंगे. व्यापारियों को लाभ के नए मौके मिलेंगे. इस अवधि में आप प्रभावशाली लोगों से मुलाकात कर सकते हैं. नौकरीपेशा को प्रमोशन मिल सकता है. परिजनों के साथ बेहतर संबंध रहेंगे और घर में उत्सव का माहौल रहेगा.

वृश्चिक राशि – गुरु-मंगल की युति से वृश्चिक राशि वालों के लिए लाभ का पिटारा ले कर आई है. आर्थिक स्थिति में जबरदस्त सुधार होगा. समाज में मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. अगर स्वास्थ्य संबंधी समस्या से पिछले कुछ समय से परेशान हैं तो राहत भरा समय शुरू होगा. कोर्ट-कचहरी के कामों में सफलता मिलेगी. पुरानी चल रही समस्याओं से राहत मिलेगी.

धनु राशि – गुरु-मंगल की युति धनु राशि वालों के बेहतर समय शुरू हो गया है. हर तरफ से सफलता-खुशियों की सूचना मिलेगी. अगर लंबे समय से नौकरी के लिए प्रयासरत हैं तो रोजगार की प्राप्ति होगी. करियर में विकास होगा. प्रमोशन-वेतन वृद्धि के मौके मिलेंगे. व्यापारियों को मुनाफा होगा. सामाज में आपकी मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी.

मीन राशि – मीन राशि वाले पिछले कुछ समय से गर परेशान है तो समय आ गया है जब आपको इन परेशानियों से मुक्ति मिल जाएगी. गुरु-मंगल की युति जीवन इनके जीवन में वरदान की तरह आया है. मानसिक शांति की प्राप्ति होगी. अगर नौकरी में बदलाव चाहते हैं तो समय उपयुक्त है. बेहतर मौके मिलेंगे और आय में भी वृद्धि होगी.

इस बार कुछ पहले आएंगी त्यौहारों की खुशियां

आचार्य प्रणव मिश्रा

चातुर्मास 17 जुलाई से प्रारंभ हो रहा है. यह इस बार 118 दिन का होगा. इस बार सारे पर्व-त्यौहार पिछले वर्ष की तुलना में 10 से 11 दिन पहले आएंगे.

शुभ और सौम्य योग के साथ 17 जुलाई देवशयनी एकादशी से चातुर्मास प्रारंभ होगा और इसका समापन 12 नवंबर को देवउठनी एकादशी पर होगा. इस तरह इस वर्ष चातुर्मास 118 दिन का होगा. पिछले वर्ष यह 148 दिन यानी 5 मास का था. दरअसल गत वर्ष अधिमास होने के कारण दो श्रावण मास थे. इस कारण चातुर्मास चार की बजाए पांच माह तक चला था. चातुर्मास शुरू होने के बाद जितने भी पर्व-त्योहार होंगे वे पिछले वर्ष की तुलना में 10 से 11 दिन पहले आएंगे. आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष में पड़ने वाली एकादशी को देवशयनी एकादशी कहा जाता है, जो भगवान विष्णु को समर्पित है. इसके बाद ही श्री हरि चार महीने के लिए क्षीरसागर में शयन के लिए चले जाते हैं. फिर कोई भी शुभ और मांगलिक कार्य नहीं किया जाता है. इसके बाद देवउठनी एकादशी के बाद शुभ और वैवाहिक कार्य संपन्न होते हैं.

चंद्रमास और सौर मास का असर

वैदिक पंचाग की गणना चंद्रमास और सौर मास के आधार पर की जाती है, जिसमें एक चंद्रमास 354 दिन का होता है और एक सौर मास 365 दिन का होता है. इसमें 11 दिनों का अंतर आता है. जिससे हर तीसरे वर्ष 33 दिनों का एक अतिरिक्त माह बन जाता है, जिसे अधिकमास कहते हैं, जो कि पिछले वर्ष था. दो श्रावण माह के रूप में इसलिए इस बार पर्व और त्योहारों में 10, 11 दिनों का अंतर देखने को मिलेगा. वह भी देवशयनी एकादशी के बाद से. इस बार श्रीकृष्ण जन्माष्टमी 26 अगस्त को मनाई जाएगी. पिछले साल यह 7 सितंबर को थी. यानी इस बार यह 11 दिन पहले रहेगी. महिलाओं का हरतालिका तीज व्रत इस साल 6 सितंबर को है. गत वर्ष यह 18 सितंबर को है, यानी 12 दिन पहले इस बार यह तीज मनेगी. इसी तरह डोल ग्यारस इस साल 14 सितंबर को है. पिछले साल यह 25 सितंबर को थी. अनंत चतुर्दशी 17 सितंबर को है, गत वर्ष यह 28 सितंबर को थी. पितृ पक्ष इस बार 18 सितंबर से शुरू होंगे. पिछले साल यह 30 सितंबर को शुरू हुए थे. नवरात्र इस बार 3 अक्टूबर से है, दशहरा 12 अक्टूबर को होगा, दीपावली 31 अक्टूबर को रहेगी. गत वर्ष 15 अक्टूबर को नवरात्र शुरू हुए थे, दशहरा 24 अक्टूबर को था और दीपावली 12 नवंबर को मनाई गई थी.

साधु-संत प्रभु की साधना में रहते हैं लीन

चातुर्मास के चार मासों में साधु-संत एक ही स्थान पर निवास करके प्रभु की साधना में लीन रहते हैं. उनका भ्रमण भी बंद हो जाता है. इस एकादशी को भगवान श्रीहरि की विधिवत पूजन से सभी प्रकार के पापों का नाश होता है. मन का शुद्धिकरण होता है तथा मन निर्मल होकर सभी विकार से दूर हो जाता है. इस व्रत के प्रभाव से मनुष्य मृत्यु पश्चात मोक्ष को प्राप्त करता है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

मो. सिराज को सरकारी नौकरी मिली, युजवेंद्र चहल को टी20 वर्ल्ड कप जीतने पर मिला खास उपहार

टी20 वर्ल्ड कप जीतने पर क्रिकेट खिलाड़ियों पर तोहफों की बरसात

एजेंसी। नयी दिल्ली

टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टीम इंडिया और उसके खिलाड़ियों का चारों ओर डंका बज रहा है. बीसीसीआई ने खिलाड़ियों को 125 करोड़ का इनाम तो दिया. साथ ही राज्य सरकारें भी टीम इंडिया के खिलाड़ियों को इनाम दे रही हैं. रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे, यशस्वी जायसवाल को महाराष्ट्र के सीएम ने कुल 11 करोड़ का इनाम दिया. टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम इंडिया के सदस्य रहे युजवेंद्र चहल ने भी हरियाणा के सीएम नायब सिंह से मुलाकात की. वर्ल्ड चैंपियन खिलाड़ी का जबरदस्त स्वागत किया गया और इस दौरान सीएम नायब ने उन्हें एक खास तोहफे से सम्मानित किया. दूसरी तरफ, भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की सराहना करते हुए तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को क्रिकेटर को इनाम के तौर पर एक आवासीय भूखंड और सरकारी नौकरी देने की घोषणा की. भारत की टी-20 विश्व कप जीत के बाद पिछले सप्ताह अपने गृह नगर हैदराबाद लौटे सिराज ने तेलंगाना मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट की. एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि मुख्यमंत्री ने सिराज को सम्मानित किया और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उनकी प्रशंसा की.

तेलंगाना के सीएम के साथ मो. सिराज.

हरियाणा के सीएम के साथ यजुवेंद्र चहल.

चहल को मैच खेलने का मौका नहीं मिला

युजवेंद्र चहल वर्ल्ड चैंपियन तो बने लेकिन उन्हें इस टूर्नामेंट में एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला. चहल टीम इंडिया के लिए सबसे ज्यादा टी20 इंटरनेशनल विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं लेकिन वो टीम संयोजन में फिट नहीं बैठ सके. हालांकि इसके बावजूद उन्होंने टीम को टी20 वर्ल्ड कप में पूरा सहयोग दिया. युजवेंद्र चहल टी20 वर्ल्ड कप विनिंग स्क्वाड में थे तो उन्हें भी बीसीसीआई से 5 करोड़ का इनाम मिला है. सीएम नायब सिंह ने सोशल मीडिया पर फोटो पोस्ट कर चहल से मुलाकात का जिक्र किया. उन्होंने लिखा, 'टी-20 वर्ल्ड कप की विश्वविजेता भारतीय क्रिकेट टीम का हिस्सा रहे और हरियाणा की मिट्टी के लाल युजवेंद्र चहल से मिलना हुआ. नायब सिंह ने चहल की तारीफ करते हुए लिखा कि इस खिलाड़ी की वजह से हरियाणा के युवाओं को खेल में अपना करियर बनाने की प्रेरणा मिली है.

राज्यों में भी जबरदस्त स्वागत हो रहा

टीम इंडिया के हर खिलाड़ी का उनके राज्यों में भी जबरदस्त स्वागत हो रहा है. कुछ ऐसा ही स्वागत युजवेंद्र चहल का किया गया है. हरियाणा के सीएम नायब सिंह ने इस खिलाड़ी को सम्मानित किया. युजवेंद्र अपनी मां के साथ सीएम नायब सिंह से मिलने पहुंचे. सीएम नायब ने इस खिलाड़ी को वर्ल्ड चैंपियन बनने पर बधाई दी और साथ ही उन्हें श्रीराम और हनुमान की एक खूबसूरत सी प्रतिमा भी भेंट में दी.

ब्रीफ खबरें

मुंबई सिटी एफसी का कैरेलिस से अनुबंध

मुंबई। मुंबई सिटी एफसी ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल टूर्नामेंट के आगामी सत्र के लिए गुरुवार को यूनान के स्ट्राइकर निकोलाओस केरेलिस से अनुबंध की घोषणा की. निकोस केरेलिस के नाम से भी पहचाना जाने वाला यह फुटबॉलर पहली बार भारत में खेलेगा. केरेलिस ने अपने युवा करियर की शुरुआत एर्गोटेलिस की ओर से की और फिर 2007 में सीनियर स्तर पर पेशेवर पदार्पण किया.

पेरिस में अदिति से पदक जीतने की उम्मीद

नयी दिल्ली। महान क्रिकेटर और पीजीटीआई के नये अध्यक्ष कपिल देव का मानना है कि भारत की शीर्ष गोल्फर अदिति अशोक की फॉर्म अगर दबाव भरे हालात में भी बरकरार रहे तो वह पेरिस ओलंपिक में पदक जीत सकती हैं. अदिति ने टोक्यो ओलंपिक में अंत तक पदक की दौड़ में बनी रही थी, लेकिन फिर पदक से चूककर चौथे स्थान पर रहीं. तब वह कांस्य पदक विजेता लिडिया को से एक स्ट्रोक और नेली कोर्डा से दो स्ट्रोक पीछे रहीं.

जूनियर फ्रेंच ओपन में सीधे प्रवेश का मौका

नयी दिल्ली। भारतीय खिलाड़ियों के पास अन्य एशियाई खिलाड़ियों के साथ अगले साल होने वाले जूनियर फ्रेंच ओपन में सीधे प्रवेश का मौका होगा जब पहला रोलां गैरो जूनियर सीरिज क्वालीफाइंग टूर्नामेंट 16 से 25 अक्टूबर तक टोक्यो में खेला जायेगा. टोक्यो में होने वाले टूर्नामेंट के लिये क्वालीफाई वही खिलाड़ी कर सकेंगे, जो कजाखस्तान (पांच से नौ अगस्त) और चीन (11 से 17 अगस्त) में क्षेत्रीय क्वालीफाइंग टूर्नामेंट खेलेंगे.

पाकिस्तान के टेस्ट कप्तान बने रहेंगे मसूद

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और कोच जेसन गिलेस्पी ने व्यस्त अंतरराष्ट्रीय सत्र से पहले राष्ट्रीय टीम के टेस्ट कप्तान के रूप में शान मसूद पर भरोसा जताया है, लेकिन सीमित ओवरों के क्रिकेट में बाबर आजम की कप्तानी पर फैसला बाद में किया जाएगा. पाकिस्तान को इस साल अक्टूबर में तीन मैच की टेस्ट श्रृंखला में इंग्लैंड की मेजबानी करनी है जबकि बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज का भी सामना करना है. पीसीबी ने बुधवार को बैठक की जिसमें फैसला हुआ.

दुबई या श्रीलंका में हो सकते हैं भारत के चैंपियंस ट्रॉफी के मैच

मैच खेलने पाकिस्तान नहीं जाएगी टीम इंडिया

एजेंसियां। मुंबई

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन पाकिस्तान में होना है. टीम इंडिया के इस टूर्नामेंट के लिए पाक जाने की संभावना नहीं है. एक रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड इसको लेकर आईसीसी से बात करेगा. इस बार चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन हाईब्रीड मॉडल के तहत हो सकता है. टीम इंडिया के मैच दुबई या श्रीलंका में आयोजित हो सकते हैं. इससे पहले एशिया कप में भी ऐसा ही हुआ था.

एएनआई की एक खबर के मुताबिक टीम इंडिया के चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान जाने की संभावना नहीं है. बीसीसीआई आईसीसी से दुबई या श्रीलंका में मैचों की मेजबानी करने के लिए बात करेगी. यह भी हो सकता है कि टीम इंडिया अपने मैच दुबई या श्रीलंका में खेले और बाकी मुकाबले में पाकिस्तान में आयोजित हों. इससे पहले एशिया कप में ऐसा ही हुआ था. भारत ने अपने सभी मैच श्रीलंका में खेले थे. बता दें कि टीम इंडिया और पाकिस्तान ग्रुप ए में है. इसके साथ-साथ न्यूजीलैंड और बांग्लादेश भी इसी ग्रुप में है. ग्रुप बी में इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान को रखा गया है.

पाकिस्तान जाने के लिए तैयार नहीं है खिलाड़ी

सूत्र ने बताया कि टीम इंडिया का कोई भी खिलाड़ी पाकिस्तान जाने के लिए तैयार नहीं है. हालांकि इसको अभी और भी बातचीत चल रही थी. भारत तो पाकिस्तान जाने के लिए तैयार नहीं है. लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट टीम पिछले साल वनडे विश्व कप के लिए यहां आई थी. इसी वजह से अभी और भी बातचीत हो सकती है.

लाहौर में खेला जाना है भारत और पाकिस्तान के सभी मैच

पाकिस्तान ने हाल ही में आईसीसी को चैंपियंस ट्रॉफी का ड्राफ्ट सौंपा था. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पूरा शेड्यूल भी तैयार कर लिया था. उसने भारत और पाकिस्तान के मैच को लाहौर में आयोजित करने का प्लान बनाया है. यह मुकाबला 1 मार्च को खेला जाना है. लेकिन टीम इंडिया के पाकिस्तान न जाने से उसके प्लान पर पानी फिर जाएगा. उसने सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए टीम इंडिया के सभी मैच लाहौर में ही रखे है. पाकिस्तान ने चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारी शुरू कर दी है. उसने करोड़ों रुपए खर्च करके मैदानों को ठीक करवाने का प्लान बनाया है. पीसीबी ने इसके लिए काम भी शुरू कर दिया है.

बीसीसीआई ने अभी नहीं की है मैच खेलने को लेकर पुष्टि

यहां तक कि बीसीसीआई सचिव जय शाह ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद जो प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी, उसमें भी इस बात की पुष्टि नहीं की थी कि भारतीय टीम पाकिस्तान जाएगी हालांकि, जय शाह ने इस बात की पुष्टि जरूर कर दी है कि भारतीय टीम आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में रोहित शर्मा की कप्तानी में खेलेगी. जय शाह ने ही एशियन क्रिकेट काउंसिल के चेयरमैन और बीसीसीआई के सचिव के तौर पर इस बात की पुष्टि की थी कि एशिया कप 2023 के लिए भारतीय टीम पाकिस्तान नहीं जाएगी. ऐसे में पीसीबी ने हाइब्रीड मॉडल का सुझाव दिया था, जिसे भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने स्वीकार किया. फाइनल समेत इंडिया और अन्य टीमों के ज्यादातर मैच श्रीलंका में आयोजित हुए थे.

यूरो 2024 : स्टॉपेज टाइम में गोल करके जीत हासिल की

नीदरलैंड को हराकर फाइनल में इंग्लैंड

एजेंसी। डॉर्टमंड

एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए स्टॉपेज टाइम में ओली वाटकिंस के गोल के दम पर इंग्लैंड ने नीदरलैंड को 2-1 से हराकर यूरो फुटबॉल चैंपियनशिप 2024 के फाइनल में प्रवेश कर लिया, जहां उसका सामना स्पेन से होगा. इंग्लैंड के कोच जेरेथ साउथगेट ने कप्तान हैरी केन की जगह वाटकिंस को मैदान पर बुलाने का साहसिक फैसला लिया और स्टॉपेज टाइम के पहले ही मिनट में उसने गोल करके इसे सही साबित कर दिया. यूरो 2024 के नॉकआउट चरण में इंग्लैंड के लिए जूड बेलिंगघम ने स्टॉपेज टाइम में बराबरी का गोल किया था. इंग्लैंड ने स्लोवाकिया को अंतिम 16 के मुकाबले में हराया और स्विटजरलैंड को पेनल्टी शूट आउट में हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी थी. इंग्लैंड ने आखिरी बार 1966 विश्व कप में खिताबी जीत दर्ज की थी, जिसके बाद से टीम कोई बड़ा खिताब नहीं जीत सकी है. वाटकिंस इससे पहले इस बार यूरो चैंपियनशिप में डेनमार्क के खिलाफ ग्रुप मैच में सब्स्टीट्यूट के तौर पर उतरे थे. साउथगेट ने 80वें मिनट में जब उन्हें उतारने का फैसला किया, तो सभी को हैरानी हुई. लेकिन यह उनका मास्टर स्ट्रोक साबित हुआ. इंग्लैंड पहली बार विदेश में फाइनल खेलेगा.

कोपा कप 2024: मुकाबला मेस्सी की अर्जेंटीना से

उरूग्वे को 1-0 से हराकर कोलंबिया की टीम फाइनल में

एजेंसी। चार्लोट

कोलंबिया ने उरूग्वे पर 1-0 से तनावपूर्ण जीत के बाद 23 साल में पहली बार कोपा अमेरिका फुटबॉल चैंपियनशिप के फाइनल में प्रवेश कर लिया. हालांकि आखिरी सीटी बजने के बाद खिलाड़ियों और दर्शकों के बीच में झड़प हो गयी. कोलंबिया के लिए 39वें मिनट में जैफरसन लेरमा ने गोल किया. अब कोलंबिया का सामना रविवार को गत चैंपियन लियोनेल मेस्सी की अर्जेंटीना से होगा. वहीं उरूग्वे की टीम तीसरे स्थान के मुकाबले में कनाडा से खेलेगी. कोलंबिया इससे पहले 2001 में अपनी मेजबानी में कोपा अमेरिका खिताब जीता था. इस मैच में एक लाल कार्ड के अलावा सात पीले कार्ड दिखाए गए. दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच काफी धक्का-मुक्की देखी गयी. मैच के बाद दर्शकों के बीच हुए झगड़े में डारविन नुनेज और उरूग्वे के दर्जनों खिलाड़ी कूद पड़े. एक वीडियो में दिखाया गया कि नुनेज ने कोलंबिया की जर्सी पहने एक प्रशंसक को पीटा.

कोलंबिया-उरूग्वे मैच के बाद भिड़े दर्शक, उरूग्वे के खिलाड़ी भी पहुंचे

चार्लोट। कोपा अमेरिका सेमीफाइनल में कोलंबिया के हाथों उरूग्वे की एक गोल से हार के बाद दोनों टीमों के समर्थकों से हाथापाई हो गयी जिसमें डारविन नुनेज समेत उरूग्वे के भी कई खिलाड़ी शामिल हो गए. तनावपूर्ण मुकाबले के बाद उरूग्वे टीम की बेंच के पीछे प्रशंसक आपस में भिड़ गए. मैदान पर जमा 70644 दर्शकों में से 90 प्रतिशत कोलंबिया के समर्थक थे लेकिन उरूग्वे के प्रशंसक भी थोड़ी तादाद में पहुंचे थे. हाथापाई में दोनों गुटों ने एक दूसरे पर पेय पदार्थ फेंके. इसके बाद नुनेज और उनके साथ भी सीढ़ियों के रास्ते दीर्घा में पहुंच गए.

विंबलडन 2024

मुसेत्ती पहली बार सेमीफाइनल में, सामना नोवाक जोकोविच से

एजेंसी। लंदन

इटली के लोरेंजो मुसेत्ती ने अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज को हराकर विंबलडन सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया और करियर में पहली बार वह किसी ग्रैंडस्लैम में अंतिम चार में पहुंचे हैं. उन्होंने साढे तीन घंटे तक चला यह मुकाबला 3-6, 7-6, 6-2, 3-6, 6-1 से जीता. वह पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम में चौथे दौर से आगे पहुंचे हैं, लेकिन अब उनके सामने नोवाक जोकोविच के रूप में करियर की सबसे बड़ी चुनौती है. सात बार के चैंपियन जोकोविच 13वीं बार विंबलडन और 49वीं बार ग्रैंडस्लैम सेमीफाइनल में पहुंचे हैं और उन्होंने रोजर फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी की है. महिला वर्ग में 2022 की चैंपियन एलेना रिबाकिना ने एलिना स्वितोलिना को 6-3, 6-2 से हराया. वहीं 31वीं रैंकिंग वाली बारबरा क्रेइसिकोवा ने 13वीं रैंकिंग वाली येलेना ओस्टापेंको को 6-4, 7-6 से मात दी.

चौथा ओलंपिक खेलने जा रहे हॉकी स्टार मनप्रीत, कहा-

उतार-चढ़ावों ने मजबूत बनाया

भाषा। बेंगलुरु

अभावों में बीता बचपन, मां के बेहिसाब संघर्ष, करियर में झूठे आरोप सभी कुछ झेला है मनप्रीत सिंह ने, लेकिन कठिनाइयों की आग में तपकर कुंदन बना मीठापुर का यह हॉकी स्टार अब पेरिस में करियर का चौथा ओलंपिक खेलेगा. टोक्यो ओलंपिक में 41 साल बाद कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के कप्तान रहे मनप्रीत ने ओलंपिक के लिए रवानगी से पहले यहां भाषा को दिये विशेष इंटरव्यू में कहा, बहुत अच्छा लग रहा है. मैंने कभी सोचा नहीं था कि चार ओलंपिक खेल पाऊंगा. हर खिलाड़ी का सपना होता है ओलंपिक खेलना और पदक जीतना. मैं खुद को काफी खुशकिस्मत मानता हूं कि ये मेरा चौथा ओलंपिक है. मात्र 19 वर्ष की उम्र में 2011 में भारत के लिए पदार्पण करने वाले इस अनुभवी मिडफील्डर ने कहा, मैं यह सोचकर जा रहा हूं कि ये मेरा आखिरी ओलंपिक है और मुझे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है. ओलंपिक पदक जीतने के बाद हालांकि उन्होंने अपने करियर का सबसे बुरा दौर देखा, जब पूर्व कोच शोर्ड मारिन ने अपनी किताब में उन पर आरोप लगाया कि 2018 राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान उन्होंने एक युवा खिलाड़ी को जान बूझकर खराब खेलने के लिए कहा, ताकि उनके दोस्त को टीम में जगह मिल सके.

मनप्रीत ने पहली बार उन आरोपों के बारे में खुलकर बात करते हुए कहा कि वह पूरी तरह टूट गए थे और उनका भरोसा हर किसी पर से उठ गया था. हालांकि टीम ने उनका पूरा साथ दिया, जिसकी वजह से वह इससे उबर सके. उन्होंने कहा, मेरे लिये वह सबसे कठिन दौर था. मैं इस तरह की चीजों के बारे में कभी सोच भी नहीं सकता था. उस समय टीम ने मेरा साथ दिया और कहा कि हम तुम्हें जानते हैं और तुम्हारे साथ हैं.

सौरव गांगुली ने कोलकाता रॉयल टाइगर्स टीम खरीदी

भाषा। नयी दिल्ली

पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने इस साल अगस्त और सितंबर के बीच होने वाले 'इंडियन रेसिंग फेस्टिवल' 2024 में कोलकाता रॉयल टाइगर्स टीम खरीदी. कोलकाता की रेसिंग टीम इस प्रतियोगिता में पदार्पण करेगी जिसमें हैदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, गोवा, कोच्चि और अहमदाबाद की सात टीमें भी इसमें हिस्सा लेंगी. 'इंडियन रेसिंग फेस्टिवल' में दो मुख्य चैम्पियनशिप होंगी जो इंडियन रेसिंग लीग और फॉर्मूला 4 इंडियन चैम्पियनशिप हैं. इस जुड़ाव पर उत्साह से भरे भारतीय क्रिकेट बोर्ड के पूर्व प्रमुख गांगुली ने कहा, मैं इंडियन रेसिंग फेस्टिवल में कोलकाता की टीम के साथ इस यात्रा को शुरू कर काफी उत्साहित हूं.

मोटरस्पोर्ट हमेशा ही मेरा जुनून रहा है और कोलकाता रॉयल टाइगर्स के साथ हमारा उद्देश्य इंडियन रेसिंग फेस्टिवल में एक मजबूत विरासत बनाने के साथ नयी पीढ़ी को प्रेरित करना है. रेसिंग प्रोमोशंस प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक अखिलेश रेड्डी ने गांगुली का स्वागत किया.

दिल की बात — लड़कियां फिट बने और खेलो में आगे आएं : नेहवाल

टेनिस में बैडमिंटन से बेहतर कर सकती थी: साइना

भाषा। नयी दिल्ली

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल को लगता है कि अगर उन्होंने बैडमिंटन खेलने के बजाय टेनिस का रैकेट पकड़ा होता तो वह बतौर खिलाड़ी और बेहतरीन प्रदर्शन कर सकती थीं. बैडमिंटन खिलाड़ी के तौर पर भी साइना ने काफी प्रभावित किया है जिसमें वह दुनिया में शीर्ष रैंकिंग हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला शटलर बनीं और वह ओलंपिक पदक जीतने वाली देश की पहली महिला एथलीट भी बनीं. राष्ट्रपति भवन में हर स्टोरी-माई स्टोरी बातचीत के दौरान साइना ने कहा, कभी कभार मुझे लगता है कि अगर मेरे माता-पिता ने मुझे टेनिस में डाला होता तो अच्छा होता. इसमें ज्यादा पैसा है और मुझे लगता है कि मैं ज्यादा ताकतवर थी. मैं टेनिस में बैडमिंटन से बेहतर कर सकती थी. साइना ने कइयों को बैडमिंटन में आने के लिए प्रेरित किया है लेकिन जब उन्होंने आठ साल की उम्र में खेलना शुरू किया था तो उनके लिए कोई आदर्श नहीं था.

बैडमिंटन खिलाड़ी के तौर पर भी साइना ने काफी प्रभावित किया है

साइना ने कहा, जब मैंने शुरुआत की थी तो मेरे लिए कोई आदर्श नहीं था. यह कहने के लिए कोई नहीं था, मैं दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी बनना चाहती हूं या ओलंपिक पदक विजेता बनना चाहती हूं. मुझसे पहले मैंने किसी को बैडमिंटन में ऐसा करते नहीं देखा था. लंदन ओलंपिक के कांस्य के अलावा साइना ने विश्व चैंपियनशिप में कांस्य और रजत पदक जीते व राष्ट्रमंडल खेलों में भी कई स्वर्ण पदक जीते. मैं हमेशा बच्चों को खेलों पर ध्यान लगाने के लिए कहती हूं. चीन 60-70 पदक जीतता है और हमें सिर्फ तीन चार पदक मिलते हैं. इतने सारे डॉक्टर और इंजीनियर होते हैं और उनके नाम अखबारों में नहीं आते. साइना ने कहा, मैं विशेषकर लड़कियों से आगे आने के लिए कहूंगी कि वे फिट होना शुरू करें और खेलों में आयें. अब हम बच्चों के लिए मौजूद हैं, उनके लिए प्रेरणा के लिए दुनिया की नंबर एक, ओलंपिक चैम्पियन और इतनी सारी पदक विजेता हैं. उन्होंने अपने करियर के बारे में बात करते हुए कहा कि उनकी कड़ी मेहनत ने प्रतिभा की कमी की भरपाई की. मुझे कड़ी मेहनत करना पसंद है, मैं इतनी प्रतिभाशाली खिलाड़ी नहीं थी. मुझे काफी मेहनत करनी पड़ती थी. अगर कोई प्रतिभाशाली खिलाड़ी कोई चीज 100 बार करता था तो मुझे इसे 1000 दफा करना पड़ता था, लेकिन मुझे कड़ी मेहनत करना पसंद है. मेरे कोचों को मेरा कभी हार नहीं मानने वाला जज्बा पसंद है.

ओलंपिक से पूर्व मुंबई में सिंधू के स्मैश की रफ्तार जेना के थ्रो का मना जश्न

मुंबई। शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू, भाला फेंक एथलीट किशोर जेना और हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश कुछ ऐसे खिलाड़ी हैं जिनकी उपलब्धियों का 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक से पहले शहर में जश्न मनाया गया. ओलंपिक के लिए भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की आधिकारिक फुटवेयर खेल का सामान बनाने वाली कंपनी प्यूमा ने चैम्पियंस ऑफ द गेम का जश्न मनाने के लिए गुरुवार को यहां एक आउटडोर अभियान लांच किया गया, जिसके अंतर्गत विभिन्न स्थलों पर खिलाड़ियों की छवियां दिखेंगी. ओलंपिक दल के कुल 45 भारतीय एथलीट जर्मनी की कंपनी का प्रतिनिधित्व करेंगे.

अनंत-राधिका अंबानी की स्पेशल पूजा सेरेमनी में माही-साक्षी का जलवा

महेंद्र सिंह धोनी और साक्षी ने अनंत-राधिका अंबानी की स्पेशल पूजा सेरेमनी में कहर ढाया. कपल का देसी लुक देख फैन फिदा हो गए. महेंद्र सिंह धौनी और उनकी पत्नी साक्षी दोनों हमेशा ही लाइमलाइट लूटते हुए नजर आते हैं. सोशल मीडिया पर एक्टिव नहीं होने के बावजूद धोनी सुर्खियां बटोरते रहते हैं. उनकी पत्नी साक्षी अक्सर कई तस्वीरें शेयर करती रहती हैं.

राशिफल
आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष शत्रु मानसिक रूप से परेशान करेंगे. समय स्वास्थ्य के लिए अनुकूल नहीं है. रोग और शत्रु से परेशानी हो सकती है. कुसंगति से बचें. चोट व रोग से बचें. विवाद न करें, पर आय के लिए दिन अच्छा है. धन का आगमन होगा.

वृषभ शिक्षा में लाभ होगा. आपको ही इसकी भरपाई करनी होगी. शिक्षा में सुधार होगा. बकाया वसूली होगी. व्यवसाय ठीक चलेगा. विवाद न करें. नेत्र पीड़ा की संभावना. कार्य सम्पन्न होगा, जिसका कुछ लाभ भी होगा.

मिथुन समय सामान्य है. भाई बहन से किसी बात को लेकर विवाद हो सकता है. जलज रोग से घर में परेशानी होगी. माता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. जायदाद वृद्धि के योग बनेंगे. विरोधी सक्रिय होंगे. जोखिम व जमानत के कार्य टालें.

कर्क कार्य करने के लिए अच्छा मौका है. पूरी ताक़त से कार्य करें. कोई नया कार्य होगा. लाभ का वातावरण बनेगा. पराक्रम बढ़ेगा. विजय मिलेगी, गर्व न करें. राजकीय सहयोग प्राप्त होगा. धर्म-कर्म में रुचि रहेगी. व्यवसाय ठीक चलेगा.

सिंह समय अनुकूल है. आपके द्वारा किये गए कार्य में सुधार दिख रहा है. समय अनुकूल है. बस मेहनत और लगन चाहिए. थोड़ा खर्च बढ़ेगा. पर धनागम के अवसर बनेंगे. अकारण भय बना रहेगा. सूर्य को जल दें.

कन्या समय सामान्य है. परिवार में किसी से विवाद हो, इससे पहले अपना मुंह बन्द करना ही उचित है. यदि यात्रा बहुत जरूरी नही है तो टालना ही उचित है. हानि, भय, कष्ट का वातावरण बनेगा. कुछ लाभ के आसार दिखेंगे. अन्न दान करें.

तुला मंजिल सामने है, पर आलस और काम टालने के चलते नुकसान होगा. संपत्ति के कार्य लाभ देंगे. थकान महसूस होगी. प्रसन्नता रहेगी. कष्टों में वृद्धि के योग हैं. पर कुछ नए कार्य की संभावना सिद्ध होगी. इत्र दान करें.

वृश्चिक आय के लिए प्रयास सफल होगा. माता की सलाह नहीं भूले. रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे. स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा. व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा. रोग घेरेंगे. चिंताएं बढ़ेंगी. कार्य और प्रभाव से शत्रु शांत होंगे.

धनु दौड़-धूप अधिक होगी. विवाद न करें. स्वास्थ्य कमजोर रहेगा. धनलाभ के अवसर होंगे. अकारण भय व्याप्त होगा. शत्रु शांत होंगे. आप अपना कार्य से मतलब रखें. जब कार्य पूर्ण हो, तभी उसका बखान करना चाहिए. अन्न दान करें.

मकर किसी अपरिचित से कोई विवाद हो सकता है. मातृपक्ष से परेशानी होगी. दुर्घटना की संभावना. धन मिलने की परिस्थिति निर्मित होगी. अंतर-प्रेरणा से कार्य करें. धनागम के अवसर बढ़ेंगे. प्रमाद का त्याग करना होगा.

कुंभ जीवनसाथी से किसी बात को लेकर बहस हो सकती है. लाभ-हानि बराबर रहेंगे. प्रमाद बढ़ेगा. भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी. उत्साह-वर्धक सूचना मिलेगी. व्यवसाय ठीक चलेगा. आपके प्रभाव से शत्रु शांत होंगे. काली वस्तु दान करें.

मीन ऋण लेने से बचें. शत्रु हानि कर सकता है. इससे पहले ही सतर्क रहें. नम्रता बनाए रखें. यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे. अप्रत्याशित लाभ होगा. प्रसन्नता रहेगी. प्रमाद न करें. शुभ समाचार मिलेगा. अन्न दान करें.

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर परिवार नियोजन मेले का आयोजन

सिमडेगा । विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर परिवार नियोजन मेला सह पखवाड़ा का आयोजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोलेबिरा में किया गया. जिसमें कोलेबिरा प्रखंड प्रमुख श्रीमती दुतामी हेमरम, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, मुखिया अंजना लकड़ा, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. केके शर्मा एवं हंस फाउंडेशन के प्रतिनिधि के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत किया गया. उक्त मेला में परिवार नियोजन हेतु अस्थायी विधि अपनाने वाले योग दंपतियों के बीच सामग्रियों का वितरण, एवं स्थायी विधि अपनाने वाले योग दंपतियों के लिए दिनांक 18/07/2024 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोलेबिरा में महिला बंध्याकरण एवं पुरुष नसबंदी कैंप का आयोजन किया गया है. इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रखंड के प्रखण्ड कार्यक्रम प्रबंधक सभी कर्मी सभी सहिया, सहिया साथी एवं बीटीटी उपस्थित हुए.

खिलाड़ियों को बेहतर सुविधा दिलाने के लिए झापा लगातार प्रयासरत

सिमडेगा । पूर्व मंत्री एनोस एक्का ने कहा कि सिमडेगा जिला की पहचान खेल नगरी के रूप में है. जिले में खेल के विकास और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधा दिलाने के लिए झापा प्रतिबद्ध है. एनोस एक्का गुरुवार को पाकरटांड़ प्रखंड के ठेठईटांगर में आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता में समापन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों की छुपी प्रतिभा को सामने आने का मौका मिलता है. उन्होंने सभी खिलाड़ियों को अच्छे खेल के लिए शुभकामना दी. प्रतियोगिता का फाइनल मैच तिर्की ब्रदर्स हेलेनपुर बनाम एफसी खिजरी के बीच खेला गया. जहां एफसी खिजरी की टीम 1-0 से विजयी रही. मौके पर युवा जिलाध्यक्ष संदेश एक्का, आईरीन एक्का ने कहा कि जिले के युवाओं में खेल प्रतिभा की कमी नहीं है. मौके पर जिलाध्यक्ष मतियस बागे, अमजद खान, महादेव सिंह, रजत लकड़ा, अरविंद एक्का, रतन लकड़ा, पहियास कुजूर, आकर्षण लकड़ा, गिदयोन एक्का, नोवेल लकड़ा, विवेक लकड़ा, शीतल लकड़ा, अंतुल एक्का आदि उपस्थित थे.

बाल अधिकार सुरक्षा मंच के कार्यक्रम में एस्पायर ने मंत्री और सांसद को दिया आंकड़ा

पश्चिम सिंहभूम जिले में 52 हजार से अधिक बच्चे शिक्षा से वंचित

शैलेश सिंह। किरीबुरु

कार्यक्रम को संबोधित करते मंत्री दीपक बिरुवा.

बाल अधिकार सुरक्षा मंच, पश्चिमी सिंहभूम के तत्वावधान में चाईबासा के पिल्लई हाल में जिला स्तरीय बाल अधिकार को सुनिश्चित करने के लिए जिला स्तरीय सम्मेलन का बुधवार को आयोजन किया गया था. इस सम्मेलन के मुख्य अतिथि मंत्री दीपक बिरुवा और विशिष्ट अतिथि सिंहभूम की सांसद जोबा माझी, जिला परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सुरेन थे. सम्मेलन में बाल अधिकार के साथ-साथ शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 को मजबूती के साथ कक्षा एक से पांच व कक्षा एक से आठ तक संचालित सरकारी विद्यालयों में सख्ती से लागू करवाने की मांग की गयी. सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे बाल अधिकार सुरक्षा मंच के जिला अध्यक्ष हरिन तामसोप ने पश्चिमी सिंहभूम में सरकारी विद्यालयों में शिक्षा संसाधन, बच्चों के नामांकन, ठहराव, शिक्षकों की कमी आदि बिंदुओं पर पीपीटी प्रजेंटेशन के माध्यम से मंत्री, सांसद, जिला परिषद अध्यक्ष, बाल संरक्षण आयोग के सदस्य के समक्ष रखा. इसमें बताया गया कि एस्पायर के इस वर्ष के सर्वेक्षण के अनुसार पश्चिम सिंहभूम जिला के 16 प्रखंड में 6-14 वर्ष के 32,932 बच्चे और 15-17 वर्ष के 18,596 बच्चे विद्यालय से बाहर पाये गये हैं.

प्राथमिक विद्यालय एक, मध्य विद्यालय 3 व उच्च विद्यालय 5 किमी पर हैं : बताया गया कि जिले के 1030 ऐसे टोले हैं, जिसमें प्राथमिक विद्यालय एक किलोमीटर से अधिक तथा 1017 टोले ऐसे हैं, जिसमें मध्य विद्यालय 3 किलोमीटर से अधिक दूरी पर है. साथ ही 2106 ऐसे टोले हैं, जिसमें उच्च विद्यालय 5 किलोमीटर से अधिक दूरी पर स्थित है. जिले में इतनी बड़ी संख्या में बच्चों के विद्यालयी शिक्षा से दूर होने के कारण विद्यालय से टोले की अधिक दूरी, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, जाति प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र का नहीं होना, पारिवारिक, समाजिक, आर्थिक स्थिति कमजोर, जागरुकता की कमी, विद्यालय में शिक्षक की कमी के साथ साथ संसाधनों का आभाव आदि दर्जनों कारण बताये गये.

बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ना होगा : बिरुआ

परिवहन मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा कि बाल अधिकार सुरक्षा मंच का इतने सारे बच्चों को अधिकार दिलाने उठाया गया बीड़ा सराहनीय है. हम सभी मिल कर इसे मुकाम तक ले जायेंगे. आधार कार्ड, बैंक पासबुक, जन्म प्रमाण पत्र के कारण यदि बच्चे विद्यालय से दूर हैं तो यह चिंता का विषय है. इन बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ना होगा. क्षेत्र में मुंडा मानकी व पंचायती राज व्यवस्था है. सभी मिल कर शिक्षा से वंचित बच्चों को विद्यालय से जोड़ें. जनजातियों का स्थिति हर क्षेत्र में दयनीय है. विद्यालय जाने से वंचित बच्चों का नामांकन समय रहते हो. इसके लिए वे जिला प्रशासन से बात करेंगे.

पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण बच्चे होते हैं ड्रॉप आउट : सांसद

सांसद जोबा माझी ने कहा कि बाल अधिकार मंच द्वारा विद्यालय से दूर रहने वाले बच्चों का आंकड़ा चिंता का विषय है. जिले की भौगोलिक स्थित अलग है. पहाड़ी क्षेत्र होने की वजह भी कई बच्चे ड्रॉप आउट हो जाते हैं. शिक्षक-बच्चे व संसाधन के बीच की खाई को दूर करना है. बच्चों के अनुपात में शिक्षकों की और जरुरत है. शिक्षक-सेविका, विद्यालय प्रबंधन समिति व सभी लोग अपनी जिम्मेदारी बेहतर ढंग से निभाएं. समुदाय व जनप्रतिनिधि को भी बच्चों शिक्षा का अधिकार दिलाने के लिए आगे आना होगा. शिक्षक की कमी दूर करने के लिए सरकार दृढ़संकल्प है. जिस विधालय में शिक्षक की कमी है दूर होगी. सम्मेलन को एस्पायर के सचिव दयाराम ने भी संबोधित किया. इस अवसर पर बाल संरक्षण आयोग के सदस्य आबा विरेंद्र, मिन्हाजुल हक, विकास दोजराजका, सचिव तरुण सवैंया, बाबुराम लागुरी, रमेश जेराई, जी नरेश, वी रमन, विधायक प्रतिनिधि, मुंडा-मानकी, विभिन्न प्रखंड से आये बाल अधिकार आदि मौजूद थे.

झामुमो का भाजपा पर सरकार को अस्थिर करने का आरोप, कहा

छठ तक चुनाव संभव नहीं

विशेष संवाददाता। रांची

झामुमो ने केंद्र सरकार और भाजपा पर ईडी और सीबीआई के बाद अब इलेक्शन कमीशन के जरिए राज्य सरकार को फिर से अस्थिर करने का आरोप लगाया है. कहा कि जिस प्रकार से इलेक्शन कमीशन की टीम झारखंड आई और जिस प्रकार से बैठकें कर रही हैं, इससे पदाधिकारियों में भ्रम और भय पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है. झारखंड में धार्मिक, सांस्कृतिक एवं भौगोलिक दृष्टिकोण से छठ तक चुनाव संभव नहीं है. आखिर भाजपा को किस बात का डर है. पूरे देश में हर स्टेट का समय पूर्व चुनाव करा कर क्या हासिल हो जाएगा, इसका जवाब भाजपा को देना चाहिए. भाजपा यह नहीं चाहती है कि राज्य की सरकार की योजनाओं का लाभ जनता तक पहुंचे. अगर झारखंड में जबरन समय पूर्व चुनाव थोपने का प्रयास हुआ, तो झामुमो उसका मुंह तोड़ जवाब देगा. उक्त बातें पार्टी के महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने गुरुवार को पार्टी कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कही.

सावन से लेकर कार्तिक तक पर्व त्योहार और खेती का समय : भट्टाचार्य ने कहा कि जुलाई से अगस्त के बीच श्रावण मास रहेगा. भादो में भी देश के लाखों लोग देवघर आते हैं. इसके अतिरिक्त भादो में जन्माष्टमी, करमा सहित कई तरह के पर्व-त्योहार होते हैं. आश्विन में दो अक्टूबर को महालया है. तीन अक्टूबर को नवरात्र शुरू होगा. 12 अक्टूबर को विजयदशमी होगी. 17 अक्टूबर को लक्खी पूजा है जो पूरे संथाल और कोल्हान क्षेत्र में उत्सव के तौर पर मनाई जाती है. 21 अक्टूबर को अमावस्या और काली पूजा. इसके बाद 7 नंवबर को दीपावली और फिर छह दिन बाद छठ है. इतना ही नहीं छठ में यहां पर निवास करने वाले लाखों यूपी, बिहार के लोग अपने पैतृक स्थान वापस जाते हैं. जो कार्तिक मास के बाद लौटते हैं. पूरा कार्तिक पर्व-त्योहार ही होता है. अगर बारिश की बात की जाए, तो झारखंड में मॉनसून लेट है. इसलिए जुलाई से सितंबर तक खेती-बाड़ी का समय रहेगा. अब ऐसी स्थिति में चुनाव करना पूरी तरह से अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक होगा.

10 नवंबर से 20 दिसंबर तक कभी भी करा लें चुनाव : उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट के एक निर्णय के अनुसार इलेक्शन कमीशन को यह निर्देश मिला है कि 30 सितंबर तक जम्मू और कश्मीर में चुनाव संपन्न करा लें. सरकार ने इसी की आड़ में हरियाणा, महाराष्ट और झारखंड में चुनाव कराने की मंशा पाल रखी है. मगर यह गलत होगा. जहां-जहां पर भाजपा की सरकार है, वहां पर वह समय पूर्व चुनाव क्यों नहीं कराती है. आखिर झारखंड में तीन महीने और चुनाव नहीं होगा तो कौन सा पहाड़ टूट पड़ेगा. सुप्रियो ने कहा, दरअसल यह पूरी साजिश झारखंड सरकार के घोषित योजनाएं और सरकारी नौकरी देने के शिड्यूल को देखते हुए रची जा रही है, ताकि इसका लाभ जनता तक नहीं पहुंच पाये. इलेक्शन कमीशन झारखंड में 10 नवंबर से 20 दिसंबर तक कभी भी चुनाव करा ले, स्वागत है. क्योंकि झारखंड में वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल का अवधि समाप्ति 4 जनवरी 2025 है. इसलिए भाजपा इलेक्शन कमीशन की आड़ में झारखंड के लोगों के धार्मिक एवं सांस्कृतिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ न करे, नहीं तो इसका विरोध होगा.

चुनाव की घोषणा से पहले ही डर गया झामुमो : रामाकांत महतो

रांची । प्रदेश भाजपा प्रवक्ता रमाकांत महतो ने झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य के बयान पर पलटवार करते हुए कड़ी प्रतिक्रिया दी. कहा कि झामुमो आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भयभीत है. यही कारण है कि सत्ता मद में चूर झामुमो देश के संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग को फरमान सुना रहा हैं. साथ ही फरमान का पालन नहीं होने पर आंदोलन के जरिये परिणाम भुगतने की धमकी दे रहा है. झामुमो के डीएनए में देश के संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करना व उसे आदेशात्मक तरीके से धमकी देना प्रवृत्ति रहा है. झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य की स्मरण शक्ति शायद कमजोर हो चुकी है. उन्होंने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जमानत पर जेल से बाहर आते ही दंभ भर रहे थे कि राज्य में जब चुनाव हो जाए हम डरने वाले नही हैं. फिर आज झामुमो को चुनाव की घोषणा के पूर्व ही डर सताने लगा.

केंद्रीय मंत्री शिवराज चौहान 14 और हिमंता 16 जुलाई को आएंगे झारखंड

संवाददाता ।रांची

झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा सक्रिय हो गई है. इसके मद्देनजर केंद्रीय मंत्री एवं प्रदेश के चुनाव

प्रभारी शिवराज सिंह चौहान 14 जुलाई और असम के मुख्यमंत्री एवं चुनाव सह-प्रभारी हिंमता विश्व सरमा 16 जुलाई को रांची पहुंचेंगे. अमित शाह की बैठक को लेकर दोनों नेता तैयारियों की समीक्षा करेंगे. शिवराज 14 जुलाई को रांची में पार्टी की ओर से खिजरी विधानसभा में आयोजित कार्यकर्ता अभिनंदन समारोह और विजय संकल्प सभा में हिस्सा लेंगे. प्रदेश भाजपा की ओर से छह जुलाई से विधानसभावार कार्यकर्ता अभिनंदन व विजय संकल्प सभा का आयोजन किया जा रहा है. यह कार्यक्रम 15 जुलाई तक चलेगा. हिमंता विश्व सरमा 16 जुलाई को रांची में विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे. 20 जुलाई को गृहमंत्री अमित शाह विस्तारित कार्यसमिति की बैठक में हिस्सा लेने पहुंच रहे हैं. इस बैठक में मंडल स्तर के कार्यकर्ता हिस्सा लेंगे. अमित शाह की बैठक को लेकर दोनों ही प्रभारी तैयारी की समीक्षा करेंगे. विस्तारित कार्यसमिति के एजेंडे पर चर्चा होगी.

85 लाख कीमत के अफीम के साथ तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता। बालूमाथ (लातेहार)

लातेहार पुलिस को नशा के सौदागरों के विरुद्ध एक बड़ी सफलता हाथ लगी है. पुलिस ने 85 लाख रुपये कीमत के 17 किलो अफीम के साथ तस्कर धर्मेंद्र प्रसाद साव को भी गिरफ्तार किया है. गुरुवार को बारियातू थाना में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी देते हुए बालूमाथ पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी आशुतोष कुमार सत्यम ने इस बात की जानकारी दी. बताया कि मंगलवार को पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली कि बारियातू थाना क्षेत्र अंतर्गत राजगुरु निवासी धर्मेंद्र कुमार साव द्वारा अवैध रूप से अफीम की खरीद-बिक्री का धंधा किया जाता है. त्वरित कार्रवाई करने पर उसके घर से भारी मात्रा में अवैध अफीम की बरामदगी हो सकती है. इसके बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बालूमाथ के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया. इसमें थाना प्रभारी बारियातू राजा दिलावर, बालूमाथ थाना प्रभारी विक्रांत कुमार उपाध्याय व छापामारी दल ने राजगुरू निवासी धर्मेंद्र प्रसाद साव पिता धनेश्वर साव के घर की तलाशी करने पर धर्मेंद्र प्रसाद साव के घर से 16.920 किग्रा अफीम बरामद की. इसका बाजार मूल्य लगभग 84 लाख 60 हजार रुपये है. अभियुक्त धर्मेंद्र प्रसाद साव के द्वारा अफिम के इस अवैध व्यापार में अन्य लोगों की संलिप्तता के संबंध में भी बताया गया है. पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया है.

मुहर्रम पर्व पर शांति व्यवस्था बनाने का निर्देश

- मुर्हरम को लेकर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक संपन्न

संवाददाता। लातेहार

उपायुक्त गरिमा सिंह के निर्देश पर अपर समाहर्ता रामा रविदास की अध्यक्षता में मुहर्रम पर्व में सुरक्षा व्यवस्था व विधि व्यवस्था संधारण को ले कर समाहरणालय में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गयी. बैठक में मुहर्रम पर्व को शांति एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में सम्पन्न कराने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गयी.

मुहर्रम पर्व पर शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए पूर्व में ही सभी आवश्यक तैयारी पूरी कर लेने का निर्देश दिया. सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखने की बात कही गयी. श्री रविदास ने कहा कि त्योहार के दौरान यदि किसी शरारती तत्व द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से अफवाह फैलाने की कोशिश की गयी, तो उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी. बैठक में प्रखंड स्तर पर किए जाने वाले शांति समिति की जानकारी ली गई. वैसे संवेदनशील स्थानों में जहां सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ने की आशंका है, उन स्थानों पर विशेष नजर बनाए रखने व शांति व्यवस्था बिगाड़ने वाले व्यक्तियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध धारा 107 के तहत कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया.

जुलूस निकाले जाने के दौरान बिजली से किसी प्रकार की दुर्घटना न हो इसके लिए कार्यपालक अभियंता विद्युत प्रमंडल को उस दौरान बिजली आपूर्ति बंद रखने का निर्देश दिया गया. बैठक में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े पुलिस अधीक्षक श्री अंजनी अंजन के द्वारा पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा गया कि मुहर्रम के अवसर पर जुलुस निकालने वाले सभी अखाड़ों की सूची तैयार कर लें तथा उन्हें पूर्व में ही सभी आवश्यक दिशानिर्देश दे दें. आगे उन्होंने कहा कि जिस मार्ग से मुहर्रम का जुलूस निकाला जाएगा उसका पूर्व में निर्धारण एवं सत्यापन कर लें.

सोशल मीडिया पर यदि किसी तरह की झूठी खबर या अफवाह पोस्ट किया जाता है तो अविलंब इसकी सूचना नजदीकी थाना या प्रशासनिक पदाधिकारी को दें. उन्होने संवेदनशील स्थानों पर वीडियो कैमरा एवं ड्रोन से वीडियोग्राफी करने की व्यवस्था रखने का निर्देश दिया.

डॉ. मेहता बोले

स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान में बनेगा गेट, लगेंगी प्रतिमाएं

संवाददाता। पलामू

पांकी विधायक कुशवाहा डॉ शशिभूषण मेहता ने कहा कि यह हम सबों के लिए गौरव की बात है कि आज अमर शहीद स्वतंत्रता सेनानी बिफई भगत जी के सम्मान में तोरण द्वार का शिलान्यास कर रहे हैं. बारी-बारी से प्रखंड के सभी स्वतंत्रता सेनानियों के नाम से द्वारा बनाएंगे व सभी स्वतंत्रता सेनानियों का एक स्थान पर प्रतिमा भी स्थापित करेंगे. डॉ मेहता गुरुवार को हाई स्कूल रोड स्थित पानी टंकी के पास स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय बिफई राम भगत के नाम एक तोरण द्वारा के शिलान्यास कार्यक्रम में कहीं. इसके पूर्व विधायक, चेंबर अध्यक्ष व बिफई भगत के वंशजों ने पूजा अर्चना कर व नारियल तोड़कर द्वार का शिलान्यास किया. मौके पर विधायक ने कहा कि पूर्व के जनप्रतिनिधि के द्वारा इनके नाम पर यहां एक द्वारा बनाया गया. परंतु बाद में गेट पर अपना नाम लिखवा कर स्वतंत्रता सेनानी का अपमान किया. उनके द्वारा किए गए अपमान को सम्मान दिलाने के लिए उसी जगह पर अमर शहीद स्वतंत्रता सेनानी बिफई राम भगत जी के नाम एक तोरण द्वार का शिलान्यास कर रहे हैं.

रांची के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के चार तीरंदाजों को मिले तीर

संवाददाता। रांची

रांची के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के एकलव्य तीरंदाजी प्रशिक्षण केंद्र होटवार के चार तीरंदाज को तीर दिये गये हैं. सावित्री कुमारी, अंजनी कुमारी, प्रधान सिक्नू और दीपक कुमार को 12-12 तीर मिले हैं. जानकारी के अनुसार. झारखंड खेल निदेशक संदीप कुमार ने बीते दिनों होटवार के तीरंदाजी प्रशिक्षण केंद्र में खिलाड़ियों से मुलाकात की. उन्होंने भुवनेश्वर में 12 जुलाई से आयोजित वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ट्रायल में भाग लेने जा रहे खिलाड़ियों को बोकारो के केंद्र से तीर मंगवाकर दिया. इस दौरान निदेशक ने अगस्त तक सभी खिलाड़ियों को इक्विपमेंट देने को भरोसा दिलाया.

आधुनिक ट्रेनिंग में खिलाड़ियों को हो रही परेशानी : बता दें कि तीन जुलाई को रांची एकलव्य तीरंदाजी प्रशिक्षण केंद्र के खिलाड़ी इक्विपमेंट सहित अन्य समस्याओं को लेकर खेल निदेशालय गये थे. वहां उन्होंने साझा के संयुक्त निदेशक राज किशोर खाखा से मुलाकात की थी. रांची एकलव्य तीरंदाजी प्रशिक्षण केंद्र में 45 खिलाड़ी हैं, जो राज्य के विभिन्न जिलों से आये हैं. वर्तमान में आधुनिक ट्रेनिंग में उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.

सरकारी स्कूलों के 978 शिक्षकों का हुआ अंतर जिला तबादला

प्राथमिक शिक्षा निदेशालय ने जारी किया आदेश

प्रमुख संवाददाता। रांची

प्राथमिक शिक्षा निदेशालय ने राज्य के सरकारी स्कूलों के 978 शिक्षकों का अंतर जिला तबादला कर दिया है. इसका आदेश गुरुवार को जारी कर दिया गया. बताते चलें कि जिला शिक्षा स्थापना समिति द्वारा इंटर प्रशिक्षित कक्षा एक से पांच और स्नातक प्रशिक्षित कक्षा छह से आठ शिक्षकों की विशेष परिस्थिति में स्थानांतरण के संबंध में ऑनलाइन शिक्षक स्थानांतरण पोर्टल पर प्राप्त अंतर जिला स्थानांतरण से संबंधित आवेदन मांगा गया था. आवेदनों पर प्राथमिक शिक्षा निदेशालय के अंतर्गत गठित राज्य स्तरीय स्थापना समिति की बैठक 2 जुलाई को हुई. इसमें लिये गये निर्णय के आलोक में अंतर जिला स्थानांतरण शर्तों के अधीन किया गया है.

ये हैं शर्तें

- नये जिले में स्थानांतरित शिक्षक शिक्षिकाओं का वेतनमान वही होगा, जिस वेतनमान में वे इस अंतर जिला स्थानांतरण के पूर्व कार्यरत थे.
- स्थानांतरित शिक्षकों की वरीयता नव पदस्थापित जिला में पूर्व से उस वेतनमान व ग्रेड में कार्यरत शिक्षकों से नीचे होगा.
- नव पदस्थापित जिला में समान वेतनमान व ग्रेड वाले शिक्षकों की वरीयता योगदान की तिथि से निर्धारित होगी.
- स्थानांतरित शिक्षकों की उक्त सूची में यदि कोई ऐसे शिक्षक भी पाये जाते हैं, जिनकी सेवा नियमित नहीं है अथवा जो विधिवत नियुक्त नहीं है, उन शिक्षकों के स्थानांतरण आदेश का अनुपालन नहीं किया जाए.
- स्थानांतरित शिक्षक की उक्त सूची में यदि ऐसे शिक्षक हों, जिनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही लंबित हो, तो उन शिक्षकों का अंतर जिला स्थानांतरण विभागीय कार्यवाही के निष्पादन के पश्चात ही प्रभावी माना जाएगा.
- विभागीय आदेश निर्गत होने की तिथि से 10 दिनों के अंदर संबंधित शिक्षकों को स्थानांतरित जिले में योगदान समर्पित करना अनिवार्य होगा.
- स्थानांतरित जिला में शिक्षकों के पदस्थापन के क्रम में विभागीय संकल्पों का दृढ़तापूर्वक पालन किया जाए.

पेज एक का शेष

शाम है इतनी मतवाली...

नेता प्रतिपक्ष के भाषण के हिस्से कार्यवाही से निकाल दिये जायें और प्रधानमंत्री को बोलने से रोकने का प्रयास किया जाय, राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष खरगे जी खुद वेल में आ जायें, लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति की तौहीन की जाये, उन पर फब्तियां कसी जायें तो कहना पड़ता है कि जब शाम है इतनी मतवाली तो सुबह का आलम क्या होगा.

राहुल गांधी ने अपनी भूल सुधारते हुए कहा कि उन्होंने हिंदुओं को नहीं, आरएसएस, भाजपा को हिंसक कहा. लेकिन क्या इसका कोई प्रमाण उन्होंने दिया ? उन्होंने यह भी कहा कि आप लोग हिंदू नहीं हो. तो फिर कौन से हिंदू हिंसा करते हैं, नफरत फैलाते हैं ? सदन में भोलेनाथ और गुरुनानक देव जी के चित्र लहराने की क्या जरूरत थी ? क्या यह संसदीय परंपरा के अनुरूप है ? दरअसल वह चाहते थे कि बवाल हो, लेकिन नहीं हुआ. आगे नहीं होगा, इसकी गारंटी कौन लेगा ? इस्लाम पर बोलने में हमारे सेक्युलरिस्टों की घिग्घी बंध जाती है. सर से तन जुदा होने का खतरा सदैव बना रहता है. हिंदू सहिष्णु है. जातियों में बंटा है. जितना चाहो लतिआओ. लेकिन अब यह नहीं चलेगा. हिंदू भी अब थोड़ा सोचने-समझने लगा है. ऐसा नहीं होता तो मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री नहीं बनते. अच्छा है, राहुल अपना हिंदू विरोधी उपक्रम जारी रखें. खैर, वह चाहते तो सदन में महंगाई, बेरोजगारी, आंतरिक और बाह्य सुरक्षा, स्वास्थ्य कुपोषण पर सरकार को निरुत्तर कर सकते थे. लेकिन उन्हें अपने वोट बैंक को संबोधित करना था और ऐसी भंगिमा ओढ़नी थी मानो वह मोदी को धराशायी कर देंगे. फिर मोदी ने उन्हें जिन विशेषणों से विभूषित किया और जैसा जवाब दिया, वह भविष्य के प्रति कोई सुकूनभरी उम्मीद पैदा नहीं करता है. इसी महीने बजट सत्र शुरू हो रहा है. वह भी हंगामी होगा. विपक्ष खासतौर से कांग्रेस तय कर चुकी है कि वह सरकार की चलने नहीं देगी और सरकार भी यकीनन उसी की भाषा में जवाब देगी.

महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखंड विधानसभा चुनावों के बाद शायद थोड़ी परिस्थिति बदले, वह भी तब जब भाजपा का प्रदर्शन ठीक-ठाक हो, अन्यथा प्याले में तूफान पैदा करने की जो कवायद कांग्रेस ने शुरू की है, उससे संसद की बहसें भाजपा बनाम कांग्रेस में ही लीन रहेंगी. इस बार भी राहुल ने भाजपा के साथी दलों पर कुछ नहीं बोला और मोदी ने भी सिर्फ कांग्रेस को ही निशाने पर लिया. इससे मोदी बनाम राहुल की राजनीति राष्ट्रीय स्तर पर छानेवाली है. यह चटक और गाढ़ी हुई तो किसके कितने साथी मुंह बिदकायेंगे और अपनी डफली पर अपना राग गाने को बेचैन हो जाएंगे, इसके लिए अभी इंतजार करना पड़ेगा.

विश्व आदिवासी दिवस

लोगों से अपील-पारंपरिक वेशभूषा में कार्यक्रम में हों शामिल

आदिवासी समुदाय व संगठनों के हजारों लोग जुटेंगे

सुकेश कुमार ।चाईबासा

विश्व आदिवासी दिवस पर इस बार आदिवासी परंपरा और संस्कृति का समावेश होगा. पश्चिमी सिंहभूम जिला के मुख्यालय में 9 अगस्त को विभिन्न आदिवासी समुदाय एवं संगठनों के लोग एक मंच पर दिखेंगे. इसमें उनकी परंपरा और संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी. यह जानकारी सिंहभूम स्पोर्ट्स एसोसिएशन मैदान में गुरुवार को आयोजन समिति की बैठक में निर्णय लिया गया. बैठक में पूर्व सचिव इपिल सामड ने बताया कि पूर्व में भी विभिन्न जगहों पर संयुक्त रूप से विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाता रहा है. लेकिन वर्ष 2022 से सिंहभूम स्पोर्ट्स एसोसिएशन मैदान में आदिवासी समुदाय के 9 जनजाति एवं 40 से अधिक आदिवासी संगठनों द्वारा एक मंच पर विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाता है. यह शुरुआत जिले के पूर्व डीडीसी संदीप बख्शी एवं आदिवासी हो समाज महासभा और युवा महासभा के कुछ पदाधिकारियों की पहल पर शुरू हुआ था, जो कि आज के समय में काफी विशाल रूप ले लिया. अब यह कार्यक्रम विश्व आदिवासी दिवस आयोजन समिति पश्चिमी सिंहभूम के बैनर तले किया जा रहा है. इस वर्ष सिंहभूम स्पोर्ट्स एसोसिएशन मैदान चाईबासा में संयुक्त रूप से विश्व आदिवासी दिवस आयोजन समिति पश्चिम सिंहभूम के बैनर तले किया जाएगा. इस वर्ष आदिवासी जनजाति एवं 40 से अधिक आदिवासी संगठन 20 हजार से अधिक लोग शामिल होंगे. कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार के लिए जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं गांवों में बैठक कर कार्यक्रम की जानकारी दी जा रही है. 9 अगस्त आदिवासी दिवस के अवसर पर सभी आदिवासी समुदाय के लोगों से अपनी पारंपरिक वेशभूषा में कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की जा रही है.

गणेश को अध्यक्ष और लालू को बनाया सचिव

सिंहभूम स्पोर्ट्स एसोसिएशन मैदान में अंतरराष्ट्रीय आदिवासी दिवस को लेकर बैठक हुई. बैठक की अध्यक्षता पूर्व सचिव इपिल सामड ने की. बैठक में कार्यक्रम को सुचारु रूप से चलाने हेतू नई कमिटी का गठन किया गया. इसमें अध्यक्ष गणेश पाठ पिंगुवा, सचिव लालू कुजूर, उपसचिव राजकमल लकड़ा, गणेश कच्छप, कोषाध्यक्ष संजय लागुरी, सह कोषाध्यक्ष राजकमल पिंगुवा, आकाश हेम्ब्रम को बनाया गया है. साथ ही कार्यक्रम में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने और सफल आयोजन के लिए संरक्षक यदुनाथ तियु, रमेश जेराई, संचू तिर्की, सहदेव किस्पोट्टा, अनिल लकड़ा, बाबूलाल बरहा, लक्ष्मण बरहा, सीताराम सोरेन सहित अन्य को चयनित किया गया. बैठक में बालकिशन देवगम, अनुज दोंगो, बेला जेराई, रवि बिरूली, गब्बर सिंह हेम्ब्रम, हरिन तामसोय, पंकज खलखो, सागर कुंकल, शंकर बिरूवा, शंकर सिद्धू आदि उपस्थित थे. यह जानकारी सचिव लालू कुजूर ने दी.

राष्ट्राध्यक्षों और शासन प्रमुखों की ओर से जारी घोषणापत्र में दोनों देशों के बीच गहराते रिश्ते पर जताई गई चिंता

शिखर सम्मेलन : नाटो के निशाने पर रूस-चीन, बीजिंग ने किया पलटवार

एजेंसी। वाशिंगटन/बीजिंग

उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) ने रूस और चीन के बीच गहराते संबंधों तथा बीजिंग की बढ़ती आक्रामकता पर बुधवार को चिंता जाहिर की. वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने रूस के तेजी से रक्षा उत्पादन बढ़ाने के मद्देनजर उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के सदस्य देशों से बुधवार को अपने औद्योगिक आधार को मजबूत करने का आह्वान किया. इस पलटवार करते हुए चीन ने नाटो पर दूसरों की कीमत पर सुरक्षा की मांग करने का आरोप लगाते हुए संगठन से कहा कि वह एशियाई देशों के बीच ऐसी 'अराजकता' न फैलाए. नाटो ने अपने वाशिंगटन शिखर सम्मेलन घोषणापत्र में कहा, "पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) की महत्वाकांक्षाएं और आक्रामक नीतियां लगातार हमारे हितों, सुरक्षा और मूल्यों को चुनौती दे रही हैं. रूस और पीआरसी के बीच गहराती रणनीतिक साझेदारी तथा नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को कमजोर करने व नया आकार देने के दोनों देशों के प्रयास गंभीर चिंता का विषय हैं." शिखर सम्मेलन में शामिल राष्ट्राध्यक्षों और शासन प्रमुखों की ओर से जारी घोषणापत्र में कहा गया है, "हम सरकार में शामिल और उनसे इतर तत्वों से हाइब्रिड, साइबर, अंतरिक्ष और अन्य खतरों तथा दुर्भावनापूर्ण गतिविधियों का सामना कर रहे हैं." इस सम्मेलन में स्वीडन को नाटो के 32वें सदस्य देश के रूप में शामिल किया गया. घोषणापत्र में कहा गया है कि फिनलैंड और स्वीडन

खास बातें

- चीन ने कहा- एशिया में अराजकता पैदा न करे नाटो
- स्वीडन नाटो के 32वें सदस्य देश के रूप में शामिल

का नाटो में शामिल होना उन्हें सुरक्षित और संगठन को मजबूत बनाता है, 'हाई नॉर्थ' और बाल्टिक सागर क्षेत्रों में भी. इसमें कहा गया है कि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण ने यूरो-अटलांटिक क्षेत्र में शांति और स्थिरता भंग कर दी है तथा वैश्विक सुरक्षा को गंभीर नुकसान पहुंचाया है. घोषणापत्र में कहा गया है कि रूस संगठन के सदस्य देशों की सुरक्षा के लिए सबसे महत्वपूर्ण और प्रत्यक्ष खतरा बना

हुआ है. इसमें कहा गया है, "आतंकवाद, अपने सभी स्वरूपों और अभिव्यक्तियों में, हमारे नागरिकों की सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय शांति एवं समृद्धि के लिए सबसे प्रत्यक्ष खतरा है. हम जिन खतरों का सामना कर रहे हैं, वे वैश्विक और परस्पर जुड़े हुए हैं." सम्मेलन में नाटो ने अपनी प्रतिरोधक क्षमता और रक्षा तंत्र को मजबूत करने, रूस से लड़ाई में यूक्रेन को दीर्घकालिक समर्थन बढ़ाने और नाटो के सदस्य देशों के बीच साझेदारी को गहरा करने के लिए कदम उठाए. घोषणापत्र में कहा गया है, "हम यूक्रेन के राष्ट्रपति (वोलोदिमीर) जेलेंस्की और ऑस्ट्रेलिया, जापान, न्यूजीलैंड, कोरिया गणराज्य तथा यूरोपीय संघ के नेताओं का गर्मजोशी से स्वागत करते हैं." वहीं चीन विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने नाटो द्वारा 'ड्रैगन' पर यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध को 'बढ़ावा देने' का आरोप लगाए जाने पर कहा, 'नाटो द्वारा यूक्रेन के मुद्दे पर चीन की जिम्मेदारी को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करना अनुचित है और इसके पीछे गलत इरादे हैं.' उन्होंने कहा कि यूक्रेन मुद्दे पर चीन का रुख निष्पक्ष है.

बाइडन ने कहा-नाटो देश अपना औद्योगिक आधार मजबूत करें

वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने वाशिंगटन में नाटो शिखर सम्मेलन के एक सत्र के दौरान कहा कि नाटो देशों ने दो साल पहले अपनी प्रतिरोधक क्षमता और रक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाने का फैसला किया था. उन्होंने कहा कि आज हमें खुद से यह सवाल करना होगा कि आगे क्या? हम अपनी ढाल को कैसे मजबूत बना सकते हैं? इसका एक जवाब यह है कि हमें अपने औद्योगिक आधार को मजबूत करना होगा. इस समय रूस तेजी से अपने रक्षा उत्पादन में बढ़ोतरी कर रहा है. वह हथियारों, वाहनों और युद्ध सामग्री का उत्पादन तेजी से बढ़ा रहा है.

यूरोप, एशिया व यूएस के बीच खाई पाटने का काम कर रहे : ब्लिंकन

वहीं अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडन का प्रशासन यूरोप, एशिया और अमेरिका के बीच की खाई को कम करने की कोशिश कर रहा है. ब्लिंकन ने बुधवार को यहां नाटो शिखर सम्मेलन से इतर यह बात कही. इस शिखर सम्मेलन में अमेरिका के हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साझेदारों- ऑस्ट्रेलिया, जापान, दक्षिण कोरिया और न्यूजीलैंड को भी भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है. यह लगातार तीसरी बार है जब अमेरिका ने अपने हिंद प्रशांत भागीदारों को आमंत्रित किया है.

ब्रीफ खबरें

जयाप्रदा आचार संहिता उल्लंघन मामले में बरी

रामपुर। अभिनेत्री और उत्तर प्रदेश के रामपुर से पूर्व सांसद जयाप्रदा को आचार संहिता उल्लंघन के एक मामले में यहां एक अदालत ने बृहस्पतिवार को बरी कर दिया. वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी अमरनाथ तिवारी ने बताया कि जयाप्रदा के खिलाफ अप्रैल 2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान आचार संहिता उल्लंघन के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया था. मामले की सुनवाई स्थानीय सांसद-विधायक अदालत में का जा रही थी.

'द मॉस्को टाइम्स' 'अवांछनीय' घोषित

मॉस्को। रूस के अभियोजक जनरल कार्यालय ने प्रवासी समुदाय के बीच लोकप्रिय एक ऑनलाइन अखबार 'द मॉस्को टाइम्स' को बुधवार को 'अवांछनीय संगठन' घोषित कर दिया. अभियोजक जनरल कार्यालय ने आलोचनात्मक मीडिया संगठनों और विपक्षी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई के बीच यह कदम उठाया. 'अवांछनीय संगठन' घोषित किए जाने का मतलब है कि 'द मॉस्को टाइम्स' को रूस में अपनी सभी गतिविधियां और कामकाज बंद करना होगा.

भारी बॉयलर गिरने से दो मजदूरों की मौत

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में स्थित एक कारखाने में वजनदार बॉयलर गिरने से दो मजदूरों की मौत हो गई. पुलिस ने बताया कि यह हादसा तब हुआ जब क्रेन की मदद से बॉयलर को उठाया जा रहा था, लेकिन अचानक वह मजदूरों के ऊपर गिर गया. कोनगाव पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना बुधवार शाम को भिवंडी के सरावली एमआईडीसी (महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम) में स्थित रंगाई इकाई में हुई थी.

संजय सिंह ने अदालत में किया आत्मसमर्पण

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2021 में जिला पंचायत चुनाव के दौरान आचार संहिता व महामारी अधिनियम से जुड़े मामले में आरोपी आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने बृहस्पतिवार को सांसद-विधायक (एमपी/एमएलए) अदालत में आत्मसमर्पण किया. विशेष मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत ने संजय सिंह की जमानत अर्जी पर सुनवाई करते हुए 'आप' नेता को जमानत व मुचलके पर रिहा करने का आदेश दिया. अदालत ने सिंह को 20 हजार रुपये के मुचलके पर जमानत दे दी.

विदेश मंत्री जयशंकर ने दो दिवसीय सम्मेलन को किया संबोधित

भारत ने बिम्सटेक समूह में नयी ऊर्जा भरने पर दिया जोर

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत ने बृहस्पतिवार को सात देशों के बिम्सटेक समूह से बंगाल की खाड़ी के देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए नयी ऊर्जा, संसाधन और नयी प्रतिबद्धता का आह्वान किया. यह अपील विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने राष्ट्रीय राजधानी में दो दिवसीय सम्मेलन में बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल (बिम्सटेक) सदस्य देशों के अपने समकक्षों की मेजबानी करते हुए की. बिम्सटेक दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया के सात देशों को बहुआयामी सहयोग के लिए एक साथ लाता है. भारत के अलावा बिम्सटेक में श्रीलंका, बांग्लादेश, म्यांमार, थाईलैंड, नेपाल और भूटान शामिल हैं. जयशंकर ने कहा कि बिम्सटेक को उच्च आकांक्षाएं रखनी चाहिए. जयशंकर ने सम्मेलन के पहले दिन अपनी शुरुआती टिप्पणी में कहा, "भारत के लिए बिम्सटेक उसके 'पड़ोस प्रथम' दृष्टिकोण, 'पूर्व की ओर देखो नीति' और 'सागर' दृष्टिकोण के अहम पड़ाव का प्रतिनिधित्व करता है." उन्होंने कहा, "इनमें से प्रत्येक प्रयास बंगाल की खाड़ी पर विशेष ध्यान देने के साथ प्रस्तावित किया जा रहा है, जहां सहयोगात्मक क्षमता का लंबे समय से उपयोग नहीं किया गया है." उन्होंने कहा, "हमारी चुनौती इसे बेहतर बनाने की है, और ऐसा तेजी से करना है."

बिम्सटेक को एक जीवंत मंच बनाने का प्रयास

बिम्सटेक को क्षेत्रीय सहयोग के लिए एक जीवंत मंच बनाने के लिए भारत ठोस प्रयास कर रहा है, क्योंकि दक्षेस (दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन) के तहत पहल विभिन्न कारणों से आगे नहीं बढ़ रही थी. भारत, 'सागर' (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास) की व्यापक नीति रूपरेखा के अंतर्गत हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के साथ सहयोग कर रहा है. बिम्सटेक विदेश मंत्रियों की बैठक का उद्देश्य खुले तौर पर, स्पष्ट और फलदायी ढंग से विचारों का आदान-प्रदान करना है. जयशंकर ने कहा, "बैंकॉक में पिछले सम्मेलन से हम सभी को लाभ मिला था. अब इस सम्मेलन का विशेष महत्व है क्योंकि यह इस वर्ष के अंत में होने वाले शिखर सम्मेलन के लिए मजबूत परिणाम तैयार करने का काम करेगा." उन्होंने कहा, "हमारा संदेश स्पष्ट होना चाहिए - कि हम सभी बंगाल की खाड़ी के देशों के बीच सहयोग में नयी ऊर्जा, नए संसाधन और नयी प्रतिबद्धता लाने के लिए कृतसंकल्पित हैं." थाईलैंड बिम्सटेक का वर्तमान अध्यक्ष है और इस वर्ष के अंत में वह समूह के वार्षिक शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा.

सुरक्षा परिषद, डब्ल्यूटीओ में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है ब्रिक्स : ओम बिरला

नयी दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रमुख विकासशील देशों का संगठन 'ब्रिक्स' वैश्विक शासन व्यवस्था को और अधिक लोकतांत्रिक बनाने तथा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद एवं विश्व व्यापार संगठन जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है. रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में आयोजित 'ब्रिक्स संसदीय मंच' में उन्होंने समावेशी और सतत विकास के ब्रिक्स के एजेंडा को आगे बढ़ाने में संसद और सांसदों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए यह भी कहा कि भारत इस दिशा में सक्रिय रूप से भागीदारी कर रहा है. लोकसभा सचिवालय से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, 'ब्रिक्स संसदीय मंच' में चार नए सदस्यों मिस्र, इथोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात का स्वागत करते हुए बिरला ने नए सदस्यों को संगठन में निर्बाध रूप से शामिल किए जाने के लिए रूस की अध्यक्षता की सराहना की. बिरला का कहना था, 'विकासशील देशों के हितों का प्रतिनिधित्व करने वाला ब्रिक्स वैश्विक शासन व्यवस्था को और अधिक लोकतांत्रिक बनाने तथा वैश्विक स्तर पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, विश्व व्यापार संगठन जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है.'

हरियाणा विस चुनाव के लिए इनेलो व बसपा ने की गठबंधन की घोषणा

चंडीगढ़। इंडियन नेशनल लोक दल (इनेलो) ने इस साल के अंत में होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए अपने पूर्व सहयोगी दल बहुजन समाज पार्टी (बसपा) से फिर से हाथ मिलाने का फैसला किया है. दोनों दलों के नेताओं ने बृहस्पतिवार को यह घोषणा की. दोनों दलों के बीच हुए सीटों के बंटवारे के तहत हरियाणा में 90 विधानसभा सीटों में से बसपा 37 पर चुनाव लड़ेगी जबकि बाकी की सीटों पर इनेलो चुनाव लड़ेगी. इनेलो नेता अभय चौटाला गठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद का चेहरा भी होंगे. चंडीगढ़ के बाहरी इलाके नयागांव में बसपा के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए अभय चौटाला ने कहा कि यह गठबंधन स्वार्थी हितों पर आधारित नहीं है, बल्कि लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए किया गया है. चौटाला ने कहा, 'हरियाणा में हमने आगामी विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ने का फैसला किया है. आज, आम जनता ने भाजपा को सत्ता से बेदखल करने और कांग्रेस को सत्ता से दूर रखने का मन बना लिया है जिसने पहले 10 साल तक राज्य को लूटा.' बसपा के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद ने कहा कि हाल में बसपा सुप्रीमो मायावती और अभय चौटाला ने गठबंधन के संबंध में एक लंबी बैठक की थी. उन्होंने कहा, 'उस बैठक में यह तय किया गया कि हरियाणा में 90 विधानसभा सीटों में से बसपा 37 सीटों पर चुनाव लड़ेगी जबकि बाकी की सीटों पर इनेलो चुनाव लड़ेगी.' आनंद ने कहा कि अगर गठबंधन राज्य में सत्ता में आता है तो अभय चौटाला मुख्यमंत्री बनेंगे.

डीयू में छात्रों को मनुस्मृति पढ़ाने के प्रस्ताव का विरोध

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय के एलएलबी के छात्रों को मनुस्मृति पढ़ाने के प्रस्ताव की शिक्षकों के एक वर्ग ने आलोचना की है. शुक्रवार को अकादमिक परिषद की बैठक में मनुस्मृति पढ़ाए जाने पर चर्चा की जानी है. विधि संकाय ने अपने प्रथम और तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों को 'मनुस्मृति' पढ़ाने के लिए पाठ्यक्रम में संशोधन करने के वास्ते दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) की निर्णय लेने वाली सर्वोच्च संस्था से मंजूरी मांगी है. न्यायशास्त्र विषय के पाठ्यक्रम में परिवर्तन एलएलबी के प्रथम और छठे सेमिस्टर से संबंधित है. संशोधनों के अनुसार विद्यार्थियों के लिए दो पाठ्यपुस्तकों- जी.एन. झा द्वारा लिखित 'मेधातिथि के मनुभाष्य के साथ मनुस्मृति' और टी. कृष्णस्वामी अय्यर द्वारा लिखी 'मनुस्मृति- स्मृतिचंद्रिका का टीका' पाठ्यक्रम में शामिल करने का प्रस्ताव है. बैठक के मुख्य बिंदुओं के अनुसार संशोधनों का सुझाव देने के निर्णय को संकाय की पाठ्यक्रम समिति की 24 जून को हुई बैठक में सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया, जिसकी अध्यक्षता डीन अंजू वली टिक्कू ने की.

'प्रगतिशील शिक्षा प्रणाली' के खिलाफ है मनुस्मृति : एसडीटीएफ

इस कदम पर आपत्ति जताते हुए वाम समर्थित सोशल डेमोक्रेटिक टीचर्स फ्रंट (एसडीटीएफ) ने डीयू के कुलपति योगेश सिंह को पत्र लिखकर कहा है कि मनुस्मृति में महिलाओं और हाशिए के समुदायों के अधिकारों को लेकर 'प्रतिगामी' दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया गया है और यह 'प्रगतिशील शिक्षा प्रणाली' के खिलाफ है. सिंह को लिखे पत्र में एसडीटीएफ के महासचिव एस.एस. बरवाल और अध्यक्ष एस.के. सागर ने कहा कि छात्रों को मनुस्मृति पढ़ने की सलाह देना अत्यधिक आपत्तिजनक है, क्योंकि यह भारत में महिलाओं और हाशिए पर पड़े समुदायों की प्रगति और शिक्षा के लिए प्रतिकूल है. एसडीटीएफ ने प्रस्ताव को शीघ्र वापस लेने और 12 जुलाई को होने वाली अकादमिक परिषद की बैठक में इसे मंजूरी न दिए जाने की मांग उठाई. कुलपति से विधि संकाय और संबंधित स्टाफ सदस्यों को मौजूदा पाठ्यक्रम के आधार पर न्यायशास्त्र विषय पढ़ाते रहने का आदेश जारी करने का आग्रह किया गया.

बाइडन का भारतीय-अमेरिकियों के बीच समर्थन 19 प्रतिशत घटा

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिका में साल 2020 में हुए चुनाव और 2024 में होने वाले चुनाव

अंतराल के दौरान मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन का समर्थन करने वाले भारतीय-अमेरिकियों की संख्या में 19 प्रतिशत की गिरावट आई है. द्विवार्षिक एशियाई अमेरिकी मतदाता सर्वेक्षण (एएवीएस) ने बुधवार को यह जानकारी दी. एशियाई अमेरिकी मतदाता सर्वेक्षण दो साल में एक बार किया जाता है और यह एशियाई-अमेरिकी समुदाय का सबसे लंबे समय तक चलने वाला सर्वेक्षण है. एशियन एंड पैसिफिक आइलैंडर अमेरिकन वोट (एपीआईएवोट), एएपीआई डेटा, एशियन अमेरिकन्स एडवांसिंग जस्टिस (एएजेसी) और एएआरपी द्वारा किए गए सर्वेक्षण से यह पता चला कि अमेरिका में इस साल नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव में भारतीय मूल के 46 प्रतिशत अमेरिकी नागरिक जो बाइडन को वोट दे सकते हैं, जबकि 2020 में यह आंकड़ा 65 प्रतिशत था. भारतीय-अमेरिकियों की संख्या में 19 प्रतिशत की गिरावट, सभी एशियाई-अमेरिकी जातीय समुदायों में सर्वाधिक है. अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और उनके प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रम्प के बीच 27 जून को राष्ट्रपति चुनाव की प्रक्रिया के तहत हुई बहस से पहले यह सर्वेक्षण किया गया था. सर्वेक्षण के अनुसार, 46 प्रतिशत एशियाई अमेरिकी बाइडन के पक्ष में मतदान कर सकते हैं, लेकिन 2020 के चुनाव की तुलना में यह आंकड़ा आठ प्रतिशत कम है.

इंडिया के घटक दल मणिपुर का मुद्दा संसद में पूरी शक्ति के साथ उठाएंगे : राहुल गांधी

मणिपुर पर पीएम कब खोलेंगे मुंह

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस महासचिव और वायनाड से पार्टी की उम्मीदवार प्रियंका गांधी ने मणिपुर मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है. एक्स पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के मणिपुर दौरे का वीडियो पोस्ट कर उन्होंने लिखा, मणिपुर को अस्थिर हुए एक साल से ज्यादा समय हो चुका है. यहां के लोग हिंसा, हत्या, दंगा और विस्थापन झेल रहे हैं. हजारों मासूम राहत कैंप में रहने को मजबूर हैं. आखिर प्रधानमंत्री मणिपुर पर अपना मुंह कब खोलेंगे? आखिर सरकार ने मणिपुर में शांति के प्रयास क्यों नहीं किए?

बता दें कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 8 जुलाई को मणिपुर का दौरा कर हिंसा पीड़ितों से मुलाकात की थी. इसके बाद उन्होंने गुरुवार को एक

वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे मणिपुर के लोगों से बात करते नजर आ रहे हैं. कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने उसी वीडियो को अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट किया है. राहुल गांधी ने आरोप लगाया था, मणिपुर की स्थिति में आज भी सुधार नहीं हुआ है और वह दो टुकड़ों में बंटा हुआ है. ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राज्य का दौरा कर लोगों की तकलीफ सुननी चाहिए और शांति की अपील करनी चाहिए. मणिपुर हिंसा को लेकर कांग्रेस समेत पूरा विपक्ष केंद्र सरकार पर हमलावर है. सड़क से लेकर संसद तक विपक्षी पार्टी पीएम मोदी की ओर से मणिपुर का दौरा नहीं करने पर सवाल खड़े कर रही है. राहुल ने यह भी कहा कि 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के घटक दल मणिपुर में शांति की जरूरत को संसद में पूरी शक्ति के साथ उठाकर, सरकार पर इस त्रासदी को खत्म करने का दबाव बनाएंगे.

पाकिस्तान जा रही प्रतिबंधित रसायनों की चीनी खेप जब्त

एजेंसी। चेन्नई

- सुरक्षा एजेंसियों ने तमिलनाडु के एक बंदरगाह पर की कार्रवाई

सुरक्षा एजेंसियों ने तमिलनाडु के एक बंदरगाह पर अंतरराष्ट्रीय रूप से प्रतिबंधित रसायनों की चीन से आई एक खेप जब्त की है जो माना जा रहा है कि पाकिस्तान के जैविक और रासायनिक युद्ध कार्यक्रम के लिए थी. अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी. यह खेप ऑर्थो-क्लोरो बेंजिलिडीन मैलोनोनाइट्राइल या सीएस की थी जिसका इस्तेमाल आंसू गैस और दंगा नियंत्रण एजेंट के रूप में किया जाता है. अधिकारियों ने बताया कि सीमाशुल्क विभाग के अधिकारियों ने तमिलनाडु के कट्टूपल्ली बंदरगाह पर इस खेप को रोका था. सीएस अंतरराष्ट्रीय समझौतों और भारत की निर्यात नियंत्रण सूची के तहत दोहरे उपयोग वाला रसायन है. दंगा नियंत्रण एजेंटों के रूप में इसका असैन्य उपयोग होता है, लेकिन जब्त की गई इतनी बड़ी मात्रा इसके संभावित सैन्य उपयोग की आशंका के बारे में चिंता पैदा करती है. चीनी कंपनी चेंग्दू शिचेन ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड की ओर से 2,560 किलोग्राम वजनी खेप पाकिस्तान में रावलपिंडी स्थित रक्षा आपूर्तिकर्ता रोहेल एंटरप्राइजेज के लिए भेजी गई थी. अधिकारियों ने कहा कि 25 किलोग्राम के 103 ड्रमों में रखी गयी यह सामग्री 18 अप्रैल, 2024 को चीन के शंघाई बंदरगाह पर मालवाहक जहाज ह्यूडई शंघाई (साइप्रस के ध्वज के साथ संचालित) में लादी गयी थी.

मंथन 'विश्व जनसंख्या दिवस' पर नड्डा ने राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के साथ डिजिटल बैठक की

स्वस्थ और छोटा परिवार ही बनाएगा 'विकसित भारत'

एजेंसी। नयी दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'विकसित भारत' का लक्ष्य तभी प्राप्त किया जा सकता है जब भारत के परिवारों का स्वास्थ्य अच्छा बना रहे और यह लक्ष्य छोटे परिवारों द्वारा ही प्राप्त किया जा सकता है. उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्यों को मिलकर काम करने की जरूरत है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महिलाएं परिवार नियोजन के विकल्प तय करने के अपने अधिकार का प्रयोग कर सकें और उन पर अनचाहे गर्भधारण का बोझ न पड़े. 'विश्व जनसंख्या दिवस' के अवसर पर नड्डा ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ डिजिटल बैठक की. कार्यक्रम की विषय-वस्तु "मां और बच्चे की भलाई के लिए गर्भधारण का उचित समय और अंतराल" थी. मंत्री ने कहा कि विकल्प के तौर पर आधुनिक गर्भनिरोधकों की उपलब्धता है और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि गर्भनिरोधकों को उपलब्ध कराने के रास्ते में आने वाली अड़चनों को दूर किया जाए, विशेष रूप से अधिक (जनसंख्या) बोझ वाले राज्यों, जिलों और प्रखंडों में. उन्होंने

इस बात पर प्रकाश डालते हुए कि विश्व की जनसंख्या का पांचवां हिस्सा भारत का है, जनसंख्या स्थिरीकरण की दिशा में कार्य करने की पुनः पुष्टि और प्रतिबद्धता के रूप में विश्व जनसंख्या दिवस मनाने की आवश्यकता पर बल दिया. नड्डा ने कहा, "विकसित भारत का लक्ष्य तभी प्राप्त किया जा सकता है जब भारत के परिवारों का स्वास्थ्य अच्छा बना रहे, जिसे छोटे परिवारों द्वारा प्राप्त किया जा सकता है." उन्होंने कहा, "केंद्र और राज्यों को सामूहिक रूप से काम करने की जरूरत है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महिलाएं परिवार नियोजन के विकल्प तय करने के अपने अधिकार का प्रयोग कर सकें और उन पर अनचाहे गर्भधारण का बोझ न पड़े." उन्होंने कहा कि परिवार नियोजन कार्यक्रम का उद्देश्य 'अपनी इच्छा से और सूविज्ञ निर्णय द्वारा जन्म' होना चाहिए. युवाओं, किशोरों, महिलाओं और बुजुर्गों सहित सभी के लिए एक उज्जवल, स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करने पर सरकार के उद्देश्यों को रेखांकित करते हुए मंत्री ने कहा, "सहयोग महत्वपूर्ण है क्योंकि हम आगामी जिम्मेदारियों को पूरा करते हैं और परिवार नियोजन और प्रजनन स्वास्थ्य को मौलिक मानते हैं."

मंत्री ने 'मिशन परिवार विकास' का किया उल्लेख

नड्डा ने 'मिशन परिवार विकास' (एमपीवी) पर बात की, जिसे शुरू में सात उच्च फोकस वाले राज्यों के 14 उच्च प्राथमिकता वाले जिलों (एचपीडी) के लिए शुरू किया गया था और बाद में इन राज्यों और छह पूर्वोत्तर राज्यों के सभी जिलों को कवर करने के लिए इसका विस्तार किया गया. उन्होंने योजना के प्रभाव पर जोर दिया और इन राज्यों में गर्भनिरोधकों तक पहुंच में उल्लेखनीय वृद्धि तथा मातृ, शिशु और पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर में कमी को रेखांकित किया.

पेट में सात करोड़ की कोकीन छुपा कर ला रही अंगोला की महिला पकड़ी गई

एजेंसी। नयी दिल्ली

- चिकित्सा प्रक्रिया से महिला के पेट से मादक पदार्थ से भरे 34 कैप्सूल निकाले गए

दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अंगोला की एक महिला को पकड़ा गया है जो 34 कैप्सूल में करीब सात करोड़ रुपये मूल्य की कोकीन पेट में छिपा कर लायी थी. बृहस्पतिवार को जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई. विज्ञप्ति के मुताबिक महिला को दो जुलाई को तब पकड़ा गया जब वह दोहा से इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंची. सीमा शुल्क विभाग की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया गया, 'एक यात्री की तलाशी के दौरान उसके पास से आठ अंडाकार कैप्सूल मिले. उस महिला यात्री ने अधिकारियों को बताया कि उसने पेट में मादक पदार्थ छुपाया है.' बयान के मुताबिक यात्री को चिकित्सा प्रक्रिया से मादक पदार्थ निकालने के लिए सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया. इसमें कहा गया, 'सफदरजंग में भर्ती रहने के दौरान महिला के पेट से मादक पदार्थ से भरे 34 कैप्सूल निकाले गए.' विज्ञप्ति के मुताबिक इन कैप्सूल (हवाई अड्डे पर बरामद कैप्सूल सहित) में कुल 515 ग्राम कोकीन छिपाई गई थी जिसकी कीमत 7.04 करोड़ रुपये आंकी गई है.

असम में 30 करोड़ के मादक पदार्थ जब्त, दो लोग गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम के करीमगंज जिले में करीब 30 करोड़ रुपये मूल्य की 'याबा' गोलियां जब्त की गई हैं और दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है. करीमगंज के पुलिस अधीक्षक पार्थ प्रतिम दास के अनुसार, पुलिस को मादक पदार्थ की खेप को लेकर एक सूचना मिली थी जिसके बाद पुलिस की एक टीम ने बुधवार रात को पड़ोसी राज्य मिजोरम से आ रहे एक वाहन को रोककर उसकी तलाशी ली. दास ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 'रातबाड़ी पुलिस थाना क्षेत्र के गंधराजबाड़ी इलाके में मादक पदार्थ विरोधी अभियान चलाया गया.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)